फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 283 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 16 मई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Marathas From Panipat to Balochistan

Mir Nasir Khan Noori categorised the 22000 Maratha prisoners and divided them into different groups. The tribes of Bugti, Marri, Gurchani, Mazari and Rayasani came into existence because of this division

Chasing Light: How a Beam Shapes Our World Every Day

भाजपा ने गुरुवार को जयपुर में अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा का न्यू गेट, बापू बाजार, सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार, जामा मस्जिद पर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी सहित भाजपा नेता, पदाधिकारी, सांसद, विधायक, विद्यार्थी, महिलाएं-बुजुर्ग इय तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

जोश व उत्साह का माहौल था जयपुर की तिरंगा यात्रा में

यह नया भारत है, जहाँ आतंकियों की मदद करने वालों को करारा जवाब दिया जाता है- मुख्यमंत्री

जयपुर, 15 मई। भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित तिरंगा यात्रा जयपुर में गुरुवार को निकाली गई। तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी सहित, भाजपा नेता, पदाधिकारी, सांसद, विधायक, समाज के बुद्धिजीवी वर्ग के लोग, विद्यार्थी, महिलाएं-बुजुर्ग शामिल हुए। तिरंगा यात्रा अल्बर्ट हॉल से शुरू होकर न्यू गेट, बापू बाजार, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान रास्तों में फूलों की वर्षा के साथ देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। जामा मस्जिद पर मुस्लिम समुदाय ने भी यात्रा का स्वागत कर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल पेश की।

- **जौहरी बाज़ार में जामा मस्जिद पर मुस्लिम समुदाय ने तिरंगा-यात्रा का भव्य स्वागत किया। सांगानेरी गेट पर हनुमान मंदिर को तिरंगे की पौशाक में सजाया गया।**

तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, "पहलगाम हमले के बाद देशवासियों के मन में जो आक्रोश था, उसे हमारी सेना ने आतंकियों के अड्डों पर हमला कर शांत किया। यह नया भारत है, जहां आतंकियों की मदद करने वालों को करारा जवाब दिया जाता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि यह यात्रा किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि भारतीय सेना के सम्मान में प्रदेश के हर नागरिक की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्ति, पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए समान रूप से जरूरी है। कांग्रेस नेताओं को भी इसमें शामिल होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा प्रदेश के सभी संभागों, जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाएगी।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि सेना ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ने वालों को मिट्टी में मिला दिया। भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि "टैरर" और "टॉक" एक साथ नहीं चल सकते। तिरंगा यात्रा के दौरान सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार, और जामा मस्जिद पर लोगों ने भारत माता के जयकारे लगाए और यात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के भी नारे लगाए गए।

तिरंगा यात्रा में स्कूली छात्र-छात्राएं भी देशभक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। सांगानेरी गेट के पास स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर को तिरंगे की पोशाक से सजाया गया था।

तिरंगा यात्रा कार्यक्रम मंच पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, सीपी जोशी, सांसद मंजू शर्मा, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, सरकार के मंत्री जोगाराम पटेल, विधायक कालीचरण सराफ, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, बालमुकुंदाचार्य, तिरंगा यात्रा प्रदेश समन्वयक भूपेन्द्र सैनी और अंकित चेची, भाजपा जयपुर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, दक्षिण जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर, उत्तर जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी, मेयर कुसुम यादव, उप महापौर पुनीत कर्नावट सहित, प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित थे।

लड़ाई केरल के मुख्यमंत्री के पद की है

थरुर को रेस से बाहर करने के लिये, के.सी. वेणुगोपाल ने जयराम को मोहरा बनाया है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 मई। शशि थरुर दुखी और असमंजस में हैं। वह कांग्रेस पार्टी छोड़ना नहीं चाहते, लेकिन उन्हें लगता है कि उन्हें मजबूर किया जा रहा है, क्योंकि, के.सी. वेणुगोपाल के नेतृत्व वाला एक गुट ऐसे हालात बना रहा है कि उन्हें कांग्रेस छोड़नी पड़े।

यह सारा विवाद केरल के मुख्यमंत्री पद को लेकर है, जिसमें वेणुगोपाल का पूरा ध्यान केवल केरल की कुर्सी पर केंद्रित है।

रमेश चेन्नीथला एक मजबूत दावेदार हैं, जिन्हें लगता है कि मुख्यमंत्री बनने का उनके लिए यह आखिरी मौका है। वह पार्टी में लोकप्रिय हैं और अधिकांश विधायक उनका समर्थन करते हैं।

इस दौड़ में शशि थरुर, मुख्य विपक्षी नेता सतीशन और करुणाकरन के बेटे मुरलीधरन भी शामिल हैं।

रमेश चेन्नीथला कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के काफी नज़दीकी हैं, जबकि वेणुगोपाल का राज्य में कोई विशेष आधार नहीं है, लेकिन उनकी ताकत राहुल गांधी हैं।

- **जयराम रमेश, वेणुगोपाल को खुश करने के लिये, बार-बार शशि थरुर को टारगैट बना रहे हैं।**
- **राहुल गांधी को वेणुगोपाल पर पूर्ण विश्वास है, अतः वे वेणुगोपाल-जयराम रमेश की थरुर को पार्टी से बाहर निकलवाने की साजिश से पूरी दूरी बनाते हुए, "जो चल रहा है, चलने दो" की नीति से आगे बढ़ रहे हैं।**
- **जयराम रमेश ने यह बात फैलायी कि सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में शशि थरुर को चेतावनी दी गई कि वे ऐसे वक्तव्य न दें, जिससे पार्टी को राजनीतिक हानि हो रही है। पर, गहराई से जाँच करने से ज्ञात हुआ कि बैठक में ऐसा कुछ हुआ ही नहीं। जयराम के कुप्रचार से शशि थरुर जरुर विचलित हो गये और सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक के बारे में ऑफिशियल स्पष्टीकरण जारी करना पड़ा।**

केरल कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर जबरदस्त घमासान छिड़ चुका है और जयराम रमेश के कारण अब यह विवाद कांग्रेस कार्यसमिति (सी.डब्ल्यु.सी.) तक पहुँच गया है। जयराम रमेश शशि थरुर को पार्टी से बाहर करने के लिए के.सी. वेणुगोपाल को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं।

सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक में जयराम रमेश ने एक टिप्पणी की कि कुछ लोगों ने "लक्ष्मण रेखा" पार कर दी है। उनका इशारा शशि थरुर के उन बयानों की ओर था जिन्हें सरकार और नरेन्द्र मोदी के समर्थन के तौर पर देखा जा रहा है।

हालांकि किसी का नाम नहीं लिया गया और इस मुद्दे पर सी.डब्ल्यु.सी. में कोई चर्चा नहीं हुई और पार्टी नेतृत्व ने शशि थरुर को इस पर कोई फटकार भी नहीं लगाई।

ब्रीफिंग के दौरान एक सवाल के जवाब में जयराम रमेश ने टिप्पणी की कि थरुर कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता नहीं हैं और न ही वह पार्टी की ओर से बोलते हैं।

बाद में उन्होंने मीडिया को जानकारी दी कि नेतृत्व ने थरुर को फटकार लगाई और कहा कि वह सरकार के समर्थन में बयान न दें जैसा कि वह करते रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या थरुर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी, क्योंकि उन्होंने "लक्ष्मण रेखा" पार की है, तो उन्होंनें "नहीं" में जवाबद दिया और कहा कि अब कुछ नहीं होगा।

यह साफ तौर पर विरोधाभास को दर्शाता है। अगर वाकई में लक्ष्मण रेखा पार हुई है, तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? लेकिन कौन जानता है कि वह असल में क्या कहना चाह रहे थे।

अगले दिन मलयालम अख़बारों और चैनलों में बड़ी-बड़ी सुर्खियों के साथ खबरें छपीं कि थरुर को पार्टी नेतृत्व ने फटकार लगाई है।

शशि थरुर को सफाई देनी पड़ी कि सी.डब्ल्यु.सी. में ऐसा कुछ नहीं हुआ और वह कुछ मुद्दों पर सरकार का समर्थन उसी तरह कर रहे हैं जैसे कि उनकी पार्टी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'26 तक एसआई भर्ती का निर्णय दो वरना आर्थिक परिणाम भुगतने होंगे'

जयपुर, 15 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में राज्य सरकार को भर्ती के अस्तित्व पर 26 मई तक निर्णय लेने का अंतिम अवसर दिया है। अदालत ने राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि यदि आगामी सुनवाई तक भर्ती को लेकर निर्णय कर अदालत को अवगत नहीं कराया गया तो प्रक्रिया में शामिल लोगों को आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते

- **हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को अंतिम अवसर दिया।**

हैं। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर भर्ती पर निर्णय करने के लिए समय मांगा। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि अदालत ने गत 21 फरवरी को राज्य सरकार को भर्ती पर निर्णय करने को कहा था। राज्य सरकार की ओर से अब तक 47 दोषी प्रशिक्षु एसआई को बर्खास्त किया गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'किराना हिल्स से "रेडियोएक्टिव लीकेज" नहीं हुआ'

इन्टरनैशनल एटॉमिक एनर्जी एजेन्सी ने साफ स्पष्टीकरण दिया कि पाकिस्तान की न्यूक्लियर वैपन्स स्टोरेज सुविधा से कोई "रेडिएशन लीक" नहीं हुई

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 मई। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि भारतीय मिसाइलों के बाद, किराना हिल्स-स्थित पाकिस्तान के न्यूक्लियर हथियार स्टोर से रिसाव हो रहा है, लेकिन इन्टरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के स्पष्टीकरण के बाद, इन सारी अटकलों और चर्चाओं पर विराम लग गया है। आईएईए ने कहा है कि पाकिस्तान की किसी भी न्यूक्लियर फेसिलिटी से कोई रेडिएशन लीकेज नहीं हो रही है।

इन अटकलों को उस समय बल मिला था, जब पाकिस्तानी एयरस्पेस में अमेरिकन बीचक्राफ्ट बी 350 एरियल मैजरिंग सिस्टम (एएमएस) ने लीकेज डिटैक्ट किया। जानकारी मिली थी। यह एयरक्राफ्ट अमेरिकन डिपार्टमेन्ट और एनर्जी फ्लीट का हिस्सा है, जो

- **यह अफवाह, इसलिए फैली कि यू.एस. बीचक्राफ्ट बी 350, को पाकिस्तान की एयर स्पेस में देखा गया था। यह हवाई जहाज, ऐसे रेडियोएक्टिव प्रदूषण (कन्टैमिनेशन) की पहचान करने के काम आता, जो अचानक लीकेज से फैल गया हो।**
- **अफवाह को इस बात से भी पुष्टि मिली कि मिस्र से एक हवाई जहाज, "बोरोन" लेकन पाकिस्तान आया था। "बोरोन", रेडियोएक्टिव एमिशन पर नियंत्रण पाने के लिये काम में लाया जाता है।**
- **इन अफवाहों के कारण आई.ए.ई.ए. के प्रवक्ता को वक्तव्य देना पड़ा कि किराना हिल्स में कोई रेडियोएक्टिव लीक नहीं हुई।**

आपातकालीन स्थितियों में रेडियोऐक्टिव कन्टेमिनेशन को चिन्हित करने के लिये तैयार किया गया है। ये अफवाहें उस समय फिर जोर पकड़ गईं, जब अमेरिकन डिपार्टमेन्ट ऑफ स्टेट के प्रिंसिपल डिप्टी स्पोक्सपर्सन टॉमी पिगॉट हाल ने ही की एक प्रेस -ब्रीफिंग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत अमेरिका से आयातित सामान पर कुछ भी टैरिफ नहीं लगायेगा'

ट्रम्प ने यह अजीबोगरीब वक्तव्य दिया, जो कतई सम्भव नहीं लगता

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 मई। भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका को "नो टैरिफ" (शुल्क-मुक्त) व्यापार समझौते की पेशकश की है। यह दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में सबसे अद्वितीय घटना हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का दावा है कि भारत ने अमेरिकी वस्तुओं पर ज़ीरो टैक्स का वादा किया है।

ट्रंप ने दावा किया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन की सशस्त्र झड़प उस समय सुलझी जब उन्होंने दोनों देशों को व्यापार का प्रस्ताव दिया। अपने विशिष्ट बेपरवाह अंदाज़ में उन्होंने कहा था, "तुम युद्ध रोको, मैं व्यापार करूंगा। अगर लड़ाई नहीं रुकी, तो व्यापार नहीं होगा।"

अब डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिका को ऐसे द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बायलेटरल ट्रेड) की पेशकश की है जिसमें कोई भी शुल्क नहीं होगा। ब्रिटेन के साथ फ्री ट्रेड का एक कमज़ोर सा समझौता होने के बाद अमेरिका के लिए यह पहला बड़ा व्यापार सौदा हो सकता है।

अगर यह सच है, तो यह "मुक्त व्यापार समझौते" का एक अनोखा उदाहरण होगा जहाँ दो देशों के बीच बिना किसी शुल्क के व्यापार किया जाएगा। सामान्यतः, मुक्त व्यापार समझौते इस प्रकार के नहीं होते हैं।

जब मुक्त व्यापार समझौते किए भी जाते हैं, तो ये केवल शुल्क ही नहीं, बल्कि, व्यापार और मर्चैन्डाइज़ स्टैण्डर्ड्स (माल मानक) की संपूर्ण प्रणाली को विस्तार से शामिल करते हैं। अतः उदाहरण के लिए, एक मुक्त व्यापार समझौता यह निर्धारित करता है कि किसी निर्यात किए गए उत्पाद में स्थानीय सामग्री की कितनी हिस्सेदारी होनी चाहिए।

इसके अलावा, कुछ टैक्स और शुल्क भी होते हैं जो घरेलू कंपनियों द्वारा किसी वस्तु के

- **उदाहरण के लिये, जब आयातित सामान पर कुछ भी टैरिफ नहीं होगा, तो, देश में निर्मित सामान स्वतः ही बाहर से आयातित सामान से महँगा हो जायेगा। जैसे, भारत में निर्मित किसी भी सामान पर, निर्माता को जी.एस.टी. देना अनिवार्य होता है। दूसरी ओर आयातित सामान पर कोई जी.एस.टी. नहीं लगता, क्योंकि, आयातित वस्तुओं का निर्माण भारत में हो नहीं रहा। अतः अनायास ही स्वदेशी निर्मित सामान, आयातित सामान से जी.एस.टी. टैक्स की वैल्यू जितना महँगा अपने आप हो गया।**
- **अतः, "नो टैरिफ" एग्रीमैंट लागू करने के लिये काफी मेहनत करनी होती है, काफी बारीकी से अध्ययन करके, "काउन्टर प्रीवेलिंग" टैक्स का प्रावधान करना होता है।**

निर्माण में चुकाए जाते हैं। इन घरेलू शुल्कों के लिए समायोजन प्रावधान आवश्यक होते हैं, अन्यथा घरेलू निर्माता अनुचित व्यापार का शिकार हो सकते हैं।

उदाहरण के लिए, भारतीय घरेलू उत्पादकों को जीएसटी, वस्तु एवं सेवा कर, अनिवार्य रूप से चुकाना होता है। यदि भारतीय निर्माता जीएसटी चुकाते हैं और विदेशी निर्माता बिना किसी टैक्स के भारतीय बाजार में प्रवेश करते हैं, तो घरेलू निर्माता उस जीएसटी के कारण प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाते हैं।

डॉनल्ड ट्रंप द्वारा बिना तथ्यों के किए जाने वाले दावे व्यापार और वाणिज्य की इन जटिलताओं को सामान्यतः अनदेखा करते हैं।

ऐसे मामलों में, जहां टैक्स का प्रभाव अलग-अलग होता है, वहां आयातित वस्तुओं पर भी वही घरेलू कर लगाए जाते हैं जो घरेलू वस्तुओं पर लागू होते हैं।

ये "काउन्टरवेलिंग टैक्स" (प्रतिसंतुलन कर)होते हैं, जो अंतिम कीमत पर टैक्स का प्रभाव बराबर रखने के लिए होते हैं।

भारत और अमेरिका की टीमें फिलहाल कुछ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत कर रही हैं, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा हाल ही में घोषित टैरिफ के बाद। ट्रंप के शासन में अमेरिका ने सभी आयातों पर 10 प्रतिशत का व्यापक शुल्क लगाया था। इसके अतिरिक्त, अमेरिका ने रैसिप्रोकल टैक्सेज़ (प्रतिस्पर्धात्मक कर) की घोषणा की थी, जो अमेरिकी वाणिज्य विभाग द्वारा तैयार किए गए किसी फॉर्मूले पर आधारित होते हैं।

ये टैक्स अमेरिका प्रशासन द्वारा मनमाने ढंग से लगाए गए थे। उदाहरण के लिए, चीन के मामले में, अमेरिका ने कुल मिलाकर 145 प्रतिशत तक के शुल्क लगा दिए थे। चीन ने भी उसी स्तर पर प्रतिशोध लिया। इन प्रतिशोधी कार्रवाइयों के बाद, चीन और अमेरिका अब अपने टैरिफ को अधिक व्यवहारिक स्तरों पर लाने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

अमेरिका ने चीन से आयात पर अपने शुल्क को घटाकर लगभग 30 प्रतिशत कर दिया है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जज 100 किलोमीटर गए दुष्कर्म पीड़िता को राहत देने

जयपुर, 15 मई। कोटपूतली-बहरोड में चिकित्सकों ने एक नाबालिग रेप पीड़िता का गर्भपात करने से इनकार कर, उन्हें हाईकोर्ट का आदेश लाने को कहा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को

- **कोटपूतली-बहरोड़ में नाबालिग रेप पीड़िता का चिकित्सकों ने गर्भपात करने से मना कर दिया था और हाई कोर्ट का आदेश लाने को कहा था, इस पर विधिक सेवा प्राधिकरण ने एडीजे पवन जीनवाल को तत्काल वहाँ भेजा।**

मामले की जानकारी मिलने पर सदस्य सचिव हरिओम अत्रि ने गंभीरता दिखाते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एडीजे पवन जीनवाल को जयपुर से तत्काल सौ किलोमीटर दूर अस्पताल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

आपत्ति मनुष्य बनाती है और संपत्ति राक्षस। -विक्टर ह्यूगो

क्या जातिगत आरक्षण के चक्रव्यूह को तोड़ने का कोई संवैधानिक मार्ग है?

संविधान निर्माताओं ने संविधान में व्यवस्था दी है कि किसी के साथ जाति, रंग, धर्म के नाम पर भोदभाव नहीं होगा। सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा अपने धर्म के अनुसार आराधना, पूजा व उसे मानने की स्वतंत्रता होगी। प्रत्येक नागरिक को जीने का मूल अधिकार होगा। संविधान में सामाजिक न्याय को आर्थिक व राजनीतिक न्याय से प्रथम स्थान यानी प्रायोरिटी दी गई थी। दलित के साथ किये गये अन्याय की यह क्षतिपूर्ति का तथा समानता के अधिकार की ओर उठाया हुआ कदम था। यह स्पष्ट है कि सामाजिक न्याय का संबंध, आर्थिक न्याय से नहीं है। वर्तमान में सामाजिक न्याय के इस अधिकार के कारण पिछड़ों का एक वर्ग इस आरक्षण के कारण अब पिछडे.नहीं रहे वे क्रिमीलेयर आ चुके हैं, यानी आरक्षण से बाहर हो गये। किन्तु यह प्रक्रिया इतनी धीमी रही कि 95% अभी भी पिछड़े ही हैं। आरक्षण आवश्यक था और इसे अब तक पूरा हो जाना चाहिये था; किन्तु आरक्षण की मांग का विस्तार हो रहा है। आरक्षण की मांग जाति, उपजाति में उठाई जा रही है।

जातिगत आरक्षण को लगभग अभी पार्टियों ने बुरा विचार माना है। सत्ताधारी पार्टी भाजपा जातीय गणना को विभाजनकारी व विध्वंशकारी तथा खतरनाक बता चुकी है; किन्तु वही पार्टी इसका स्वागत कर रही है। कांग्रेस से कहा भाजपा ने उसका विचार ही चुरा लिया है। वस्तुत: यदि आरक्षण के इतिहास को देखा जावे तो हमें कालेकर कमीशन की रिपोर्ट को समझना होगा। भारत के गृहमंत्री ने कहा है कि यह सच है कि कांग्रेस Anti-Reservation है। कांग्रेस ने कमीशन की रिपोर्ट पर अमल नहीं होने दिया। इस रिपोर्ट में भारत के पहले इस बैकवर्ड कमीशन ने 70% रिजर्वेशन की बात की। यह 1953 की घटना है। इस बाबत राजनैतिक पार्टी के नेताओं में विचारों की भिन्नता है।

इसमें काई शक नहीं है कि देश में कई जगह जातियों के आंकड़े इकट्ठे किये गये हैं, किन्तु उस पर कोई कदम नहीं उठाया गया। कहते हैं भाजपा के पास आंकडे हैं, किन्तु उसे सार्वजनिक नहीं किया गया। रोहिणी आयोग भी गठित हुआ किन्तु उसने क्या किया, किसी को पता नहीं है। कोई विश्वास साथ यह नहीं कह सकता कि इस आंकडों की क्या उपादेयता होगी। राहुल गांधी ने आरक्षण की सीमा 50% से अधिक बढ़ाने की बात कर रहे हैं, इसके लिये तो संवैधानिक संशोधन लाना होगा। आरक्षण का अर्थ है सरकारी नौकरी परन्तु सरकार के पास क्या नौकरियां हैं? कई प्रकार के विचार वाले लोग इस देश में हैं।

आरक्षण की समस्या का लम्बा इतिहास है। वर्ष 1978 में कपूरी ठाकुर ने बिहार में आर्थिक पिछडेपन के आधार पर आरक्षण की घोषणा की थी, जिसके फलस्वरूप राजनीति में एक तूफान आ गया था। इस पर विचार करने व अनुशंसा देने के हेतु मंडल आयोग का गठन हुआ। मंडल आयोग ने अपनी सिफारिशों के आधार पर 1971 में जनगणना और जाति आधारित गणना के लिये पिछड़ेपन को अपनाया। उस समय आर्थिक पिछड़ेपन की बात छोड दी गई और उन धर्मों को भी अलग कर दिया था जहां जाति व्यवस्था नहीं थी।

आरक्षण को समझने के लिये हमें विधान निर्मात्री सभा की कमेटी के कार्य को समझना होगा और संविधान के अनुच्छेद 334 को स्वरूप देने के प्रक्रिया का अध्ययन करना होगा। विधान निर्मात्री सभा के चेयरपर्सन बाबा साहब डा.अम्बेडकर थे। संविधान के अनुच्छेद 334 में यह व्यवस्था दी कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की पार्लियामेंट व असेम्बली की सीटें कैसे निर्धारित की जावेंगी। अनुच्छेद 334 जो 26.01.1950 को संविधान में था उसके अनुसार यह प्रावधान दिनांक 29.01.1960 को स्वत: ही समाप्त हो जाने की व्यवस्था थी। एक प्रकार से यह संविधान का बेसिक स्ट्रक्चर का भाग था, जिसमें संशोधन नहीं हो सकेगा। आश्चर्य तो इस बात का है कि संविधान के मूल प्रारूप में (ड्राफ्ट) में यह प्रावधान ही नहीं था। बाबा साहब इस प्रावधान के पक्ष में नहीं थे। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति ने बाबा साहब से प्रतिवेदन दिया प्रार्थना की, इस पर बडी मिन्नत के बाद यह आरक्षण केवल 10 वर्ष तक के लिये रखा गया जो समयावधि के बाद स्वत: ही Sunset Laws के अनुसार समाप्त होना था। बाबा साहब ने तो यहां तक कहा था, जो संसद की कार्यवाही के रेकार्ड से अभिव्यक्त है कि 10 वर्ष के बाद एक दिन भी नहीं बढ़ेगा। किन्तु दुर्भाग्य है कि संविधान की मर्यादा के प्रतिकूल प्रत्येक 10 वर्ष बाद इसे 20, 30, 40, 50, 60, 70 व 80 वर्ष संविधान में संशोधन से कर दिया जाता है जो सर्वथा असंवैधानिक है। इस सम्बन्ध में चुनौती देने वाली याचिकायें वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में जेरकार हैं, किन्तु सुनवाई नहीं हो रही है। राजस्थान हाईकोर्ट में भी याचिका पेश की थी, उसे भी सुप्रीम कोर्ट भेज दिया गया। यदि यह प्रावधान लागू होता तो 1960 के बाद की राजनीति में नया रूप आ जाता।

आजादी के 75 वर्षों बाद भी केवल मुठ्ठी भर लोगों का पिछड़ापन समाप्त हुआ है, यह देश के शासन के लिये चिन्ता का विषय होना चाहिये। संविधान की भावना तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों को हमें जनहित, समाजहित व देशहित में समझना है, स्वीकार करना है तथा जातिगत आरक्षण के चक्रव्यूह को तोड़ने का कोई संवैधानिक सुगम, सरल व मान्य मार्ग ढूंढना होगा।

आरक्षण के विषय में संविधान पीठ के कई निर्णय हुये हैं। इनका सार है कि अनुच्छेद 16(4), (4ए) (4बी), स्वयं में मूल अधिकार नहीं है केवल Enabling (कार्यकारी) प्रावधान है तथा सरकार आजादी के इतने वर्षों के बाद आरक्षण देने को बाध्य नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 16(4) में यह व्यवस्था है कि पिछड़ों के पक्ष में जिनका प्रतिनिधित्व राज्य की राय में पर्याप्त नहीं है, आरक्षण दे सकती है, किन्तु कौन पिछड़ा है तथा प्रतिनिधित्व पर्याप्त नहीं है इसके लिये पर्याप्त व प्रमाणिक आंकड़े अति आवश्यक हैं। यदि राज्य पिछड़े वर्गों को नियुक्ति के आरक्षण पर विचार करती है तो प्रत्येक केस में अनिवार्य कारणों से प्रावधान बनाने से पूर्व संख्यात्मक आंकडों से साबित करना होगा कि (1) क्या सकल प्रशासनिक दक्षता की सुरक्षा को तो कोई खतरा नहीं है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि सरकार आरक्षण संबंधित प्रावधान बनाती है या अधिकार का प्रयोग करती है तो उसे शर्तों की पालना करना अनिवार्य होगा। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि (1) किसी भी स्तर पर आरक्षण 50% से अधिक नहीं होगा (2) क्रिमीलेयर को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा (3) ओबीसी, एससी एवं एसटी का उपवर्गीकरण यथावत रखना होगा। बैकलॉग नियम 3 वर्ष से अधिक का नहीं होगा (4) चूंकि अनुच्छेद 16(4) (4ए) (4बी) ही प्रवाहित हुये हैं, अत: पदोन्नति में भी आरक्षण के प्रावधान बनाने के लिये वे ही शर्तें लागू करना अनिवार्य होगा।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष क्रिमीलेयर का प्रश्न कई बार उठाया गया है और यह सिद्धान्त प्रतिपादित हुआ है कि जो क्रिमीलेयर के हैं उन्हें अनुसूची से बाहर होना चाहिये। ऐसे लोगों का जस्टिस कृष्णा अय्यर ने क्रिमीलेयर के शब्द से स्टेट ऑफ केरल बनाम एन एम थोमस 1976(2) एससीसी 310 में सम्बोधित किया है। एम नागराज बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया 2006 (8) एससीसी 1, यूपी पावर कॉरपोरेशन बनाम राजेशकुमार 2012 (7) एससीसी अशोक कुमार ठाकुर के केस 2008 (6) एससीसी आदि निर्णयों में इस सिद्धान्त को स्वीकार किया है। मलाई खाने वाले ये व्यक्ति अब आरक्षण का लाभ नहीं ले सकते। पिछडे जो अब तक भी पूर्ववत पिछडे ही हैं उन्हें सामाजिक न्याय मिलना चाहिये।

सर्वोच्च न्यायालय आर्थिक आधार पर भी आरक्षण हो सही माना है। यह आरक्षण सामाजिक पिछडेपन के आरक्षण के अतिरिक्त है। 103वें संविधान संशोधन से 2019 में आर्थिक रूप से कमजोरों के लिये 10: यह आरक्षण है।

सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस कृष्णा अय्यर के माध्यम से 1981 के निर्णय में यह अपेक्षा की है कि "राज्य की कार्य पद्धति की सफलता इससे आंकी जानी चाहिये कि वह ऐसी व्यवस्था पैदा करे कि अनुच्छेद 16(4) के अन्तर्गत आरक्षण की व्यवस्था ही समाप्त हो जावे। यह कोई महान मौलिक अधिकार नहीं है कि कुछ वर्ग शाश्वत रूप से अनन्त काल तक पिछडे ही बने रहें। यह संविधान की मूल भावना के विरूद्ध है।"

इन्द्रा साहनी के केस के बाद कई निर्णयों में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। राजस्थान में यह आरक्षण 50 प्रतिशत से कम है। सन 1992 से यह स्थिति बनी हुई है, कब तक सुप्रीम कोर्ट इस 50% की सीमा के विषय पर सुनती रहेगा। मुकदमों का अन्त होना चाहिये।

लेखक का अपना मत है कि उपरोक्त निर्णयों में तथा अन्य निर्णयों में माननीय सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ जो निर्णय दे चुकी है, उन पर 10 वर्ष तक पुन: विचार नहीं हो। देश का न्याय सस्ता, सरल व सुलभ हो तथा जिसमें स्थायित्व भी हो। क्रिमीलेयर के निर्णय, 50 प्रतिशत की सीमा के निर्णयों पर मोरीटोरियम लगना चाहिये। हाँ जस्टिस जीवन रेड्डी के तथा तीन न्यायाधीशों के निर्णय के अनुसार जहां असाधारण परिस्थितियों हो वहां सीमा पार की जा सकती है; किन्तु वह भी उन लोगों के लिये जो मुख्य धारा से बाहर हैं तथा विपरीत परिस्थिति से घिरे हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि केन्द्र सरकार की जो विचार धारा 2001, 2011 व 2020 में जनगणना व जातिगत जनगणना के संबंध में थी उसमें परिवर्तन आया है। जनगणना के साथ जातिगत जनगणना हो इस पर जनसभाओं में विचार मंथन होना चाहिये। जातियों की उपजातियों में जो अति पिछडे हैं जिन्हें अब तक कोई महत्व नहीं मिला है और जो असमानता व पिछडेपन के अभिश्राप से अधिक पीडित हैं, उनके बाबत आवश्यकता के अनुसार राष्ट्रीय नीति क्या हो, विचार हो। लोगों को सामाजिक न्याय मिले। ऐसी नीति बनाई जावे कि आने वाले 10 वर्षों में पिछड़ापन समाप्त हो। आजादी के 75 वर्षों बाद भी केवल मुठ्ठी भर लोगों का पिछड़ापन समाप्त हुआ है, यह देश के शासन के लिये चिन्ता का विषय होना चाहिये। संविधान की भावना तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों को हमें जनहित, समाजहित व देशहित में समझना है, स्वीकार करना है तथा जातिगत आरक्षण के चक्रव्यूह को तोड़ने का कोई संवैधानिक सुगम, सरल व मान्य मार्ग ढूंढना होगा।

भगवान महावीर ने जगत को संदेश दिया था 'अयातुला प्रया सु' अर्थात् जगत के प्रत्येक प्राणी को अपने समान देखो, जैसा तुम्हारा अस्तित्व है वैसा ही अन्य का भी मानो। यह प्रयास सह अस्तित्व की भावना को जागृत करेगा। हमारे संविधान का भी यही संदेश है।

सबको सन्मति दे भगवान!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

सीजफायर के बाद भी पाकिस्तान पर भरोसा नहीं किया जा सकता

राजेन्द्र मोहन शर्मा

भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव और युद्धविराम ने दक्षिण एशिया की भू-राजनीतिक जटिलताओं को न केवल क्षेत्रीय, बल्कि वैश्विक मंच पर भी उजागर किया है। यह अल्पकालिक सैन्य टकराव, जिसे "आशंकाओं के साये भी नहीं हुए सीज और आग भी ज्यों कि त्यों" के रूप में देखा जा रहा है, ने भारत की सामरिक और कूटनीतिक परिपक्वता को प्रदर्शित किया, साथ ही पाकिस्तान की आर्थिक-सामरिक कमजोरियों को बेनकाब किया। पहलगाम आतंकी हमले से शुरू हुआ यह घटनाक्रम विभिन्न देशों की रणनीतियों, क्षेत्रीय गतिशीलता, और भारत की आंतरिक राजनीति को रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन, शशि थरूर के समर्थन, हाल के सर्वेक्षणों में उभरे जनसमर्थन, और नए अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों ने इस संकट में भारत की स्थिति को और मजबूत किया है। लेकिन पाकिस्तान की अविश्वसनीय आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता यथावत है अत: यह कहना कठिन है कि यह युद्ध विराम कब तक बना रहेगा। घटनाक्रम की पृष्ठभूमि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को चरम पर पहुंचा दिया। इस हमले में 26 भारतीय नागरिकों की जान गई, भारत ने इस हमले के लिए पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों, विशेष रूप से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद, को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद, पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर लगातार 11 दिनों तक संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, जिसमें गोलीबारी और मोर्टार हमलों ने दोनों पक्षों में तनाव को और बढ़ाया।

भारत ने इस आक्रामकता का जवाब देने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जो 2 मई 2025 को अपने चरम पर पहुंचा। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना और थलसेना ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों, आतंकी अड्डों, और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सात प्रमुख एयरबेस-नूर खान, रहमियार खान, स्कर्दू, मियांवाली, सरगोधा, कामरा, और मुल्तान-को पूरी तरह तबाह कर दिया। इसके अलावा, पाकिस्तान के रडार सिस्टम, हवाई रक्षा प्रणालियां और आतंकी प्रशिक्षण शिविरों को भी गंभीर क्षति पहुंची। इस कार्रवाई में लगभग 200 लोग मारे गए, जिनमें 100 से अधिक आतंकवादी शामिल थे। पाकिस्तान को अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ, जिसने उसकी पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डाला है। भारत की सैन्य और कूटनीतिक रणनीति भारत ने इस संकट में सैन्य शक्ति और कूटनीतिक संयम का शानदार संतुलन बनाए रखा।

भारतीय सेना की प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी ने 8 मई 2025 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान के दावों को खारिज किया, जिसमें उसने दावा किया था कि उसके जेएफ-17 लड़ाकू विमानों ने भारत के एस-400 और ब्रह्मोस मिसाइल बेस को नुकसान पहुंचाया। कुरैशी ने स्पष्ट किया कि भारत के सभी रक्षा ठिकाने और प्रणालियां सुरक्षित रहीं, और पाकिस्तान का प्रचार युद्ध पूरी तरह विफल रहा। उनकी प्रेस ब्रीफिंग ने न केवल भारत की पारदर्शिता को उजागर किया, बल्कि भारतीय सेना के आत्मविश्वास को भी प्रदर्शित किया। कुरैशी की जुड़वां बहन, शायना कुरैशी, ने सोशल मीडिया पर उनकी उपलब्धियों को प्रचारित कर राष्ट्रीय भावना को और मजबूत किया, जिससे सोफिया एक राष्ट्रीय नायिका के रूप में उभरीं। भारत ने ब्रह्मोस मिसाइल, जो भारत और रूस की संयुक्त तकनीक का परिणाम है, का उपयोग सीमित और रणनीतिक रूप से किया। भारत ने अपनी रक्षा प्रणालियों, विशेष रूप से रूसी मूल की एस-400, का प्रभावी उपयोग कर पाकिस्तान की किसी भी संभावित आक्रामकता को नाकाम किया।

12 मई 2025 को राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, "टेरर और टॉक एक साथ नहीं हो सकते, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं चल सकते, पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।" मोदी ने इस कार्रवाई को भारत की बहनों के सम्मान की रक्षा से जोड़ा, क्योंकि ऑपरेशन का नाम 'सिंदूर' भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि युद्धिवराम केवल सैन्य कार्रवाई को स्थगित करता है, और भारत उसकी हर गतिविधि पर नजर रखेगा। मोदी ने युद्धविराम के लिए अमेरिकी मध्यस्थता को स्वीकार करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा, "भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी संप्रभुता और सम्मान से समझौता नहीं करेगा।" उनके इस संबोधन ने न केवल भारत की एकजुटता को प्रदर्शित किया, बल्कि उनकी कूटनीतिक परिपक्वता को भी रेखांकित किया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर की रणनीतिक योजना और निष्पादन की खुलकर प्रशंसा की। 13 मई 2025 को एक टेलीविजन साक्षात्कार में उन्होंने कहा, "संकट को बहुत अच्छे ढंग से संभाला गया। ऑपरेशन सिंदूर को मैं पूरे अंक देता हूं।" थरूर ने अपने हाल के लेख में लिखी पंक्ति-"यह युद्ध का युग नहीं है, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं"-को मोदी के भाषण में शामिल होने पर प्रसन्नता जताई।

विश्लेषकों का मानना है कि चीन ने इस तनाव का उपयोग भारत की रक्षा तैयारियों, विशेष रूप से एस-400 और ब्रह्मोस की तैनाती, का अध्ययन करने के लिए किया। यह रणनीति चीन के उस दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिसमें वह बिना प्रत्यक्ष संघर्ष के अपनी स्थिति को मजबूत करता है। तुर्क की आक्रामक बयानबाजी से भारत में बहुत आश्चर्य हुआ है। तुर्क ने पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया और भारत के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी की। तुर्क के विदेश मंत्रालय ने 5 मई 2025 को एक बयान जारी कर कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के रुख का समर्थन किया, जिससे भारत-तुर्क संबंधों में तनाव बढ़ा है। यह तुर्क की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और पाकिस्तान के साथ गहरे संबंधों का परिणाम था। हालांकि, यह रणनीति तुर्क के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है, क्योंकि भारत एक उभरती आर्थिक और सैन्य शक्ति है।

रूस की विश्वसनीय साझेदारी रूस ने इस संकट में भारत के साथ अपनी विश्वसनीय साझेदारी को और मजबूत किया। एस-400 और ब्रह्मोस जैसी रूसी तकनीकों ने भारत की रक्षा क्षमता को बढ़ाया। रूस के विदेश मंत्रालय ने 9 मई 2025 को एक बयान में आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई को जायज ठहराया, जिसने भारत की स्थिति को और मजबूत किया। ईरान की अप्रत्यक्ष भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। ईरान ने बलूचिस्तान में अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान पर दबाव बनाया। बलूच अलगाववादी आंदोलनों को समर्थन देकर ईरान ने पाकिस्तान की आंतरिक कमजोरियों को उजागर किया, जो भारत के लिए सामरिक लाभकारी रहा। यह भारत और ईरान के बीच बढ़ते सहयोग को दर्शाता है, विशेष रूप से क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर। अमेरिका की मध्यस्थता इस संकट का निर्णायक मोड़ साबित हुई।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 मई 2025 को भारत-पाकिस्तान युद्धविराम की घोषणा की और इसे अपनी कूटनीतिक जीत बताया। ट्रंप ने ट्वीट किया, "भारत और पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित करना मेरी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है।" हालांकि, भारत ने अपनी शर्तों पर युद्धविराम स्वीकार किया, जिसमें पाकिस्तान से आतंकी गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग शामिल थी। इस मध्यस्थता ने भारत के दशकों पुराने रुख-कश्मीर पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता अस्वीकार-को चुनौती दी। कई विश्लेषकों ने सवाल उठाया कि भारत ने इस मुद्दे पर अमेरिका को मध्यस्थता की अनुमति क्यों दी। यह कदम भारत की आंतरिक राजनीति में बहस का विषय बना, क्योंकि कुछ ने इसे भारत की कूटनीतिक स्वायत्तता पर सवाल के रूप में देखा। आंतरिक राजनीतिक गतिशीलता असदुद्दीन ओवैसी की भूमिका की दृष्टि से उल्लेखनीय रही। आईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान के धार्मिक प्रचार को नाकाम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

न्यूज 18 के मई 2025 सर्वेक्षण के अनुसार, 68ः भारतीयों ने ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम माना, और 72ः ने मोदी की कूटनीतिक-सैन्य रणनीति की प्रशंसा की। इंडिया टुडे के एक अन्य सर्वेक्षण में 65ः लोगों ने कहा कि मोदी का संबोधन राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाने वाला था। यह समर्थन भाजपा के भीतर मोदी की स्थिति को और मजबूत करता है, हालांकि अमेरिका की मध्यस्थता पर कुछ असंतोष भी उभरा है। यह संकट भारत की सामरिक और कूटनीतिक ताकत को उजागर करता है, लेकिन कई सवाल अनुत्तरित हैं। अमेरिका की मध्यस्थता -भारत ने कश्मीर जैसे द्विपक्षीय मुद्दे में अमेरिका को मध्यस्थता की अनुमति क्यों दी? यह भारत की कूटनीतिक स्वायत्तता पर सवाल उठाता है। युद्धविराम की घोषणा -युद्धविराम की घोषणा भारत के बजाय ट्रंप ने क्यों की? क्या यह भारत की कूटनीतिक रणनीति में चूक थी? मोदी की छवि-क्या यह कदम मोदी की अजेय छवि को प्रभावित करेगा?

हालांकि सर्वेक्षण उनके पक्ष में हैं, लेकिन कुछ आलोचकों का मानना है कि यह कदम उनकी पार्टी के भीतर असंतोष को जन्म दे सकता है। इस संकट ने पाकिस्तान की आर्थिक और सामरिक कमजोरियों को उजागर किया। उसकी अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही आईएमएफ के कर्ज पर निर्भर है, इस नुकसान से और कमजोर हुई। दूसरी ओर, भारत ने अपनी सैन्य और कूटनीतिक ताकत को प्रदर्शित कर वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को मजबूत किया। भारत को भविष्य में कई चुनौतियों का सामना करना होगा। सबसे पहले, उसे अपनी रक्षा तैयारियों को और मजबूत करना होगा, विशेष रूप से चीन जैसे प्रतिद्वंद्वियों के सामने। दूसरा, कूटनीतिक स्तर पर भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि कश्मीर जैसे मुद्दों पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को रोका जाए। तीसरा, आंतरिक स्तर पर सामाजिक एकता और राजनीतिक स्थिरता को बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा। निष्कर्ष:ऑपरेशन सिंदूर और युद्धविराम ने भारत को एक उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित किया। मोदी के संबोधन, थरूर के समर्थन, और जनसमर्थन ने भारत की एकजुटता को रेखांकित किया। पाकिस्तान की हार और क्षेत्रीय शक्तियों की भूमिकाओं ने दक्षिण एशिया की जटिल गतिशीलता को उजागर किया। हालांकि, अमेरिका की मध्यस्थता और युद्धविराम की घोषणा से जुड़े सवाल भविष्य की कूटनीति को प्रभावित कर सकते हैं। भारत को संयम और शक्ति का संतुलन बनाए रखते हुए क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करना होगा।

-राजेंद्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार,
शिक्षाविद, और चिंतक

भीलवाड़ा शहर के कई इलाकों दस दिन से जल आपूर्ति पूरी तरह ठप, लोग परेशान

भीषण गर्मी के बीच गहराने लगा जल संकट, आक्रोशित शहरवासियों ने प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के कई इलाकों में भीषण गर्मी के बीच गत दस दिन से जल आपूर्ति पूरी तरह ठप है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि शहर की कई कॉलोनियों के लोग पानी की समस्या से परेशान हो रहे हैं।

शहर की सुभाष नगर, राजपूत कॉलोनी, पालड़ी रोड, देवनारायण कॉलोनी, लॉयन्स क्लब के पीछे व आसपास के क्षेत्र में लोग पानी की गंभीर किल्लत से जूझ रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन कर विभाग के अधिकारियों पर कई गंभीर आरोप लगाए। लोगों का कहना था कि जलदाय विभाग और चम्बल परियोजना के अधिकारी जिम्मेदारी लेने की बजाय एक-दूसरे पर आरोप मढ़ रहे हैं। शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। नई पाइप लाइन बिछाने के दावों के बीच आज भी पुरानी, जर्जर पाइपों से जल सप्लाई की जा रही है, जो वर्तमान जनसंख्या के हिसाब से अपर्याप्त है। जनता ने जिला प्रशासन से मांग की है कि कलेक्ट्रेट परिसर में जनसुनवाई के लिए एक विशेष कक्ष स्थापित किया जाए तथा एक हेल्पलाइन नंबर जारी कर आमजन की समस्याएं सीधे अधिकारियों तक पहुंचाई जाए। जल संकट को देखते हुए नागरिकों ने चेताया है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है।

■ लोगों का कहना था कि जलदाय विभाग, चम्बल परियोजना के अधिकारी जिम्मेदारी लेने की बजाय एक-दूसरे पर आरोप मढ़ रहे हैं

लोगों ने कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन कर विभाग के अधिकारियों पर आरोप लगाए।

राशिफल शुक्रवार 16 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र दिन 4:08 तक, सिद्ध योग प्रात: 7:14 तक, बव करण सायं 4:38 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज चतुर्थी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:23 तक, लाभ अमृत 7:23 से 10:43 तक, शुभ 12:23 से 2:03 तक, चर 5:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:43, सूर्यास्त 7:03

मेष

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

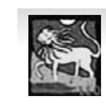

सिंह

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

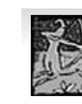

धनु

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कन्या

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ-मांगलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से तनाव बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

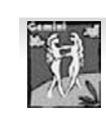

मिथुन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मीन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

स्व. भैरोंसिंह शेखावत का राजस्थान के विकास में अहम योगदान : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार सुबह विद्याधर नगर स्थित पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. भैरोंसिंह शेखावत के स्मृति स्थल पहुंचे। उन्होंने शेखावत स्मृति स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति का राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश के विकास में अहम योगदान रहा। उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय तथा डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के मूल्यों के अनुरूप कार्य किए। स्व. शेखावत ने गरीब, किसान और पिछड़ा वर्ग के लिए अंत्योदय जैसी महती योजना राजस्थान में लागू की, जो कि बाद में पूरे देश में लागू की गई। शर्मा ने कहा कि स्व. शेखावत का जीवन हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आव्हान किया कि उनकी पुण्यतिथि पर हमें सशक्त और समृद्ध राजस्थान बनाने का दृढ़ संकल्प लेना चाहिए।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, सांसद डॉ. मंजू शर्मा सहित बड़ी संख्या में आमजन ने भी स्मृति स्थल पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. भैरोंसिंह शेखावत की पुण्यतिथि पर उनके स्मृति स्थल पहुंचकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, सांसद डॉ. मंजू शर्मा सहित बड़ी संख्या में आमजन ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति स्वर्गीय भैरोंसिंह शेखावत की पुण्यतिथि के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह, भाजपा

- **भाजपा प्रदेश कार्यालय में भी स्व. शेखावत की पुण्यतिथि पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी**

प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने बाबोसा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता के रूप में शेखावत ने जो मार्गदर्शन छोड़ा है, वह पार्टी की विचारधारा और कार्यशैली का आधार है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता किए बिना भी उत्कृष्ट राजनीति की जा सकती है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर स्व. भैरोंसिंह शेखावत को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रसारण निगम के 6 ग्रिड सब-स्टेशन उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत

राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के प्रबन्ध निदेशक नथमल डिडेल ने गुरूवार को छह ग्रिड सब-स्टेशनों के अधिकारियों को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

जयपुर। राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम ने 6 ग्रिड सब-स्टेशनों को अंक आधारित कार्य कुशलता योजना के आधार पर 2025 के प्रथम त्रैमासिक में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया है। इसमें 3 ग्रिड सब-स्टेशन 220 के.वी. व 3 ग्रिड सब-स्टेशन 132 के.वी. के हैं।

प्रसारण निगम के प्रबन्ध निदेशक नथमल डिडेल ने आज इन 6 ग्रिड सब-स्टेशनों के अधिकारियों को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। जिन ग्रिड सब-स्टेशनों को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र दिया गया है, उनमें 220 के.वी. ग्रिड सब-स्टेशन श्रेणी में जयपुर जोन के कोटा सर्किल में बारां, अजमेर जोन के सीकर सर्किल में सीकर, जोधपुर जोन के हनुमानगढ़ सर्किल के भादरा, एवं 132 के.वी. ग्रिड सब-स्टेशनों की श्रेणी में जयपुर जोन के कोटा सर्किल में बांरा, अजमेर जोन के भीलवाड़ा सर्किल में जहाजपुर, जोधपुर जोन के रतनगढ़ सर्किल में चाँदगोठी हैं।

नथमल डिडेल ने बताया कि प्रसारण निगम के ग्रिड सब-स्टेशनों के तकनिकी आंकलन हेतु अंक आधारित कार्यकुशलता योजना बनाई गई है जिसे प्रसारण निगम लागू किया गया है। इस योजना के तहत समस्त ग्रिड सब-स्टेशनों के विभिन्न तकनिकी बिन्दु, रख-रखाव एवं अन्य कार्यों का मासिक आधार पर आंकलन किया जाता है। इस योजना से समस्त ग्रिड सब-स्टेशनों की कार्यकुशलता में समुचित सुधार हुआ है तथा तकनिकी बिन्दुओं एव प्रसारण हास में भी अपेक्षित सुधार अर्जित किया गया है।

एकल पट्टा प्रकरण म सुनवाई जारी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में गुरुवार को एकल पट्टा प्रकरण को लेकर सुनवाई हुई। पूर्व आईएएस जीएस संधू की ओर से मामले में अपना पक्ष रखा गया। वहीं अदालत ने मामले में शुक्रवार को सुनवाई जारी रखना तय किया है। सीजे एमएम श्रीवास्तव की एकलपीठ ने यह आदेश पूर्व मंत्री शांति धारीवाल, जीएस संधू, निष्काम दिवाकर और ओंकार मल सैनी की ओर से दायर सात आपराधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान संधू की ओर से अधिवक्ता एसएस होरा ने पक्ष रखा। उनकी ओर से कहा गया कि टोडी रामजानीपुरा की 3.43 हेक्टर जमीन के एकल पट्टे के लिए पूर्व में जेडीए में आवेदन किया गया था। मामले में पट्टा निरस्त होने के कई महीनों बाद शिकायत दर्ज कराई गई थी। वहीं जांच को लेकर पुलिस का स्टैंड भी बार-बार बदला है। प्रकरण में राज्य सरकार की किसी तरह की हानि नहीं हुई है। ऐसे में प्रकरण को लेकर कोई अपराध कारित नहीं हुआ है। इसलिए प्रकरण में की गई कार्रवाई को निरस्त किया जाए। इसके अलावा आरोप पत्र पेश करने के बाद राज्य सरकार ने अभियोजन वापस लेने के लिए एसीबी कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश किया था। यदि राज्य सरकार को मामला एसीबी का लगता तो उनकी ओर से अभियोजन वापस लेने का निर्णय नहीं किया जाता है। बहस के दौरान अदालती समय पूरा होने के चलते अदालत ने मामले में सुनवाई शुक्रवार को तय की है।

भजनलाल शर्मा की सी. आर. पाटिल से भेंट

दिल्ली/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्तिमंत्री सी.आर.पाटिल से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान शर्मा ने प्रदेश की जल संसाधन विकास योजनाओं, सिंचाई परियोजनाओं, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था एवं नदी संरक्षण कार्यक्रमों पर विस्तृत रूप से सार्थक चर्चा की।

शिव महापुराण कथा के आयोजकों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज

- **धार्मिक आयोजन में लापरवाही से श्रमिक की मौत पर मामला दर्ज**
- **कथा के समापन के बाद आयोजकों की घोर लापरवाही के चलते एक श्रमिक की दर्दनाक मृत्यु हो गई थी**
- **आयोजन स्थल पर रस्सियों को लटकता हुआ छोड़ दिया, जिससे दिनेश अपनी मोटरसाइकिल सहित उलझ कर गिर पड़ा था**

जयपुर। जयपुर के विद्याधर नगर जयपुर में 1 से 7 मई तक आयोजित शिव महापुराण कथा के समापन के पश्चात आयोजकों की घोर लापरवाही के चलते एक श्रमिक दिनेश की दर्दनाक मृत्यु हो गई। जहां आयोजन स्थल पर छोड़ी गई अस्थायी संरचनाओं और सार्वजनिक मार्ग पर लटकती रस्सियों के कारण आठ मई को हुए इस हादसे में दिनेश अपनी मोटरसाइकिल से गुजरते समय रस्सियों में उलझ कर गिर पड़ा और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना को लेकर विद्याधर नगर थाने में आयोजक अनिल संत और राजन शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है। यह एफआईआर बलराम जाखड़,महेश मावलिया,नरेंद्र चौधरी व भवानी सिंह शेखावत की ओर से बीएनएसएस की धारा 105 (पूर्व में आईपीसी 304- गैर इरादतन हत्या), 118(1), और 61(2) के तहत दर्ज कराई गई है। साथ ही शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आयोजक अनिल संत ने करोड़ों रुपये चंदे के रूप में एकत्र किए। जिनमें से 1 लाख 51 हजार की राशि स्वयं शिकायतकर्ता द्वारा नकद दी गई थी। जिसकी कोई रसीद उपलब्ध नहीं कराई गई।

कथा समापन के पश्चात आयोजकों द्वारा सुरक्षा उपायों की अनदेखी की गई, जिससे दुर्घटना घटी। आयोजकों की यह लापरवाही न केवल कानूनी रूप से आपराधिक है, बल्कि सामाजिक रूप से भी निंदनीय है।

शिकायत में यह भी बताया गया है कि अनिल संत एक भूमाफिया हैं, जिस पर कई ज़मीन घोटाले और धोखाधड़ी के प्रकरण लंबित हैं। कथाओं के माध्यम से जनता से धन एकत्र करना और उसका कोई स्पष्ट हिसाब न देना इनके कार्यशैली का हिस्सा है।

विद्याधर नगर पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है और शीघ्र ही आरोपियों को नोटिस जारी कर पूछताछ की जाएगी। वहीं स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों में घटना को लेकर भारी आक्रोश है। सभी ने मांग की है कि मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जाए।

आयोग अध्यक्ष का कार्यभार आईएएस को सौंपने के आदेश पर रोक लगाई

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य बाल आयोग के अध्यक्ष पद का अतिरिक्त कार्यभार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के एसीएस कुलदीप रांका को देने वाले गत 5 फरवरी के आदेश पर तत्काल रोक लगा दी है। हालांकि अदालत ने राज्य सरकार को छूट दी है कि वह चाहे तो बाल संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत किसी अन्य व्यक्ति को इस पद पर नियुक्त कर सकती है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश आयोग सदस्य संगीता बेनीवाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार महिला एवं बाल विकास विभाग के मंत्री, प्रमुख सचिव और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के प्रमुख सचिव की कमेटी की सिफारिश पर आयोग अध्यक्ष का पद भरा जाता है। जबकि प्रावधानों की अनदेखी कर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के एसीएस को अध्यक्ष पद का अतिरिक्त कार्यभार सौंप दिया गया। याचिका में अधिवक्ता सत्यपाल चांदोलिया ने बताया कि संगीता बेनीवाल के इस्तीफा देने के चलते आयोग अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया था। राज्य सरकार ने गत 5 फरवरी को आदेश जारी कर इस पद का अतिरिक्त कार्यभार भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी कुलदीप रांका को सौंप दिया। याचिका में कहा गया कि आयोग अध्यक्ष का कार्यभार किसी आईएएस अधिकारी को देने का कोई प्रावधान ही नहीं है। विभाग की साल 2010 की अधिसूचना के तहत यदि अध्यक्ष का पद खाली होता है तो उसका कार्यभार आयोग के वरिष्ठ सदस्य को दिया जाता है। याचिकाकर्ता की ओर से इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी गई, लेकिन उनकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। वहीं आईएएस कुलदीप रांका को बिना किसी प्रावधान अध्यक्ष पद का कार्यभार सौंपा गया है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता आयोग की वरिष्ठ सदस्य है। ऐसे में उसे आयोग अध्यक्ष के पद का कार्यभार सौंपा जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने ओपन जेल में सेटेलाइट अस्पताल की मंजूरी दी

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने सांगानेर स्थित देश की पहली ओपन एयर जेल में 22,232 वर्गमीटर जमीन पर राज्य सरकार की ओर से 300 बैड्स के सेटेलाइट हॉस्पिटल बनाए जाने को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही राज्य के सीएस को अवमानना की कार्रवाई से मुक्त कर दिया है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार की ओर से दी गई सिफारिशों को भी स्वीकार किया है। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह एक हलफनामा दे और उसमें बताए कि वह रजिस्ट्रार की सिफारिशों के अनुसार ही जेल परिसर व हॉस्पिटल का निर्माण करेंगे। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की खंडपीठ ने यह आदेश प्रसून गोस्वामी की अवमानना याचिका पर दिया। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता व एएजी शिवमंगल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया कि जेल के लिए पहले से आवंटित 17,800 वर्ग मीटर जमीन के साथ ही 14,940 वर्ग मीटर जमीन को शामिल कर नए जेल का निर्माण होगा।

जम्मूतवी सुपर का नाम अब गलताधाम पूजा सुपरफास्ट एक्स.हुआ

जयपुर। लोगों की विशेष मांग पर रेलवे ने अजमेर-जम्मूतवी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नाम अब गलताधाम पूजा सुपरफास्ट एक्सप्रेस कर गया है। स्वामी अवधेशाचार्य महाराज, जयपुर, पंजाब, जम्मू-कश्मीर एवं हिमाचल प्रदेश के हजारों भक्तों के द्वारा लंबे समय से किये जा रहे सघन प्रयास एवं परिश्रम के परिणामस्वरूप यह कार्य संपन्न हुआ। इससे भक्तों में खुशी की लहर है।

सनातन की पुनर्स्थापना की अग्रदूत रही रानी अहिल्याबाई होल्कर : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा की ओर से रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष में 21 से 31 मई तक "पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर 300वीं जयंती अभियान" चलाया जाएगा। अभियान को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। वहीं रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने कहा कि पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासन काल में अपने पराक्रम के साथ-साथ समाज की कुरीतियों को समाप्त करने और समाज को समर्थ बनाने की दिशा में अभिनंदनीय कार्य किया। उन्होंने नैराश्य के भाव में जा रहे सनातन समाज को विदेशी दासता के कालखंड में जागृत करने का काम किया। उनके किए गए कार्यों से प्रेरणा लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अगुवाई में आज देश में कार्य हो रहे है। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह ने कहा कि जब आतंकियों ने धर्म पूछकर बेगुनाहों को मारने का काम किया, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश की सेनाओं ने सबक सिखाकर अहिल्याबाई के न्यायप्रियता के सिद्धांत का ही पालन किया।

- **'अहिल्याबाई ने विदेशी दासता के कालखंड में समाज को जागृत करने का किया काम'**

भाजपा प्रदेश कार्यालय में "पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर 300वीं जयंती अभियान" की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को धर्म, न्याय और राष्ट्रधर्म का सजीव स्वरूप बताते हुए कहा कि वे भारतीय सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापना की अग्रदूत थी। उन्होंने विदेशी आक्रांताओं के कालखंड में जिस साहस, भक्ति और समर्पण से काशी से लेकर रामेश्वरम तक तीर्थ स्थलों का पुनरूद्धार करवाया, वह भारतीय इतिहास का अद्धितीय अध्याय है।

प्रदेश स्तरीय कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ शिव शक्ति बख्शी ने रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे सुशासन, सामाजिक सुरक्षा एवं सांस्कृति उत्थान के क्षेत्र में किए गए अपने कार्यों के लिए लोकमाता के रूप में समाज में पूजित एवं प्रतिष्ठित हुई।

इस दौरान राज्यमंत्री डॉ मंजू बाघमार, प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल, श्रवण सिंह बगडी, अभियान के प्रदेश संयोजक वासुदेव चावला, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, अभियान सह संयोजक सुमन शर्मा, अभियान सदस्य सरोज प्रजापति, जगत नारायण जोशी मंच पर उपस्थित रहे।

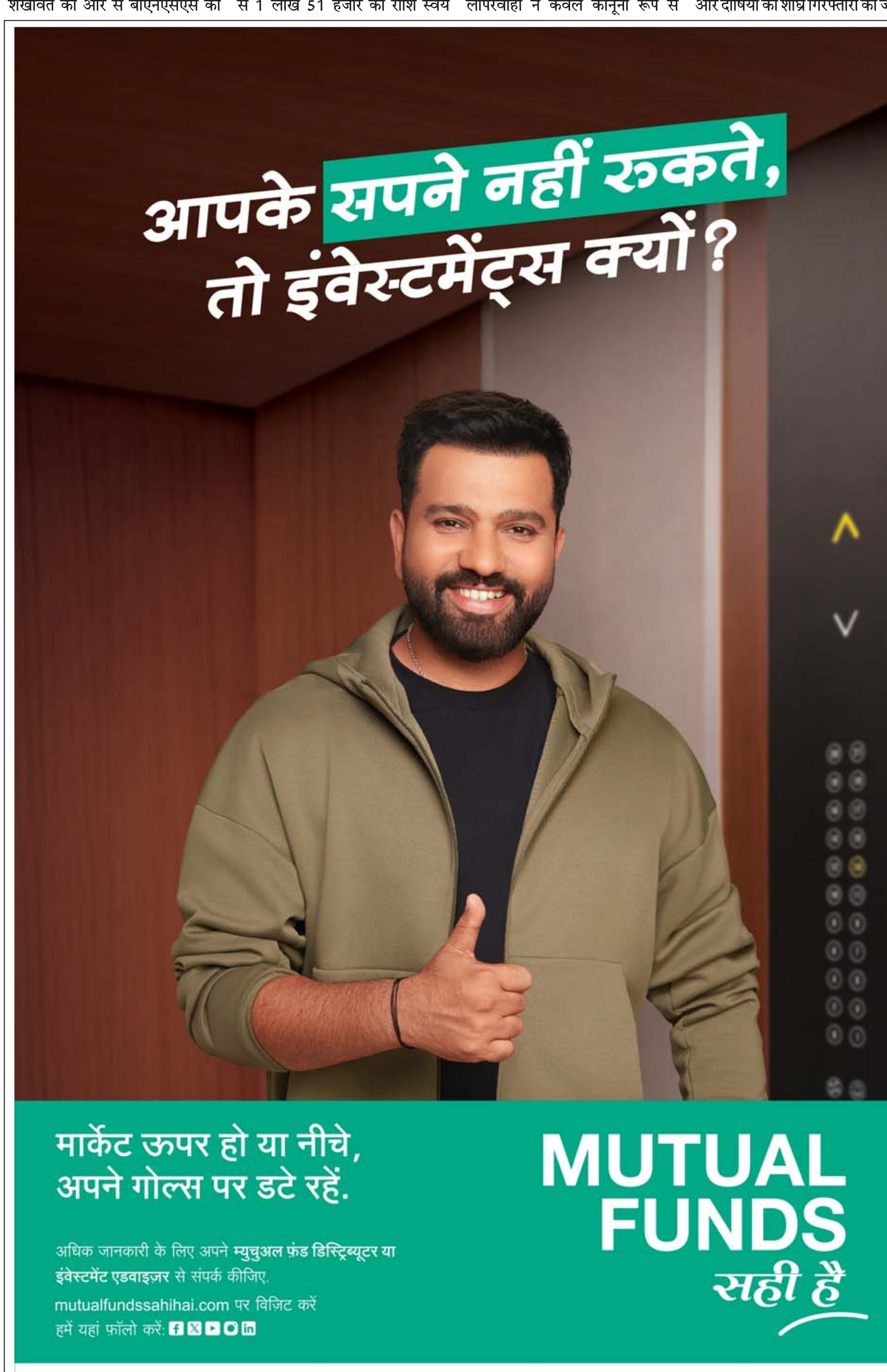

1045.2025

टैंट गोदाम में भीषण आग लगने से 80 लाख का सामान जलकर राख हुआ

विराटनगर, बानसूर और कोटपुतली से फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां पहुंची और आग बुझाई

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे के बाइपास स्थित तहसील परिसर के पास गुरुवार सुबह लगभग पांच बजे एक टैंट गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग से लगभग 80 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया।

आग की लपटें इतनी तेज थी कि आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत टैंट मालिक राजेंद्र छिपी और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए विराटनगर, बानसूर और कोटपुतली से फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक पूरा गोदाम जलकर राख हो चुका था।

भारी नुकसान, जल गई टैंट सामग्री :- टैंट मालिक राजेंद्र छिपी ने बताया कि गोदाम में 1600 कुर्सियां, 300 भगोने, 25 कूलर, 50 कढ़ाई, ओपन ट्रस्ट व झोपड़ी टैंट, बाल्टियां, बर्तन, रजाई, गद्दे, चांदनी, कपड़े सहित अन्य सामग्री रखी हुई थी। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि सब कुछ पूरी तरह जल गया। आग से गोदाम की आरसीसी छत भी क्षतिग्रस्त हो गई। प्राथमिक आंकलन के अनुसार, लगभग 80 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

टैंट गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से सामान जल गया।

- **गोदाम में 1600 कुर्सियां, 300 भगोने, 25 कूलर, 50 कढ़ाई, ओपन ट्रस्ट व झोपड़ी टैंट, बाल्टियां, बर्तन, रजाई, गद्दे, चांदनी, कपड़े सहित अन्य सामग्री जल गई**

आग के कारणों पर संशय :- फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। टैंट मालिक ने बताया कि गोदाम में बिजली कनेक्शन भी नहीं था। इसके बावजूद आग लगना रहस्य बना हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य तकनीकी कारण से आग लगी हो सकती है। मौके पर थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा पुलिस जाप्ते सहित मौजूद रहे और स्थिति को संभाला।

इस घटना के बाद अलवर टैंट संगठन और स्थानीय ग्रामीणों ने एसडीएम को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। उन्होंने पीड़ित व्यवसायी को आर्थिक सहायता देने और नारायणपुर नगरपालिका में फायर ब्रिगेड की स्थायी व्यवस्था की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि अगर स्थानीय स्तर पर दमकल वाहन उपलब्ध होता, तो इतना बड़ा नुकसान रोका जा सकता था।

1500 रु. की रिश्वत लेते सहायक उपनिरीक्षक गिरफ्तार

करौली, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी करौली ईकाई द्वारा गुरूवार को कार्रवाई करते हुये सीताराम सहायक उप निरीक्षक पुलिस इंचार्ज पुलिस चौकी कस्बा टोडाभीम को परिवादी से 1500 रुपये रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चैकी करौली को एक शिकायत मिली कि परिवादी से उसके द्वारा मारपीट के दर्ज कराये मुकदमे में परिवादी की मदद करने एवं मुलजिमों को पकड़कर उनका चालान करने की एवज में फाईल चार्ज के नाम पर रिश्वत राशि 1500 रुपये की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

आरोपी सहायक उपनिरीक्षक सीताराम।

जिस पर एसीबी भरतपुर रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह के सुपरविजन में जगदीश भारद्वाज पुलिस निरीक्षक एसीबी करौली द्वारा ट्रेप कार्रवाई करते हुये सीताराम सहायक, उप निरीक्षक पुलिस इंचार्ज पुलिस चौकी कस्बा टोडाभीम को परिवादी से 1500 रुपये रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी. की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है। एसीबी. द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

पावटा के कई वार्डों में पेयजल संकट गहराया

पानी की टंकी में पानी चढ़ाने वाला मोटर पंप का मोनोब्लॉक खराब होने से परेशानी हुई

पावटा, (निसं)। पीएचइडी विभाग के पावटा कस्बे के शमशान घाट स्थित पानी की टंकी मे पानी चढ़ाने वाला मोटर पंप का मोनोब्लॉक खराब होने के कारण खारवालों की ढाणी, रामलीला मैदान, पटेलो का मोहल्ला, इंदिरा कॉलोनी, सब्जी मंडी कॉलोनी, गोपाल भैया मंदिर के पास, किला ऊपर मालियों का मोहल्ला, खुम्हारों के मोहल्ले सहित विभिन्न वार्डो में पिछले दो दिन से पेयजल आपूर्ति बाधित है।

मोटर पंप का मोनोब्लॉक खराब होने से शमशान घाट स्थित पानी की टंकी से अधिकतर उपभोक्ताओं के घरों में पाइप लाइन से जलापूर्ति बंद है। इस कनेक्शन से लगभग हज़ारों घरों में पानी की सप्लाई की जाती है। एक तो आमजन इस भीषण गर्मी में परेशान हैं, उस पर से पानी नहीं मिलने के कारण नागरिकों में आक्रोश है। मोटर पंप खराब होने से जलापूर्ति पिछले दो दिनों से बंद होने के कारण पावटा कस्बे के कई वार्डों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है।

- **'लोगों को टैंकरों के माध्यम से पानी भेजा जा रहा है'**

जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता दयाराम चौधरी ने बताया कि पंपहाऊस का मोनोब्लॉक जल गया है जिसके चलते पानी की आपूर्ति बाधित हुई है। मोनोब्लॉक को देर रात टीम द्वारा ठीक करवाया गया लेकिन वह फिर जल गया। जल्द ही लोगों को पानी की आपूर्ति शुरू की जाएगी। सभी वार्डों में पेयजल आपूर्ति के प्रयास किए गए हैं। जिन वार्डों में पानी की आपूर्ति नहीं हुई, वहां टैंकरों से पानी भिजवाया गया है। स्थानों पर लोगों को टैंकर से पानी भेजा जा रहा है।

लोगों का कहना है कि टैंकर का पानी पर्याप्त नहीं रहता जिससे घर का सभी काम नहीं हो पाता है। वार्डों में एक टैंकर पानी से लोगों का गुजारा नहीं हो पा रहा है। लोगों ने कहा कि अगर पुराने मोटर पंप बनाने के बजाए नए मोटर पंप लगा दिया जाए तो बार-बार लोगों को पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने विभाग से समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। सुझाव भी दिया है कि यदि कभी ऐसी समस्या पेश आती है तो अन्यत्र पेयजल योजना के माध्यम से वार्डों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। वहीं लोगों ने आग्रह किया है कि भीषण गर्मी को देखते हुए समस्या का हल जल्द किया जाए।

संस्था प्रधान को हटाने की मांग, तीसरे दिन भी धरना जारी

दो महिला अध्यापिकाओं की तबीयत बिगड़ी, जिला प्रमुख को ज्ञापन दिया

धरना स्थल पर महिला शिक्षकों की तबीयत बिगड़ गई।

सादुलपुर, (निसं)। पीएमश्री राजकीय मोहता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय राजगढ़ के स्टाफ सदस्यों का धरना गुरूवार को सीबीईओ कार्यालय के सामने तीसरे दिन भी लगातार जारी रहा।

जानकारी के अनुसार इस मौके पर गर्मी के दौरान दो महिला अध्यापिकाओं की तबीयत भी बिगड़ गई। विद्यालय स्टाफ ने ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बबलेश शर्मा को लिखित शिकायत कर बताया कि पीएमश्री राजकीय मोहता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय राजगढ़ की प्राचार्य डॉ. सुशीला बलौदा द्वारा वरिष्ठ अध्यापक सुमेर सिंह के साथ थप्पड़ मारने की घटना की सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच करने, स्टाफ सदस्यों के साथ लगातार हो रहे दुर्व्यवहार एवं शोषण की जांच करने, विभिन्न सरकारी योजनाओं में हुए गबन की जाँच तथा प्रधानाचार्य को विद्यालय से हटाने की मांग पूरी नहीं होने तक धरना जारी रहेगा। वही मांग को लेकर जिला प्रमुख वन्दना आर्य एवं पंचायत समिति प्रधान विनोद देवी ने धरना स्थल पर पहुंच कर पीड़ित शिक्षकों से मुलाकात की तथा अविलम्ब कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस मौके पर राधा यादव, प्रविता, संजू, अनिता देवी की तबीयत बिगड़ गयी। धरने पर सरपंच संघ के अध्यक्ष शीशराम पूनियां, राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के उपशाखा राजगढ़ के अध्यक्ष महेंद्र सिंह पूनियां, सद्दीक खान, सेवानिवृत शारीरिक शिक्षक यासीन खां, प्रदेश संरक्षक ओमप्रकाश मुहाल, ब्लॉक प्रवक्ता नरेश राय, वीरेंद्र मांझु व श्रीचंद आदि सहित विद्यालय के स्टाफ सदस्य धरने पर बैठे।

- **जिला प्रमुख वन्दना आर्य एवं पंचायत समिति प्रधान विनोद देवी ने धरना स्थल पर पहुंच शिक्षकों से मुलाकात की**

तीन लोगों ने हिरण का शिकार किया

नोखा, (निसं)। थाना क्षेत्र में एक हिरण के शिकार का मामला सामने आया है। रायसर और दासणूं के बीच सड़क किनारे एक तारबंदी वाले खेत में तीन लोगों ने हिरण का शिकार किया।

मौके पर मौजूद दिनेश बिश्नोई ने बताया कि वह बाइक से नोखा जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि तीन लोग लाठियां लेकर हिरण का पीछा कर रहे हैं। हिरण तारबंदी में फंस गया, जिसके बाद आरोपियों ने लाठियों से वार करके उसे मार डाला। जब उसने विरोध किया तो आरोपी हिरण को उठाकर रायसर की ढाणी ले गए। दिनेश ने इस घटना की सूचना अखिल भारतीय जीव रक्षा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष भाम्भू, पवन खीचड़, श्रीराम छिपा, पुखराज सूथार, विक्रम खिचड़ और श्याम गोविंदसर सहित अन्य पर्यावरण प्रेमियों को दी। सभी घटनास्थल पर पहुंचे और वन विभाग की टीम को बुलाया। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी के खेत में बनी ढाणी से हिरण का मांस और खाल बरामद की।

300 ग्राम हेरोइन जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। पाकिस्तान से आई 12 किलोग्राम हेरोइन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार युवक तीन साल से न्यायिक हिरासत में जेल में था। 32 दिन पहले 40 दिन की पैरोल लेकर जेल से बाहर आया और फिर से तस्करी करने लग गया। आरोपी को 300 ग्राम हेरोइन, 1.54 लाख रुपए ड्रग मनी, चालक और कार सहित काबू किया है। यह कार्रवाई सदर पुलिस ने गश्त के दौरान की। इस कार्रवाई में डीएसटी टीम प्रथम की विशेष भूमिका रही।

डीआईजी गौरव यादव ने बताया कि बींझबायला निवासी 30 वर्षीय सुरेंद्र कुमार उर्फ सोनू पुत्र ओमप्रकाश और 29 एमएल जीवनदेसर निवासी 23 वर्षीय राजेंद्र पुत्र आदराम को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ सदर थाना में कार्यवाहक एसएचओ सुनीलकुमार की ओर से एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। मामले की जांच जवाहरनगर एसएचओ देवेंद्र राठौड़ को सौंपी गई है। आरोपी सुरेंद्र उर्फ सोनू के खिलाफ पूर्व में भी हेरोइन तस्करी का मामला होने की जानकारी आई है। जांच अधिकारी उसका आपराधिक रिकॉर्ड घमूड़वाली, समेजा कोठी सहित संबंधित थानों से जुटाएंगे। जवाहरनगर पुलिस ने बुधवार को आरोपी सुरेंद्र उर्फ सोनू को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस की ओर से किए गए प्रारंभिक अनुसंधान में सामने आया है कि सुरेंद्रकुमार उर्फ सोनू की जेल में रहते ही एक पंजाब के हेरोइन तस्कर से मुलाकात हुई। उसने सोनू को पाकिस्तान के बिलाल नाम के हेरोइन तस्कर के मोबाइल नंबर दिए। सोनू ने पैरोल पर आते ही बिलाल से सोशल मीडिया पर संपर्क किया। दोनों के बीच कई बार बातचीत हुई। सोशल मीडिया पर ही हेरोइन की डिलीवरी की जगह तय की और लोकेशन की फोटो शेयर किए गए। इसके बाद सोनू ने बिलाल से पंजाब के अमृतसर जिले के अटारी के निकट बॉर्डर पार से डेढ़ किलोग्राम हेरोइन मंगवाई। इसका रुपया हवाला के जरिए पाकिस्तानी तस्कर बिलाल तक पहुंचाया गया। सोनू ने उक्त डेढ़ किलो हेरोइन को हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर के तस्करों को एक किलो 200 ग्राम बेच दी थी। शेष 300 ग्राम को बेचने के लिए श्रीगंगानगर में आया था। इसके मोबाइल फोन से पुलिस को हेरोइन तस्करी के संबंध में काफी महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं।

- **40 दिन की पैरोल ली और फिर तस्करी शुरू की**

विवाहिता झुलसी

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के गढ़ कॉलोनी में गुरूवार दोपहर रसोई में खाना बनाते वक्त एलपीजी गैस सिलेंडर के रेग्यूलेटर से गैस रिसाव के चलते एक विवाहिता के झुलस गई। ग्राम जैनपुरबास निवासी सोनिया पत्नी अंकित अपने परिवार सहित गढ़ कॉलोनी में किराये के मकान में निवास कर रही है। जहां रसोई में काम करते वक्त अचानक गैस रिसाव के कारण आग लग गई जिससे वह झूलस गई, जिसे उपचार के लिये राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उदयपुर में दो अलग-अलग हादसों में युवक व युवती की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में कार की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र मादडी रोड पर कार की चपेट में आने से मोतीखेडा गुडली डबोक निवासी दिलिपसिंह पुत्र जयसिंह राजपूत की मौत हो गई। रात में वह मादडी से प्रतापनगर की तरफ जा रहा था, जहां बीच रास्ते में हादसा हो गया। गंभीर घायल होने पर उसे उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना पर एएसआई अमरसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

युवती ने आत्महत्या की : उदयपुर शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सांय प्रतापनगर थाना क्षेत्र रेबारियों का गुडा निवासी दिक्षा सुखवाल(19) पुत्री महेन्द्र सुखवाल ने अपने कमरे में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलने पर परिजनों ने उसे चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एएसआईअमरसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा। प्रकरण की जांच हेड कांस्टेबल सज्जनसिंह करेंगे।

युवक की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। नशे के आदी युवक की हार्ट बीट गिर जाने से मौत हो गई। घटना डाल कॉलोनी में हुई। शव का जवाहरनगर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। एसआई जयवीरसिंह मामले की जांच कर रहे हैं। मृतक 25 वर्षीय युवक नरेश कुमार के परिजन कैलाश शाक्य ने मर्ग दर्ज करवाई है। पुलिस के अनुसार युवक नशा करने का आदी था। नशा नहीं मिलने के कारण उसकी हालत बिगड़ गई। उसे बेहोशी की हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां जांच में उसकी हार्ट बीट काफी कम पाई गई।

सोलर प्लांट लगाने की आड़ में खेजड़ी के पेड़ काटना जारी, लोगों में आक्रोश

नोखा दहिया, जयमलसर की रोही में 148 और राजासर में खेजड़ी के 120 पेड़ काट डाले

बीकानेर, (निसं)। सोलर प्लांट लगाने की आड़ में राज्य वृक्ष खेजड़ी की बलि देने का काम बदस्तूर जारी है। राजासर की रोही में मंगलवार रात 120 पेड़ काट डाले। इसी प्रकार नोखा दहिया और जयमलसर की रोही में खेजड़ी के 148 पेड़ काटने की सूचना मिली है। विरोध करने पर एक पर्यावरण प्रेमी को पुलिस पकड़ कर ले गई।

बीकानेर तहसील के लाखूसर, कालासर, केला, राजासर गांव में सोलर प्लांट लगाने के लिए जमीनों की सफाई की जा रही है। पिछले दो-तीन महीने में 200 से अधिक पेड़ काट डाले। मंगलवार रात को राजासर में 120 पेड़ काटने की सूचना मिली है। इधर नोखा दहिया और जयमलसर में एक बड़े सोलर प्लांट में पर्यावरण प्रेमियों ने दिनभर विरोध प्रदर्शन किया। नाल पुलिस की मदद से पर्यावरण प्रेमी सोलर प्लांट परिसर में घुसे। अंदर काफी संख्या में पेड़ कटे हुए मिले। सूचना मिलने पर गजनेर पुलिस, राजस्व तहसीलदार, गिरदावर और पटवारी भी मौके पर पहुंच गए। पर्यावरण प्रेमी सोलर कंपनी के मालिक और प्रतिनिधियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने पर अड़े रहे। कपड़े उतारकर तेज धूप में धरने पर बैठ गए। आत्मदाह करने की चेतावनी दे डाली। विवाद बढ़ते देख गजनेर पुलिस पर्यावरण प्रेमी भोमाराम भादू को पकड़ कर ले गई। उन्हें शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर बाद में जमानत पर छोड़ दिया गया।

- **नोखा दहिया, जयमलसर में एक बड़े सोलर प्लांट में पर्यावरण प्रेमियों ने दिनभर प्रदर्शन किया**
- **पर्यावरण प्रेमी सोलर कंपनी के मालिक और प्रतिनिधियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने पर अड़े रहे**
- **आत्मदाह करने की चेतावनी दी, गजनेर पुलिस पर्यावरण प्रेमी भोमाराम भादू को ले गई**

जीव रक्षा संस्था के अध्यक्ष मोखराम बिश्नोई ने बताया कि प्लांट के पीछे रास्ता है, जहां से कटे हुए पेड़ों का परिवहन किया जाता है। इसका ठेका एक वन माफिया को दिया हुआ है। बार-बार कहने के बाद भी तहसीलदार ने सोलर प्लांट मालिक, प्रतिनिधि और वन माफिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं कराया। धारणिया का आरोप है कि जिला प्रशासन सोलर कंपनियों के दबाव में है। अधिकारियों को मुकदमा दर्ज कराने के लिए मना किया हुआ है। प्लांट में घटना के दौरान पर्यावरण प्रेमी जीआर गोदारा, सुभाष बिश्नोई, कानाराम गोदारा भी मौके पर मौजूद थे।

राजासर गांव में खेजड़ी के 120 पेड़ और काटे जाने की सूचना मिली है। पर्यावरण प्रेमियों ने बताया कि देर रात 12 बजे से लेकर सुबह चार बजे तक पेड़ों पर आरियां चलती रहीं। सूचना मिलने पर छत्तरगढ़ पुलिस बुधवार सुबह मौके पर पहुंची। ग्रामीणों ने बताया कि ज्यादातर पेड़ रातोंरात ही गायब कर दिए गए।

एसएचओ भजनलाल ने बताया कि खेजड़ी के पेड़ों से लदी दो पिकअप गाड़ी सीज की है। आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम और चोरी का मुकदमा दर्ज किया है।

श्रमिक का शव फंदे से लटका हुआ मिला

पाली, (नि.सं.)। पाली में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर 20 साल के श्रमिक का शव फंदे से लटका मिला। शव करीब दो दिन पुराना है, जिससे बदबू आ रही थी। पुलिस ने बॉडी मॉर्च्यूरी में रखवाई और मृतक के परिजनों को सूचना दी।

सदर थाने के एएसआई भंवर सिंह वाडिया ने बताया कि पाली शहर के रामासिया के पास स्थित मेडिकल कॉलेज कैंपस में बन रहे निर्माणाधीन हॉस्पिटल की चौथी मंजिल पर गुरुवार सुबह श्रमिक मंदन कुमार पुत्र विनोद सहनी का शव फंदे पर लटका मिला। मृतक एमपी के मुजफ्फर जिले का रहने वाला है, जो पिछले करीब एक साल से यहां मजदूरी का काम कर रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की बॉडी बांगड़ हॉस्पिटल की मॉच्र्युरी में रखवाई और मृतक के परिजनों को मामले की सूचना दी।

कार्यालय नगरपालिका सुमेरपुर, जिला-पाली (राज.)

क्रमांक : न.पा.सु/2025-26/1216-1219 दिनांक : 14.05.2025

संशोधित ई-निविदा सूचना 04/2025-26

पालिका ई-निविदा कमांक 908-912 दिनांक 01.05.2025 द्वारा वेबसाईड sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से ई-निविदा आमन्त्रित की गयी थी। जिसके यूबीएन कोड DLB2526SLOB03391 उक्त ई-निविदा अपरिहार्य कारणो से निरस्त की जाती है।

राज.संवाद/सी/25/2370 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका, सुमेरपुर

कार्यालय महाप्रबंधक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड,
क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर अरावली भवन,संस्थानिक क्षैत्र झालाना डूंगरी जयपुर-302004

क्रमांकःएफ3( )विकास/RSFDCLROJ/2025-26/593 दिनांकः 01.05.2025

खुली बोली नीलामी सूचना

महाप्रबंधक, राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, जयपुर के क्षेत्राधीन प्रादेशिक वनमण्डल,जयपुर की रेंज फागी के वनखण्ड झाराना बीड के वृक्षारोपण क्षेत्र में मौजूद वनोपज प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा (विलायती बबूल) को जड़ सहित उन्मूलन हेतु दिनांक 21.05.2025 को 1.00 बजे तक खुली बोली नीलामी की जानी है। नीलामी की अनुमानित कीमत 100 लाख रूपये है। खुली बोली नीलामी से संबंधित अन्य विस्तृत दस्तावेज एवं शर्ते राज्य लोक उपापन पोर्टल की बेवसाईट "sppp.raj.nic.in अथवा निगम की वेबसाईट http://forest.rajasthan.gov.in से देखे जा सकते है।

UBN-FOR2526WSOB00104
राज.संवाद/सी/25/2309

महाप्रबन्धक
राजस्थान राज्य वन विकास निगम, लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः- 1033-36 दिनांकः- 14.05.2025

-:: निविदा सूचना ::-

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: न.प.बू./निर्माण/2025-26/917 दिनांक 13/05/2025 की निविदा दिनांक 14/05/2025 से दिनांक 26/05/2025 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 27/05/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 27/05/2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/ eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB04624, DLB2526WSOB04625, DLB2526WSOB04626, DLB2526WSOB04627, तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/2325 आयुक्त, नगर परिषद, बून्दी

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड़, जालोर

क्रमांक : अ.अ./चि.एव.स्वा/2025-26/321-329 दिनांक : 03.05.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 06/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 140.37 लाख का 1 सिविल कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधि विवरण डीआईपीआर की वैबसाईट WWW.dipronline.org. http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वैबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB No. MHS2526A0387
1. MHS2526WSOB00728

(विनोद कुमार स्वामी)
अधिशाषी अभियंता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

DIPR/C/6110/2025

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर, जिला - पाली

क्रमांक : न.पा.सु/विकास/ई-निविदा/2025-26/1181 दिनांक 14.05.2025

-: ई-निविदा 06/2025-26 सूचना :-

नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर की ओर से मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 01 विकास कार्यो की कुल लागत 14.22 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार ई-निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा सकती है।

जिनके UBN No. निम्नलिखित है:-
1- DLB2526WSOB04753

Bid Selling Last Date	

राज.संवाद/सी/25/2368 प्रशासक नगरपालिका, सुमेरपुर अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका, सुमेरपुर

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभारिम शशि सूर्ययोः
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (आर डी एस एस)
पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर, टेलीफैक्सः 0141-2201022 ई मेल : serdss@jvvnl.org

ई - निविदा सूचना

जयपुर डिस्कॉम के अन्तर्गत विभिन्न वृतों में आरडीएसएस के अंतर्गत टर्न की आधार पर बचे हुए अविद्युतिकृत घरो के विद्युतिकरण कार्यो के लिए सामग्री/उपकरण की आपूर्ति, निर्माण, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के तहत निविदादांताओ से TN-593 के लिए ई-निविदा तीन भागों में (तकनीकी, वाणिज्यिक एवं फीस) आमंत्रित की जाती है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 13.05.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 10.06.2025 को सॉयं 5.00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

UBN : VVN2526WLOB00023
राज.संवाद/सी/25/2349 जेपीआर - 2993 (2025) अधीक्षण अभियंता (आर डी एस एस)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं गेमिंग के नाम पर ठगी करने वाली गैंग चढ़ी पुलिस के हत्थे

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने मानसरोवर थाना इलाके में ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं गेमिंग के नाम पर साइबर ठगी करने वाली गैंग की एक महिला सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से ग्यारह मोबाइल,एक लैपटॉप,दो बैंक चेक बुक बरामद की है। पुलिस जांच

- **एक महिला सहित छह शातिर ठग गिरफ्तार**
- **आरोपियों के कब्जे से 11 मोबाइल, एक लैपटॉप, दो बैंक चेक बुक बरामद**

में सामने आया कि 17 लाख रुपये फ्रॉड की शिकायत सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुन्दन कंवरिया ने बताया कि सीएसटी ने मानसरोवर थाना इलाके में साइबर ऑनलाइन ट्रेडिंग व गेमिंग फ्रॉड करने वाली गैंग के मुकेश पारीक उर्फ संचित (33)निवासी अग्रोहा जिला हिसार हरियाणा हाल करणी विहार जयपुर,पूजा सिंह उर्फ नीतू सिंह उर्फ प्रिया (30) निवासी भिलाई (छत्तीसगढ़),महजूर अहमद खान (46) निवासी श्रीनगर (जम्मू कश्मीर),शैलेन्द्र उर्फ सूरज उर्फ भरत (24)निवासी अग्रोहा जिला हिसार हरियाणा हाल करणी विहार जयपुर,अंकित उर्फ हनी (19) निवासी अग्रोहा जिला हिसार हरियाणा हाल करणी विहार जयपुर और रोहिताश स्वामी उर्फ डेविड (27) निवासी नीमकाथाना जिला सीकर को होटल एसआर बजरी मंडी नारायण विहार मानसरोवर से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ग्यारह मोबाइल,एक लैपटॉप,दो बैंक चेक बुक भी जब्त की गई है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मुकेश पारीक उफ्फ संचित अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह बना रखा है। जो ऑनलाइन ट्रेडिंग व गेमिंग फ्रॉड की राशि प्राप्त करने के लिए कमीशन पर खाता लेकर चाइनीज लोगों को टेलीग्राम पर विभिन्न देशों विभिन्न कंपनियों के ग्रुप्स बनाकर खाता उपलब्ध करवाने का कार्य करते हैं। जिसके बदले मे होने वाले ट्रांजेक्शन राशि का 3 से 5 प्रतिशत तक मुनाफा यूएसडीटी में लेता है।

मानसरोवर थाना इलाके में ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं गेमिंग के नाम पर साइबर ठगी करने वाली गैंग की एक महिला सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

साइबर थानाधिकारी श्रवण कुमार ने बताया कि मुकेश पारीक उर्फ संचित चाईनीज लोगों से टेलीग्राम पर सम्पर्क कर 05 लाख रुपये जमा करवाकर 2.5 से 5 प्रतिशत कमीशन पर बैंक खाता बेचता है। वहीं खाताधारकों से 2 से 25 प्रतिशत में खाते खरीदकर चाइनीज गैंग को 4 से 5 प्रतिशत कमीशन में खाते को ऑनलाइन फ्रॉड के लिए उपलब्ध करवाता है। खाताधारकों के मोबाइल में अपने सहयोगियों से एपीके ऐप इंस्टॉल करवाता है। जिससे मोबाइल का एक्सेस इसके माध्यम से चाइनिज गैंग के पास पहुंच जाता है।

कमीशन का भुगतान यूएसडीटी के माध्यम से अपने वॉलेट में ले लेता है। जो अपनी पहचान को गोपनीय रखता है। वहीं पूजा सिंह उर्फ नीतू सिंह उर्फ प्रिया मुख्य गैंग सरगना मुकेश पारीक के लोगों को कमीशन पर बैंक खाता उपलब्ध करवाती थी। इधर महजूर अहमद खान पूजा सिंह के कहने पर मुकेश पारीक को कमीशन पर बैंक खाता देने आया था।

आरोपी शैलेन्द्र उर्फ सूरज उर्फ भरत खाता धारकों को होटल में रोककर रखने एवं उनका मोबाइल अपने कब्जे में रखने के काम व फ्रॉड राशि का ट्रांजेक्शन के संबंध में मुकेश पारीक को देता है।

अंकित उर्फ हनी खाता धारकों को होटल में रोककर रखने, उनकी निगरानी करने एवं खाताधारक का मोबाइल अपने कब्जे में कर खाताधारक के मोबाइल में एपीके ऐप इंस्टॉल करता है। (यह एपीके एप्लीकेशन स्पाई एप की तरह होता है, जो मोबाइल का पूरा एक्सेस दूर बैठे ठगों के पास पहुँच जाता है) मोबाइल का एक्सेस मुकेश पारीक के माध्यम से चाइनिज गैंग को उपलब्ध कराता है। कमीशन की राशि खाताधारक को मुकेश से लेकर देता है और रोहिताश स्वामी उर्फ डेविड मुकेश पारीक को कमिशन के तौर पर खाताधारक उपलब्ध कराता है।

युवक से मोबाइल छीन ले गया बाइक सवार बदमाश

जयपुर। रामनगरिया थाना इलाके में पता पूछने के बहाने बाइक सवार बदमाश एक युवक से मोबाइल छीनकर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार पर्ल डी विला रामनगरिया निवासी किशोर सक्सेना ने मामला दर्ज करवाया है कि उसके बेटे से एक बाइक सवार ने पता पूछा तो उसने मना कर दिया। इस पर बाइक सवार ने बात करने के लिए मोबाइल मांगा। नहीं देने पर आरोपी जबरन उससे मोबाइल छीनकर ले गया। घटना सरयू महल गार्डन के पास की है। इस पर पीड़ित ने घर पर पहुंच कर परिजनों को आपबीती बताई। इस पर परिजनों ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

घर की पार्किंग में खड़ी कार के दो टायर खोल ले गए चोर

जयपुर। मुरलीपुरा थाना इलाके में घर की पार्किंग में खड़ी कार के दो टायर खोलकर चोर उसे पत्थरों पर खड़ा कर गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच मे जुटी है। पुलिस के अनुसार जमुनापुरी निवासी केशव अग्रवाल ने मामला दर्ज करवाया कि उसने अपनी कार मंगलवार रात घर की पार्किंग में खड़ी की थी। अगले दिन सुबह उठा तो कार के एक साइड के आगे-पीछे के दो टायर रिम सहित गायब मिले। चोर कार को टायर खोलकर पत्थरों पर खड़ा कर गए।

सार-समाचार

मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन विकसित करने पर चर्चा

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय के ई.सी. मीटिंग हॉल में गुरूवार को वित्त समिति अध्यक्ष शील धाभाई की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न बिन्दुओं पर एजेण्डे रखे गये जिसके अन्तर्गत नगर निगम ग्रेटर के झालाना ट्रांसफर स्टेशन (द्वितीय) पर मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन विकसित करने तथा ट्रांसफर स्टेशन से मशीनों के माध्यम से लांगरियावास प्लांट तक कचरे के परिवहन कार्य के संबंध में एजेण्डे सहित अन्य एजेण्डे भी रखे गए जिन्हें समिति के सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में चेयरमैन एवं पार्षद लक्ष्मण नूनीवाल, डॉ. मीनाक्षी शर्मा, भँवर लाल मालाकार, सुमन गुप्ता राजवंशी, अक्षत खूँटेटा, रामबाबू रावत वित्तीय सलाहकार अधिशाषी अभियंता मौजूद रहे।

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से एक दुपहिया वाहन (स्कूटी) भी जब्त की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित स्मैक का नशा करने का आदि है और नशे की लत की पूर्ति के लिए वाहन चोरी की वारदात करता है। जिसके चलते वह कई मामलों में जेल जा चुका है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि बजाज नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले शातिर वाहन चोर गुलशन पालीवाल निवासी जवाहर सर्किल जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपित के पास से एक दुपहिया वाहन बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

राजीव महर्षि को मिली नाट्यशास्त्र की डिग्री

जयपुर। सामाजिक कार्यकर्ता व थियेटर आर्टिस्ट राजीव महर्षि ने नाट्यशास्त्र (एम.ए.ड्रामा) की डिग्री प्राप्त की। यह कोर्स उन्होंने 2002 में पूरा कर लिया था, लेकिन काफी समय से उन्हें राजस्थान विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त नहीं हो रही थी। विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.अर्चना श्रीवास्तव ने उन्हें यह डिग्री प्रदान की।

देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस सहित एक बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को अवैध हथियार सहित पकड़ा है और उसके पास से एक देशी कट्टा सहित तीन जिंदा कारतूस जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तरुण तेजपाल सिंह निवासी महुआ जिला दौसा को गिरफ्तार कर उसके पास से एक देशी कट्टा सहित तीन जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस आरोपित से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

निगम टीम ने 400 किलो अवैध मीट किया जब्त

नगर निगम की पशु प्रबंधन शाखा की टीम ने तीन दिन में 30 से भी अधिक गोवंश को पकड़कर हिंगोनिया गौशाला भिजवाया।

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देश पर पशु प्रबंधन शाखा की टीम द्वारा साँगानेर जोन में रामपुरा रोड व एनआरआई सर्किल पर कार्यवाही की गई। इस दौरान बिना लाइसेंस की 8 दुकानों को सीज कर 8 हजार रूपये का कैंरिग चार्ज वसूल किया तथा 400 किलो अवैध मीट एवं 90 जिन्दा मुर्गों को भी जब्त किया गया। डॉ. राकेश कलोरिया ने बताया कि पशु प्रबंधन शाखा की टीम द्वारा साँगानेर जोन में बिना लाइसेंस की 8 दुकानों को सीज कर 8 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया। कार्यवाही के दौरान 400 किलो अवैध मीट जब्त कर रासायनिक पद्धित्त से नष्ट किया गया तथा सोमवार से अब तक तीन दिन में पशु प्रबंधन शाखा द्वारा तीस से भी अधिक गोवंश को पकड़कर हिंगोनिया गौशाला भिजवाया गया।

नेपाली गैंग लूट का मामला : नेपाल बार्डर पर पकड़े गए नेपाली दम्पती से पूछताछ जारी

लूट का कुछ सामान भी बरामद महिलाओं का अस्पताल में उपचार जारी

जयपुर। वैशाली नगर थाना इलाके में नेपाली गैंग ने भूमि विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर लूट की वारदात के मामले में पुलिस ने नेपाली दम्पती को पकड़ लिया है और उनसे लूट का कुछ सामान भी बरामद कर लिया है। पुलिस ने नेपाली दम्पती को नेपाल बार्डर पर पकड़ा है। पुलिस बार्डर के पास वाले थाने में ही आरोपियों से पूछताछ कर उनके फरार साथियों की तलाश कर रही है। नशीला पदार्थ और इंजेक्शन से बेहोश हुई सास-बहू को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम आलोक सिंघल ने बताया कि नेपाल बार्डर पर नेपाली दम्पती को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। आरोपियों से पूछताछ कर उनके साथियों का पता लगाने का प्रयास जारी है। पकड़े गए दम्पती से लूट का कुछ सामान भी बरामद हुआ है। आरोपियों को जल्द जयपुर लाया जाएगा।

गौरतलब है कि बुधवार को आनंद नगर निवासी कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर पर नेपाली नौकर दम्पती ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर लूट की वारदात को अंजाम दिया है।

आरोपियों ने घर पर मौजूद सास बहू को पहले चाय में नशीला पदार्थ पिलाया। बेहोशी कम होने पर आरोपियों ने दोनों को नशे का इंजेक्शन लगा दिया। इसके बाद बदमाश घर से करीब एक करोड़ रुपए के जेवरात व नगदी ले गए। इसमें नगदी करीब 6 लाख रुपए से अधिक है। नौकर दम्पती और उसके साथियों की यह वारदात सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हो गई। संदीप चौधरी बंजर भूमि विकास बोर्ड के अध्यक्ष रह चुके हैं। घटना का पता संदीप ने जब बुधवार सुबह पहले मां और फिर पत्नी को फोन किया, लेकिन दोनों ने नहीं उठाया। इसके बाद बेटी राजश्री (22) को फोन किया। राजश्री ने कमरे से निकलकर देखा तो दादी और मां दोनों कमरे में बेहोश थीं। कांग्रेस नेता फिर पड़ोस में रहने वाले भांजे रोहित को कॉल किया। रोहित ने अपने पिता को भेजा। इसके बाद सास और बहू को अस्पताल ले जाया गया। घटना के वक्त संदीप चौधरी का 13 साल का बेटा राजदीप भी घर पर ही था।

कांग्रेस नेता के परिवार ने नेपाल के रहने वाले पति-पत्नी को कुछ दिन पहले ही खाना बनाने के काम पर रखा था। आरोपी काजल और भरत ने सुबह संदीप चौधरी की मां कृष्णा (75) और उनकी पत्नी ममता (43) को चाय दी थी। चाय में नौकर दम्पती ने नशीला पदार्थ मिलाया था। चाय से पूरी तरह बेहोश नहीं होने पर उन्हें इंजेक्शन लगाया गया। सास-बहू के बेहोश होने के बाद आरोपी पति-पत्नी ने दो अन्य लड़कों को मकान पर बुलाया और लूटपाट कर फरार हो गए थे।

देवनानी आज पत्रकारों को देंगे मनोज माथुर अवार्ड

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शुक्रवार को नारायण सिंह सर्किल स्थित पिंक सिटी प्रेस क्लब में आयोजित मनोज माथुर अवार्ड समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। देवनानी इस मौके पर प्रिन्ट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल क्षेत्र के पत्रकारों को मनोज माथुर अवार्ड प्रदान कर सम्मानित करेंगे।

पुलिस को चकमा देकर थाने से भागा बदमाश

- **तबीयत खराब होने का बहाना बनाया**
- **हाथ में फंसा था हथकड़ी का कड़ा**

जयपुर। सोडाला थाना पुलिस थाने से तबीयत खराब होने का बहाना बना पुलिस को चकमा देकर पुलिस स्टेशन से एक बदमाश भाग निकला। पुलिस जानकारी में सामने आया कि तबीयत खराब होने की बात कहने पर पुलिसकर्मियों ने उसे हवालात से बाहर निकाला गया था और फिर रूम में बैठे बदमाश ने हथकड़ी को तोड़ा। फिर हाथ में फंसे कड़े को लेकर भाग निकला। पुलिस ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस स्टेशन से भागे बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

एसआई रोहिताश्व ने बताया कि पुलिस स्टेशन से भागने वाला बदमाश शिवा थनवाल उर्फ अंशु (24) पुत्र छोटू थनवाल निवासी गली नंबर-7 नंदपुरी का रहने वाला है। वह स्मैक का नशा करने का आदी है। मारपीट के मामले में कोर्ट में पेश नहीं होने के कारण साल-2021 में आरोपी शिवा उर्फ अंशु के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ था। सोडाला थाना पुलिस ने दबिश देकर आरोपी शिवा उर्फ अंशु को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी शिवा उर्फ अंशु को हवालात में बंद कर दिया। जहां उल्टी आने और जी खराब होने की पुलिसकर्मियों से शिकायत की और तबीयत ज्यादा खराब होने का बहाना बनाने पर पुलिसकर्मियों ने उसे हवालात से बाहर निकाला। थाने के ही रुम में टेबल से हथकड़ी लगाकर उसे बैठा दिया। जैसे-तैसे आरोपी शिवा उर्फ अंशु ने हथकड़ी को चेन साइड से तोड़ लिया। हथकड़ी का एक साइड का कड़ा उसके हाथ में फंसा रहा। हथकड़ी से छूटने पर वह हाथ में फंसे कड़े को लेकर पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस स्टेशन से गिरफ्तार बदमाश के भागने का पता चलने पर पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा भी किया, लेकिन वह फरार हो गया। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत पुलिस टीमें बनाकर फरार बदमाश की तलाश में लगाई। पुलिस ने करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद नंदपुरी बाजार से धर-दबोचा। पूछताछ में सामने आया है कि वह हाथ में फंसे हथकड़ी के कड़े को कटवाने के लिए अपने छिपने के ठिकाने से बाहर निकला था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पुलिस कस्टडी से भागने का केस दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

थानेदार बनकर बाइक सवार को पीटा

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में थानेदार बनकर बीच रोड पर एक बाइक सवार को पीटने का मामला सामने आया है। बाइक से टक्कर मारने पर बदतमीज बोलने पर उसके साथ मारपीट की गई। बचाने आए लोगों को पुलिस स्टाफ होने की बताकर धमकाया। पीड़ित ने इस सम्बंध में मामला दर्ज करवाया है। हेड कांस्टेबल नवल सिंह ने बताया कि गलता गेट के गालव नगर निवासी प्यारेलाल वर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि वह एक ऑफिस में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर तैनात है और वह घर से बाइक पर ऑफिस जाने के लिए निकले थे। ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के नीचे रोड क्रॉस करते समय एक बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर मारने पर बदतमीज बोलकर वह आगे चले गए। गुस्साए युवक बाइक खड़ी कर उससे झगड़ा करने लगा। हाथ में लगे हैलमेट से बीच रोड पर उसके साथ मारपीट करने लगा। लोगों के बीच-बचाव करने आने पर धमकाया कि वह पुलिस स्टाफ में है और कहा कि उनके बीच में मत बोलो। खुद को थानेदार बताकर उसके साथ जमकर मारपीट की गई।

कार्मिकों के हित में सरकार संवेदनशील : हीरालाल नागर

विद्युत निगम श्रमिक संगठनों ने विद्युत भवन में ऊर्जा मंत्री हीरा लाल नागर का अभिनन्दन किया।

जयपुर। ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार विद्युत निगमों के कार्मिकों की सेवा संबंधी उचित मांगों को पूरा करने के लिए सदैव तत्पर है।

उन्होंने कहा कि निगम कार्मिक कठिन परिस्थितियों में भी पूरी कर्मठता से काम कर विद्युत आपूर्ति एवं विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करने में अपना योगदान देते हैं। सरकार उनकी वाजिब मांगों पर हमेशा संवेदनशील है और आगे भी कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

नागर गुरूवार को विद्युत भवन के कॉन्फ्रेन्स हॉल में राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। विद्युत श्रमिक संगठनों ने जीपीएफ कटौती प्रारम्भ करने, 1 करोड़ का दुर्घटना बीमा प्रारम्भ करने सहित निगम कार्मिकों के हित में निर्णय लिए जाने पर ऊर्जा मंत्री का अभिनन्दन एवं आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर राजस्थान विद्युत श्रमिक महासंघ (बीएमएस), प्रान्तीय विद्युत मण्डल मजदूर फैडरेशन (इन्टक), राजस्थान बिजली वर्कर्स फैडरेशन (एटक), राजस्थान विद्युत कामगार एकता फैडरेशन(सीटू), राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन, पॉवर इन्जीनियर्स तथा थर्मल इन्जीनियर्स एसोसिएशन सहित विभिन्न श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों ने माला पहनाकर तथा गुलदस्ते भेंट कर ऊर्जा मंत्री का आभार व्यक्त किया।

कांस्टेबल भर्ती : 8 दिन बढ़ाई गई आवेदन करने की मोहलत

- **25 मई तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन**

जयपुर। राजस्थान पुलिस में कांस्टेबल के 10000 पदों के विरुद्ध भर्ती की जा रही है। योग्य उम्मीदवारों को इस चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए पूर्व में 17 मई तक आवेदन करने के निर्देश जारी किए गए थे। इस संदर्भ में पुलिस मुख्यालय ने बुधवार को स्पस्ट किया है कि अब उम्मीदवार आगामी 25 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि कॉन्स्टेबल भर्ती-2025 के लिए इस कार्यालय की विज्ञप्ति 9 अप्रैल जारी कर योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन-पत्र राजकॉम इन्फो सर्विसेज लिमिटेड द्वारा संचालित समस्त ई-मित्र कियोस्क, जनसुविधा केन्द्र एवं विभाग की वेबसाईट पर 28 अप्रैल से 17 मई तक आमंत्रित किए गये थे। एडीजी पाण्डेय ने बताया कि उक्त भर्ती के लिए ऑनलाईन आवेदन-पत्र भरने की समयावधि बढाई जाकर 17 मई के स्थान पर 25 मई तक आवेदकों को ऑनलाईन आवेदन-पत्र भरने का अवसर प्रदान किया जाता है। ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों को 8 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है।

जेडीए के एन्फोर्समेंट विंग में सालों से एक जगह जमे गार्ड, मौके से लेकर नोटिस देने तक का काम जिम्मे

जेडीए की सर्तकता शाखा में सबसे ज्यादा अवैध निर्माण, अवैध कालोनियां बसाने संबंधित शिकायतें

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण की सर्तकता शाखा में वहां संविदा पर लगे गार्ड लंबे समय से एक जगह टिके हुए हैं। यह गार्ड शिकायतों का मौका निरीक्षण से लेकर नोटिस देने तक का काम कर रहे हैं। इन गार्डों की अवैध वसूली की शिकायतें भी आती है लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

सभी जोन से हटाए एन्फोर्समेंट में जमे

जेडीए के गार्डों की ओर से वसूली और फर्जी पट्टे बनाना समेत कई शिकायतें लगातार आती रहती थी। इसे देखते हुए जेडीए की तत्कालीन आयुक्त मंजू राजपाल ने सभी जोनों से गार्डों को हटा दिया था। उनकी जगह अन्य सुरक्षा गार्डों को लगा दिया था लेकिन जेडीए के एन्फोर्समेंट के गार्ड नहीं हटे थे। इन गार्डों को जोन में भी नहीं भेजा गया था। बरसों से लगे गार्ड यहां एजेंसी के जरिए संविदा पर लगे हुए है जो ड्राइवर, हेल्पर, कंप्यूटर ऑपरेटर का काम कर रहे हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण ये गार्ड शिकायतों का निरीक्षण तक कर लेते हैं। इसके बाद अतिक्रमण की शिकायतें मिलने पर जेडीए एक्ट की धारा 33 के नोटिस देने जैसे काम करते है।

जोन में गार्डो की वसूली की शिकायतें

जेडीए के विभिन्न जोन खासकर जयपुर शहर के बाहरी इलाकों, में अवैध कालोनियों, अवैध निर्माण आदि के संबंध में वसूली की शिकायतें भी आती है। इन दिनों जेडीए के जोन 11, 12, 13, 14, 10 और 9 में निजी खातेदारी में सोसायटी नई स्कीमें काट रही है। कुछ हाउसिंग सोसायटी नए पट्टे दे रही है तो कुछ पुराने पट्टों पर ही काम कर रही है। इनमें अवैध कॉलोनियों समेत अवैध निर्माण की शिकायतें है।

जोन 11 में गार्ड की भी शिकायत

जेडीए का जोन 11 का इलाका मुहाना रोड का दक्षिण का इलाका है इनमें महिन्द्रा सेज के आसपास की कालोनियां पवालिया, अजयराजपुरा, किशोरपुरा, नेवटा, मुहाना, डिग्गी रोड में गृह निर्माण सहकारी समितियां कालोनियां बसा रही है। इनकी शिकायतें भी लगातार जेडीए में होती है। यहां जोन 11 का गार्ड हेमराज की भूमिका संदिग्ध है। यहां गार्ड ही सर्वेसर्वा बना हुआ है। हाउसिंग सोसायटी वाले गार्ड हेमराज से बातचीत करने के बाद ही कॉलोनी बसाने की कार्रवाई करते हैं। जेडीए आयुक्त आनंदी को इस गार्ड की कार्यप्रणाली की शिकायतें की गई है।

अवैध कालोनियों पर जेडीए की प्रभावी कार्रवाई

2024 में 383 और 2025 में 149 आज तक कुल 532 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयासों को विफल किया गया। जेडीए के आईजी कैलाश विश्नोई के अनुसार जेडीए सभी जोनों में अवैध कालोनियों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रहा है। प्रवर्तन शाखा ने 2024 में 817 बीघा सरकारी भूमि व वर्ष 2025 में 399 बीघा आज तक कुल 1216 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया जा चुका है। प्रवर्तन संबंधित शिकायतों के संबंध में स्वंय उपस्थित होकर अथवा कन्ट्रोल रूम हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24 7; हेल्प लाईन 181 राजस्थान सम्पर्क पोर्टल एवं जरिये मेल......पर अवैध निर्माण/ कब्जा/अतिक्रमण इत्यादि की शिकायत/परिवाद प्रस्तुत कर सकता है।

Celebrating International Invention Day

International Invention Day, observed annually on May 16, celebrates the creativity and innovation that have shaped the modern world. From the wheel to wireless technology, inventions continue to revolutionize how we live, work, and connect. This day honours inventors, past and present, whose groundbreaking ideas have solved problems, sparked progress, and inspired future generations. It also encourages young minds to think critically, innovate fearlessly, and contribute to global challenges through science and technology. Whether it's a new gadget or a game-changing solution, every invention begins with imagination. On this day, we celebrate the spirit of discovery that drives humanity forward.

#CLIMATE CHANGE

Ocean's Last Hope

Environmentalist Attenborough launches action programme for restoring the world's oceans.

Anjan Roy
A renowned veteran journalist, having worked with Business Standard and the Telegraph.

At 99, Sir David Attenborough, the legendary environmentalist and presenter of natural life, produced yet another picture on the oceans. It is a study of the oceans, something that Sir David has been pursuing for a life time.

The message of the film is simple: the world's oceans are much more important than land and they would determine what would happen to the planet's future.

Attenborough took his first scuba diving in 1957, and ever since, he has pursued this sport as well as a dive into the secrets of the oceans. Sir David says since his first scuba diving, a look into the beauty of ocean depths, humans have immeasurably damaged the oceans and underwater creatures so much that some of these are on the verge of extinction.

At the same time, Sir David's hopeful note is that the oceans are particularly adept at regenerating and once humans steps back from their predatory and destructive intrusions into oceans, the life under-water could revive surprisingly fast.

As an example, he cites the resurgence of the great Blue Whales. These were relentlessly pursued by the large trawler operators and their governments had cheered whaling. According to some reliable agencies, no less than 2.9 million whales were culled, leading to their near extinction.

However, with the introduction of new laws and requirements, the extent of useless culling has virtually ended and these are giving new room for whales. Their numbers have since multiplied hopefully.

Attenborough's film has sought to bring attention of some of the practices of present day commercial fishing organisation. Their trawlers drag a heavy iron chain on the floor of the sea which disturbs severely life and habitation on ocean floors. But when these rise up, they are captured in the large nylon or synthetic nets. The irony is that ninety percent of the creatures captured are useless for the purposes of the commercial trawlers and these are thrown back into oceans floors. What a waste and horrible annihilation of life on ocean floors! Sir David abhors.

Sir David is in his 100th year now and still actively participate in the environmental campaigns and activities. Sir David's Ocean is being show in UK this week. Sir David has been a precursor in this activity of showcasing the earth's oceans. And his TV programmes have been hugely successful.

Sir David hopes that his new film would act as a catalyst and energise environmentalists and ocean lovers into action. He is hopeful that it is not yet irretrievable and coordinated actions at this time could restore the world's oceans to their easier health.

"That could be a contribution to reversing climate change and making the earth a more liveable place," Attenborough says.

Marathas From Panipat to Balochistan

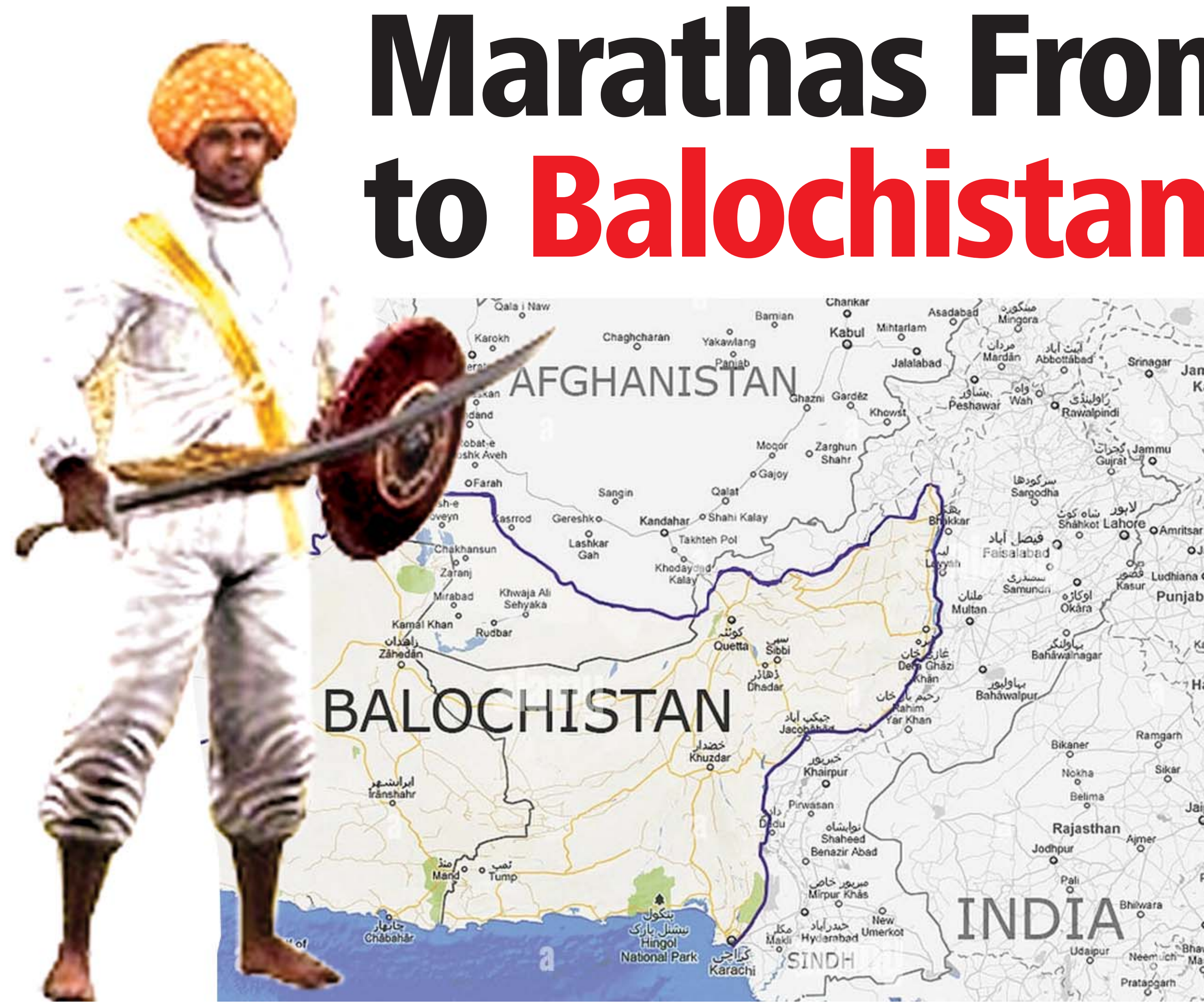

One of the sub-caste of Bugti is named after Shahu (grandson of Chhatrapati Shivaji Maharaj). The Baloch Marathas also have the surname Peshwani named after the Peshwas. The Shahu Marathas may have converted to Islam, but Marathi culture is evident in their marriages. The Bugti Marathas have a Haldi ceremony, tying the knot (as in Saptapadi) and entering the new house by crossing over rice bowl (माप ओलांडणे). Along with traditions and culture, the Baluchi language has a lineage with Marathi. The Shahu Marathas address their mother as Aai (आई), and the overall Bugti tribe has also accepted that.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

#HISTORY

The third battle of Panipat took place in January 1760 between the Marathas and Ahmad Shah Abdali of Afghanistan. The Mughal emperor had sought his help to break the dominance of Marathas. The Peshwas decided to take on this might to uproot the Mughal empire and march on to Panipat. However, luck deserted them, and the Marathas faced the most humiliating defeat in their glorious history. But even in the loss, they inflicted severe damage to the Afghan army, and Abdali never again set his foot in India.

Some 500 soldiers of the Peshwa's army that fought the battle survived it and then scattered in Haryana's jungles. They are today known as Rod (or Ror) Marathas, and with a population between 7 lakhs to 10 lakhs, it is a robust local community spread in areas of Karnal, Rohtak, Bhiwani, etc. The golden boy of the Tokyo Olympics, Neeraj Chopra, also hails from this community.

However, around 22,000 men and women were not so fortunate. They were made slaves and were forced to march with the Abdali army to Afghanistan. The Sikh warriors did save many women and children from captivity while the Afghan army passed through Punjab. Once the army left the Indian border, they were in the province of Dera Bugti of Balochistan. Few of the soldiers of Baloch ruler had fought alongside Abdali in the Panipat war, and Abdali had to offer some compensation for the help. Abdali offered all the slaves (prisoners of war) as a gift to the Baloch ruler. And these people have lived there since then. But the real reason why Abdali gave away the slaves was that the Maratha prisoners were tired after a long journey. Hence, he decided to get rid of them under the pretext of gift.

Mir Nasir Khan Noori categorised the 22000 prisoners and divided them into different groups. The tribes of Bugti, Marri, Gurchani, Mazari and Rayasani came into existence because of this division. Since then, these Marathi ancestors, who lived in Balochistan (largest province of Pakistan) as prisoners of war, started a new life, but they did not forget to inculcate their Marathi culture in that soil. It is surprising to note that even today, the Maratha sub-caste is part of the Baloch tribes.

Initially, it was a challenging time for these warriors. They were abandoned in the area where no farms existed as the entire region was arid. They did manage to find the source of water and started doing some farming. Slowly, their life was beginning to look up. All these prisoners were forced to convert to Islam, but we can still find traces of Marathi culture in their lifestyle. The evidence of their Marathi origin can be seen from their caste surnames. One of the sub-caste of Bugti is named after Shahu (grandson of Chhatrapati Shivaji Maharaj). The Baloch Marathas also have the surname Peshwani named after the Peshwas. The Shahu Marathas may have converted to Islam, but Marathi culture is evident in their marriages. The Bugti Marathas have a Haldi ceremony, tying the knot (as in Saptapadi) and entering the new house by crossing over rice bowl (माप ओलांडणे). Along with traditions and culture, the Baluchi language has a lineage with Marathi. The Shahu

Marathas address their mother as Aai (आई), and the overall Bugti tribe has also accepted that. The women are named as Godi (गोदी), Kamol (कमोल), which used to be typical Marathi names in the past. The Marhtta Qaumii Itehad (Pakistan) is the largest organisation of the Maratha community in Balochistan. In a message, its Chief, Wadera Din Muhammad Marhtta Bugti, and other members like Wazir Khan Marhtta, Zafar Marhtta Bugti and Nasrullah Marhtta Bugti echo the sentiments such as:-

- We have not forgotten our roots.
- We have conserved the century-old traditions in our everyday lives.

> The largest portion of the region is in south-western Pakistan, which it joined in 1948 after independence. Though it is Pakistan's largest province, comprising 44% of the total landmass, its arid, largely desert landscape is the country's least inhabited and least economically developed region and has been blighted by problems for decades. Balochistan has a long history of resistance against the government of Pakistan.

- We are warriors by birth.
- We have established ourselves here in all major fields such as the military, education, politics, agriculture, telecom, etc. Several Marathi words and dishes are still part of our culture. Due to religious restrictions, we cannot celebrate the birth anniversary of Chhatrapati Shivaji, but we keep his memories alive. Following their capture after the Third Battle of Panipat in 1761, Maratha captives in Balochistan adapted and thrived, preserving their Marathi heritage for generations. From festivals to everyday customs, the Bugti Marathas' story is one of survival, resilience, and a deeply rooted identity that transcends borders.

In 2023, Baloch, a Marathi film directed by Prakash Pawar, premiered on Amazon Prime. The movie sheds light on a forgotten chapter of history, the Maratha captives taken to Balochistan following the Third Battle of Panipat in 1761.

rajeshsharma1049@gmail.com

Why is Balochistan the target of Iran and Pakistan

Region is divided between three countries and has a long history of resistance against Pakistan. Balochistan is a region with a distinct cultural and historical identity that is now divided between three countries: Pakistan, Iran and Afghanistan.

The region takes its name from the Baloch tribe, who began inhabiting the area centuries ago, and has long been fought over and divided by rulers including the Persians and the British.

The largest portion of the region is in south-western Pakistan, which it joined in 1948 after independence. Though it is Pakistan's largest province, comprising 44% of the total landmass, its arid, largely desert landscape is the country's least inhabited and least economically developed region and has been blighted by problems for decades.

Balochistan has a long history of resistance against the government of Pakistan, and militant insurgencies by groups fighting for an independent state for the Baloch people began in 1948, emerging again in the 1950s, 1960s, 1970s and significantly post-2003. The people of Balochistan had long felt their region was neglected in terms of development and political representation, fuelling resentment towards the ruling establishment. In response to the militant insurgency, Pakistan's military, paramilitary and intelligence forces have overseen a long-running and bloody counterinsurgency and crackdown on the region, with tens of thousands of people 'disappeared,' tortured and killed with impunity. The militant insurgency has also been a long-running source of tensions between Pakistan and its neighbour Iran, which have each accused the other of harbouring separatist terrorists. Cross-border attacks have killed scores of soldiers, police officers and civilians over the past five years. Iran, in particular, has accused Pakistan of allowing militants from the Sunni separatist group Jaish al-Adl (Army of Justice) to operate freely from Balochistan and carry out attacks on Iranian authorities. As recently as December 2023, 11 Iranian police officers were killed and several injured when Jaish al-Adl militants attacked a police station in Iran's Sistan and Balochistan province. In 2023, a total of 10 Pakistani soldiers and security personnel were killed in three separate attacks in Balochistan carried out by militants, reportedly operating from the Iranian side.

#INSIGHT

Chasing Light: How a Beam Shapes Our World Every Day

From lasers and lenses to life and literature, the International Day of Light celebrates the unseen force illuminating our science, art, and future.

'What if there were no light?'

Take a moment. Imagine your life with no sunlight waking you up, no streetlamps lighting your way home, no camera capturing your memories, and no fiber optic cable delivering this very article to your screen. That's the kind of everyday magic we celebrate on May 16, International Day of Light.

A Global Glow: What is the International Day of Light?

Proclaimed by UNESCO, this day commemorates the anniversary of the first successful operation of the laser in 1960 by physicist Theodore Maiman. But it's about much more than lasers. It's a celebration of light in science, technology, culture, education, sustainable development, and even art. Each year, the day shines a spotlight (pun intended!) on how light-based technologies can help tackle challenges in energy, healthcare, communication, and climate action. But beyond the tech and tools, light also stirs imagination and emotion. It's the muse of poets, the brush of painters, and the medium of photographers. It's both particle and poetry.

Light: More Than What Meets the Eye

We often take light for granted, until a blackout reminds us of its power. But light is everywhere, shaping how we see, what we know, and even how we feel. Consider this:

- In medicine, lasers treat everything from eye disorders to skin conditions.
- In communication, light pulses through fiber optic cables delivering gigabytes in milliseconds.
- In agriculture, smart greenhouses use artificial lighting to simulate perfect growing conditions.
- In astronomy, telescopes catch ancient light to decode the universe's deepest secrets.

So, the next time you unlock your phone with Face ID or binge-watch your favourite show in HD, thank a photon.

The Art of Light

Light doesn't just enable life; it inspires it. Think of the golden hour in photography, the stained glass windows of Gothic cathedrals, the shadowy contrasts in a Rembrandt painting, or the brilliance of fireworks on a festival night. Art and light are inseparable. Even literature is full of light metaphors. We 'see the light' when we understand something. We describe people as having a 'bright future.' There's a reason enlightenment is associated with knowledge.

And who can forget the dreamy glow of Diwali diyas or the flickering candles of Hanukkah? Light binds us across cultures and celebrations.

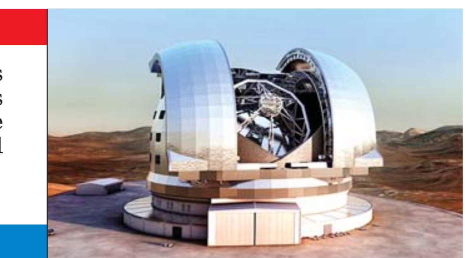

Lighting the Way to a Sustainable Future

In a world racing towards sustainability, light technologies offer solutions. Solar energy is revolutionizing how we power homes, vehicles, and even remote villages. LEDs, once futuristic, are now everyday energy-savers. Smart lighting systems reduce energy consumption in cities and buildings. Light also helps scientists monitor climate change through satellite imaging, laser scanning of forests, and tracking glacial melts. The International Day of Light encourages young minds to explore careers in optics and photonics, fields that could lead the next green tech wave.

Light Up Your Curiosity

Let's make this interactive! Here are a few ways you can observe the International Day of Light:

- **Make a rainbow:** Use a glass of water and sunlight to split light into colours.
- **Join a virtual science talk:** Organizations worldwide host webinars on light and its many wonders.
- **Try light painting:** All you need is a smartphone camera and a torch in the dark.
- **Visit a planetarium or museum:** Explore how light reveals the cosmos.
- **Go old school:** Read by candlelight and reflect on how far we've come.

Final Flicker

Light isn't just about visibility. It's about vision. It powers our technology, fuels our creativity, and holds the potential to solve some of the planet's biggest problems. So, on May 16, whether you're marveling at a laser show, experimenting with shadows, or just soaking in the sun, remember that light is not just around you. It's within you. And as International Day of Light reminds us each year: a single spark can ignite global change.

THE WALL

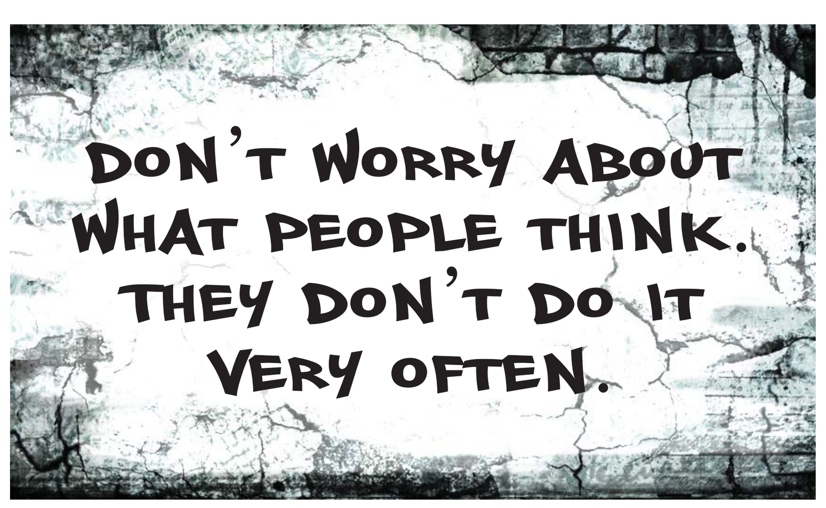

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

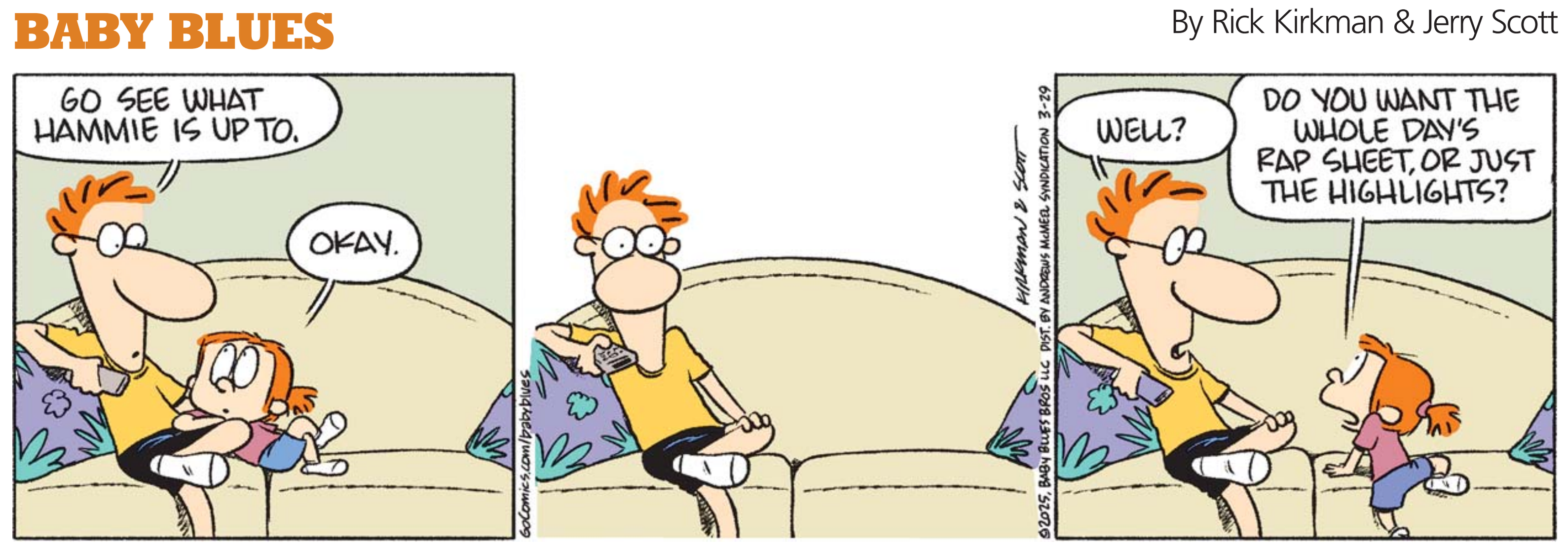

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

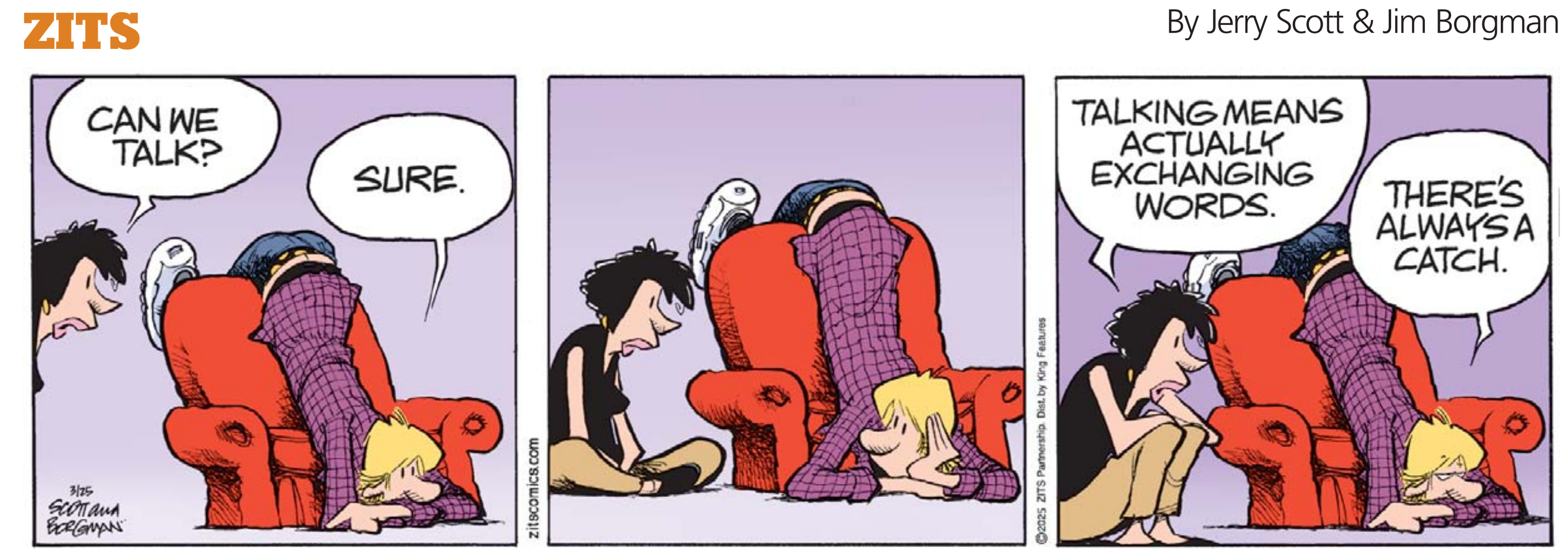

अनूपगढ़ क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास संदिग्ध ड्रोन मिला

सूचना मिलते पर मौके पर पुलिस, बीएसएफ, सेना और एयरफोर्स के अधिकारी पहुंचे

- यह ड्रोननुमा वस्तु लगभग 5 से 7 फीट लंबी है और इसमें लगा कैमरा टूटकर अलग गिरा हुआ मिला है
- आशंका जताई जा रही है कि यह निगरानी या जासूसी के उद्देश्य से इस्तेमाल किया गया हो सकता है

अनूपगढ़, (निसं)। भारत-पाकिस्तान के बीच हाल ही में बढ़े तनाव और युद्ध जैसे हालात के बीच श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ क्षेत्र में एक संदिग्ध ड्रोन मिला है। घटनाक्रम भारत-पाक सीमा से सटे संवेदनशील इलाके में गुरुवार सुबह सामने आया, जब गांव 12 ए के पास वन विभाग की भूमि पर ग्रामीणों को एक ड्रोननुमा वस्तु दिखाई दी। गुरुवार सुबह करीब 9:45 बजे ग्रामीणों ने जब खेत में यह संदिग्ध वस्तु देखी तो उन्होंने तुरंत अनूपगढ़ पुलिस थाने को सूचना दी। सूचना मिलते ही एसएचओ ईश्वर जांगिड़ पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बीएसएफ को भी सूचित किया गया। बीएसएफ की टीम ने क्षेत्र को घेर लिया और वस्तु के आसपास किसी को भी जाने से मना कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह ड्रोननुमा वस्तु लगभग 5 से 7 फीट लंबी है और इसमें लगा कैमरा टूटकर अलग गिरा हुआ मिला है। इसकी बनावट और तकनीकी ढांचे को देखकर आशंका जताई जा रही है कि यह निगरानी या जासूसी के उद्देश्य से इस्तेमाल किया गया हो सकता है।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि घटनास्थल पर सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। बम डिस्पोजल यूनिट को भी एहतियातन बुलाया गया है। ड्रोन को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक और तकनीकी परीक्षण के लिए भेजा जाएगा।

जानकारी के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष के मद्देनज़र सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं। ऐसे में सीमा के पास इस तरह की वस्तु का मिलना सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, यह भी जांच की जा रही है कि यह ड्रोन सीमा पार से भेजा गया है या किसी सैन्य अभ्यास के दौरान भटक कर यहां पहुंचा।

एडिशनल एसपी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि 12 ए चक की रोही में संदिग्ध यूएवी (ड्रोन) मिलने की सूचना एक भेड़पालक ने गांव के सरपंच को दी थी। सरपंच ने तत्परता दिखाते हुए इसकी जानकारी पुलिस और बीएसएफ को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस, बीएसएफ, सेना और एयरफोर्स के अधिकारी पहुंचे और ड्रोन की जांच शुरू की गई। विशेष टीम को भी बुलाया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बरामद ड्रोन में कोई विस्फोटक सामग्री तो नहीं है। प्रारंभिक जांच के बाद यह पता लगाया जाएगा कि यह ड्रोन किस एजेंसी से संबंधित है। आगे की कार्रवाई उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार की जाएगी। सुरक्षा के मद्देनज़र, मौके पर सख्ती बरती जा रही है और किसी को भी ड्रोन के नजदीक जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

मंदिर में साधु को बेरहमी से मारपीट कर घसीटा, मौत

- आरोपी को रायपुर पुलिस ने डिटेन कर हत्या के कारणों की जांच शुरू की

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायपुर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां बीती रात माताजी के मंदिर में सो रहे साधु पर हमलावर ने मंदिर में घुसकर हथियार से पैर तोड़ दिया और फिर बेरहमी से पूरे मंदिर में घसीटा, जिसके कारण पूरे मंदिर में खून ही खून फैल गया। इससे साधु की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मारपीट से पुजारी के दर्द से तड़पने की आवाज सुनकर मौहल्लेवासी जाग गए। लोगों के जाग जाने से आरोपी मौके से भाग गया। स्थानीय लोगों ने घायल साधु को रायपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से स्थिति गंभीर होने से जिला भीलवाड़ा महात्मा गाँधी चिकित्सालय रैफर किया गया। अलसुबह घायल साधु की मौत हो गई। मृतक 62 वर्षीय सुखा नाथ योगी है जो बाल्यावस्था से ही साधु बन मंदिर की पूजा-पाठ करते थे और वर्षों से रायपुर गांव के मंदिर में पूजा-पाठ करते थे। आरोपी पिंटू सेन को रायपुर पुलिस ने बीती रात डिटेन कर हत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

साधु पर हमलावर ने मंदिर में घुसकर हथियार से पैर तोड़ दिया।

शादी समारोह की प्रसादी खाने से एक की मौत, 11 की तबीयत बिगड़ी

- मनरेगा श्रमिकों को शादी समारोह की प्रसादी बांटी थी जो घर ले गये और परिवार वालों ने खाई थी

पाली, (निसं)। पाली के पास एक गांव में शादी समारोह की प्रसादी खाने के बाद एंदला गुड़ा निवासी राजू (15) पुत्र सोनाराम की पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं दो बच्चों को रेफर किया गया। नौ जनों का बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार जारी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार सुबह एएसपी विपिन कुमार शर्मा, सीओ ग्रामीण रतनाराम देवासी, गुड़ा एंदला थाना पुलिस बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे, जहां उन्होंने घायलों से घटना की जानकारी लेकर जांच शुरू की। जिला कलेक्टर एल एन मंत्री के निर्देश पर सीडीएम पाली विमलेंद्र सिंह राणावत पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

एएसपी विपिन कुमार शर्मा, सीओ ग्रामीण रतनाराम देवासी बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे और जानकारी ली।

पाली के पास एंदला गुड़ा गांव में मंगलवार दोपहर में शादी के बाद एक परिवार दूल्हा-दुल्हन को मंदिर दर्शन के लिए लेकर आया। इस दौरान प्रसादी बनाई गई जो पास ही काम कर रहे नरेगा श्रमिकों में भी बांटा गया। कई मनरेगा श्रमिक प्रसाद घर ले गए और परिवार सहित प्रसाद (मक्की और तिल के व्यंजन) खाया। सुबह होते-होते इनकी तबीयत बिगड़ गई। श्रमिकों को उल्टी, दस्त की शिकायत हुई। जिन्हें बांगड़ हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। बीमार लोगों में बच्चे भी शामिल हैं। एक गंभीर घायल बुजुर्ग महिला को आईसीयू में भर्ती किया गया है। हादसे में पाली के एंदला गुड़ा निवासी सोनाराम पुत्र रामाराम, पेपी देवी पत्नी सोनाराम, राहुल पुत्र सोनाराम, अनिता पुत्री भंवर लाल, सीता पत्नी भंवर लाल, हंजा पत्नी गोमाराम, भूरी देवी पत्नी जगाराम, मोनिका पुत्री मोहनलाल, रोहित पुत्र मोहनलाल, पीयूष पुत्र अनाराम, चाणोद गांव निवासी वरुण पुत्र शंकरलाल और विराट पुत्र शंकरलाल बीमार हो गए।

वृद्धा की मौत के बाद चांदी के कड़ों को लेकर परिवार के सदस्यों में विवाद हुआ

- अर्थी पर बाप-बेटे लेट गए, दो घंटे की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ
- घटना 13 दिन पुरानी बताई जा रही है, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा क्षेत्र के लीलों का बास में एक 80 वर्षीया वृद्धा की मौत होने पर उनके पैरों के चांदी के कड़ों को लेकर परिवार के सदस्यों में आपसी विवाद हो गया, जिसके चलते अंतिम संस्कार भी दो घंटे बाद देरी से हुआ। चांदी के कड़े लेने के लिए स्थिति यहां तक बन पड़ी कि बाप- बेटे अर्थी पर ही लेट गए। आखिरकार चांदी के कड़े लेने के बाद लोगों की समझाइश पर बाप बेटे माने। हालांकि घटना 13 दिन पुरानी बताई जा रही है। घटना का वीडियो गुरुवार को दिन भर सोशल मीडिया पर वायरल होता नजर आया।

जानकार सूत्रों के अनुसार 80 वर्षीया लीलो का बास निवासी भंवरी देवी पत्नी स्वर्गीय छीतरमल रैगर की करीब 13 दिन पूर्व मौत हो गई थी। जिनके सात पुत्र गिरधारी लाल, भगवान सहाय, ओमप्रकाश, मूलचंद, रामावतार, गोकुल, रोहताश हैं। जिनमें से एक मूलचंद की मौत हो गई। भंवरी देवी का संस्कार संजय वन के सामने मोक्षधाम में किया गया था। 10 संस्कार के दौरान चांदी की पैरों की कड़ी को लेकर परिवार के सदस्य में आपसी खींचतान व विवाद की स्थिति हो गई। पुत्र ओमप्रकाश ने कहा कि हमे आज तक कुछ नहीं दिया गया। ऐसे में हमें कड़ी तो दी जाए। विवाद बढ़ गया तो ओमप्रकाश व उसका पुत्र विनोद अर्थी पर लेट गया। लोगों ने भी काफी समझाइश की, लेकिन वे नहीं माने और आखिरकार चांदी की कड़ी लेने के बाद ही दाह संस्कार हुआ। उक्त घटनाक्रम का वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

झाड़ोल में सवा इंच बारिश हुई

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर संभाग कई जगह बारिश और आंधी चलने का क्रम बना हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार अपरान्ह बाद मेघगर्जन और तेज हवा के साथ जमकर करीब एक घंटा बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में उदयपुर जिले के झाड़ोल में करीब सवा इंच बारिश हुई। बुधवार को भी हल्की से मध्यम बारिश हुई थी।

पिछले 24 घंटो में उदयपुर शहर 10 मिलीमीटर, झाड़ोल 30, बड़गांव 13, फलासिया में 1, ऋषभदेव में 3, कानोड में 6, बांसवाडा में 10, बांसवाडा में 3, बागीदौरा में 10, सल्लोपाट में 10, डूंगला चित्तौड़ में 10, गलियाकोट डूंगरपुर में 10, छोटी सादड़ी प्रतापगढ़ में 10 मिलीमीटर बारिश हुई।

अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद

बिजयनगर, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 0.65 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना बिजयनगर करण सिंह खंगारोत ने बताया कि मय जाब्ता के गश्त के दौरान बरल रोड एक व्यक्ति पुलिस वाहन को देखकर भागने लगा जिसे पुलिस जाब्ते द्वारा व्यक्ति को रूकवाकर भागने का कारण पूछा तो कोई जवाब नहीं मिलने पर उसकी तलाशी ली गई तो उक्त व्यक्ति के पास एक छोटी प्लास्टिक की थैली मिली। जिसमे पाउडरनुमा अवैध मादक पदार्थ स्मैक होना पाया गया, जिसका वजन 0.65 ग्राम होना पाया गया, जिसे जब्त कर आरोपी दुर्गाशंकर पुत्र उगमा माली को गिरफ्तार किया गया।

केकड़ी में चोरों ने मंदिर और दुकानों का निशाना बनाया

केकड़ी, (निसं)। केकड़ी क्षेत्र में बुधवार रात को सिटी थाना क्षेत्र में तीन स्थानों तथा सदर थाना क्षेत्र में एक मंदिर को चोरों ने अपना निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया।

मोलकिया चौराहे पर तीन दुकानों के ताले टूटे :- सिटी थाना क्षेत्र के मोलकिया चौराहे पर देर रात अज्ञात चोरों ने तीन केबिनों में सेंध लगाई। शंकर सिंह, रामप्रसाद वैष्णव और शीलू बैरवा की दुकानों के ताले तोड़कर चोर दो गैस सिलेंडर, चाय के बर्तन और परचूनी सामान चुरा ले गए। सुबह जब दुकानदार अपनी केबिनों पर पहुंचे तो टूटे ताले और अस्त-व्यस्त सामान देखकर दंग रह गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की, लेकिन अब तक कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया।

वहीं सदर थाना क्षेत्र में स्थित आगर के बालाजी मंदिर में भी चोरों ने धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचाते हुए सेंध लगा दी। चोर मंदिर से एक गैस सिलेंडर, 20 लीटर घी और करीब 25 हजार रुपये मूल्य के छह सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य सामग्री चुरा ले गए। हालांकि कुछ सामान मंदिर से थोड़ी दूरी पर एक खेत में बरामद हो गया है। पुजारी के अनुसार, चोरी का खुलासा सुबह मंदिर खोलने पर हुआ।

मोलकिया क्षेत्र में ही सोमवार रात को स्थित भैरुजी मंदिर को भी चोरों ने निशाना बनाया था। वहां से इन्वर्टर, बैटरी, घी और पूजन सामग्री चुरा ली गई थी। लगातार हो रही इन घटनाओं से न केवल श्रद्धालु आहत हैं, बल्कि लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल भी गहराता जा रहा है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता और गश्त में लापरवाही के चलते चोरों के हौसले बुलंद हैं। ना तो चोर पकड़े जा रहे हैं और ना ही चोरी किए गए सामान की बरामदगी हो रही है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बहाल हो सके।

अवैध खनन पर कार्रवाई की, जुर्माना लगाया

कोटपूतली, (निसं)। खनिज विभाग कोटपूतली ने तहसील माढ़ण में गुरूवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। जिले में अवैध खनन निर्गमन की रोकथाम के लिये खनिज विभाग की टीम द्वारा गुरूवार को माण्ढन तहसील में आकस्मिक कार्रवाई करते हुये खनिज स्लेट स्टोन व बजरी के निर्गमन में लिप्त दो ट्रैक्टर मय ट्रॉली जब्त कर पुलिस थाना माण्ढन के सुपुर्द किया गया।

अवैध निर्गमन में लिप्त इन वाहनों पर शास्ति राशि 1 लाख 55 हजार 500 रूपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस थाना माण्ढन में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। खनिज विभाग के सहायक खनिज अभियंता ने बताया कि यह कार्रवाई अवैध खनन और निर्माण को रोकने के लिये की गई है और आगे भी ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए जायेंगे।

दुकान में आग लगने से 10 लाख के कपड़े जले

दुकान मालिक ने लोगों की मदद से बिजली सप्लाई बंद करवाई

- लोगों ने पानी डालकर आग बुझाई, पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया

टोंक, (निसं)। अलीगढ़ कस्बे के मुख्य बाजार में स्थित कपड़े की दुकान में बीती रात को आग लगने से करीब 10 लाख रुपए के कपड़ा जलकर राख हो गया। सूचना गुरुवार सुबह पड़ोसियों ने दुकानदार को इसकी सूचना दी। दुकान मालिक ने वहां पहुंचकर लोगों की मदद से बिजली सप्लाई बंद करवाई, फिर लोगों ने पानी डालकर आग बुझाई। हालांकि तब तक दुकान में रखे अधिकांश कपड़े जलकर राख से हो गए। बाद में पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया।

पीड़ित दुकानदार शंकर बैरागी ने बताया कि उसकी अलीगढ़ कस्बे में मुख्य मार्केट में बालाजी वस्त्र भंडार के नाम से कपड़ों की दुकान है। उसमें करीब दस लाख रुपए के कपड़े रखे हुए थे। अन्य दिनों की तरह बुधवार शाम को दुकान बंद कर घर आ गया। रात में लगी अज्ञात कारणो से आग की सूचना गुरुवार को मिलने से दुकानकार के होश उड़ गये, दुकान के अधिकांश कपड़े जले हुए दिखाई दिए, फिए लोगों की मदद से आसपास से मोटर चलवाकर आग बुझाई।

बाइक की टक्कर से साइकिल सवार घायल

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर सिटी-सवाई माधोपुर हाइवे पर साइकिल से घर जा रहे एक युवक को बाइक ने टक्कर मार दी जिसमें साइकिल सवार गंभीर घायल हो गया। लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। हालांकि सूचना लगने पर परिजन मौके पर पहुंच गए और घायल को जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है।

मिर्जापुर निवासी शिव सिंह (40) पुत्र किशनलाल निवासी मिर्जापुर गंगापुर सिटी में ही एक मैरिज होम में काम करता है। बुधवार रात को काम खत्म करने के बाद करीब रात बारह बजे वह साइकिल से अपने घर मिर्जापुर की ओर जा रहा था। घर से कुछ ही दूर पहले शिव सिंह की साइकिल को एक बाइक ने टक्कर मार दी। बाइक पर दो जने सवार थे। टक्कर के बाद शिव सिंह उछलकर दूर जा गिरा और उसकी साइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई।

चलते ट्रक में भीषण आग लगी, हादसा टला

ट्रक चालक ने ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई

- प्रथमदृष्ट्या आग शॉर्ट सर्किट से लगने की बात सामने आ रही है

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के पुर थाना क्षेत्र स्थित अलास्का होटल के सामने नेशनल हाइवे पर बुधवार-गुरुवार की मध्य रात्रि करीब दो बजे एक चलते ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। ट्रक चालक ने ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। आग से ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो गया। मौके पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया।

पुर थाने पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के अलास्का होटल के सामने हाइवे पर बुधवार-गुरुवार की मध्य रात्रि करीब दो बजे एक चलते ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई, आग की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दमकल विभाग को सूचना दी, दमकल की मदद से करीब दो घंटों में आग पर काबू पाया जा सका। ट्रक चालक ने ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। प्रथमदृष्ट्या आग शॉर्ट सर्किट से लगने की बात सामने आ रही है। आग से ट्रक पूरी तरह से जल गया।

नीम की गीली लकड़ियों से भरा कंटेनर जब्त, ड्राइवर गिरफ्तार

- लकड़ियों की बाजार कीमत 1 लाख 60 हजार रुपए बताई, कांकरोली से गुजरात ले जाई जा रही थी

उदयपुर, (कासं)। जिले के खेरवाड़ा वन विभाग की टीम बुधवार देर रात 18 टन अवैध नीम की गीली लकड़ियों से भरा कंटेनर जब्त कर ड्राइवर को गिरफ्तार किया। लकड़ियों की बाजार कीमत 1 लाख 60 हजार रुपए है। अवैध नीम की गीली लकड़ियों कांकरोली से भरकर तस्करी करते हुए गुजरात ले जाई जा रही थी। ड्राइवर के पास इसके कोई वैध कागजात नहीं थे।

जानकारी अनुसार क्षेत्रीय वन अधिकारी मोहम्मद फजले रबी के निर्देशानुसार जवास नाका प्रभारी सोहनलाल और वन रक्षक दुष्यंत सिंह ने बुधवार देर रात खेरवाड़ा टोल प्लाजा स्थित नेशनल हाइवे-48 पर नाकाबंदी की थी। इस दौरान उदयपुर से आ रहे कंटेनर से 18 टन अवैध नीम की गीली लकड़ियां जब्त की गईं। कागज नहीं होने पर कंटेनर ड्राइवर शौकीन पुत्र मोहम्मद हारून निवासी मेवात, हरियाणा को गिरफ्तार किया गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी मोहम्मद फजले ने बताया कि लकडियां कांकरोली में चोरी-छिपे काटी गई है। आरोपी से पूछताछ जारी है।

किशनगढ़ बास में पीएफ की राशि नहीं मिलने से नाराज़ सफाई कर्मचारी हड़ताल पर

- नगर पालिका अधिकारी और अध्यक्ष के विरोध में जुलूस निकालकर नारेबाजी की
- एसडीएम कार्यालय पर हुई सफाई कर्मियों की हड़ताल को लेकर बैठक, समझाइश के बाद भी नहीं माने सफाई कर्मचारी

किशनगढ़ बास, (निसं)। किशनगढ़ बास में सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गये। सफाई कर्मचारियों ने नगर पालिका अधिकारी और अध्यक्ष के विरोध में जुलूस निकालकर नारबाजी की। बाद में एसडीएम मनीष जाटव की अध्यक्षता में सफाई कर्मियों की हड़ताल को लेकर बैठक हुई, जिसमें ईओ मुकेश शर्मा पालिका अध्यक्ष व सफाई कर्मियों के बीच हड़ताल खत्म कर काम पर लोटने को लेकर समझाइश की गई, परन्तु सफाई कर्मचारी नहीं माने और कहा कि पीएफ का पैसा मिलेगा तभी काम करेंगे।

सफाई कर्मचारियों का आरोप था कि उन्हें ठेकेदार पूरा पीएफ का पैसा नहीं दें रहा, करीब दो साल से कर्मचारियों का लाखों रुपया बकाया है और ना ही समय पर उन्हें मासिक वेतन मिल रहा है। बार-बार अधिकारी और ठेकेदार झूठ बोलकर दो साल गुमराह कर रहे हैं। सफाई कर्मियों ने बताया कि पीएफ का पैसा दिलाए जाने को लेकर पूर्व में कई बार अधिकारियों को लिखित में शिकायत भी कर चुके हैं। पर किसी ने हमारी शिकायत पर ध्यान नहीं दिया है। सफाई कर्मचारियों ने अनेक बार पीएफ का पैसा नहीं मिलने पर हड़ताल की, तीन तीन दिन हड़ताल पर रहे, लेकिन हर बार अधिकारी, व अध्यक्ष ने ठेकेदार से पैसा दिलाने के नाम झूठा भरोसा दिया। अब जब तक हमें हमारा पीएफ का पूरा पैसा नहीं मिल जाता हम सफाई नहीं करेंगे और ना ही किसी को करने देंगे।

मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों ने जुलूस निकालकर नारेबाजी की।

गौरतलब है कि शहर की सफाई पर नगर पालिका करीब 11 लाख रुपए महीने का भुगतान करती है फिर भी सफाई कर्मचारियों को उनका पीएफ का पैसा क्यों नहीं मिल रहा है यह एक जांच का विषय है। उल्लेखनीय रहे कि एक दिन पहले ही शहर की बिगड़ी सफाई व्यवस्था को लेकर संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष और अधिकारी से मिले थे। व्यापारियों का आरोप था कि शहर में ना तो सफाई हो रही है और ना ही नालियों से गंदगी निकाली जा रही है। एक-एक महीने तक बाजार की नालियां साफ नहीं होती है। डोर टू डोर घर घर कचरा उठाने वाले टिप्पर भी नहीं आ रहे हैं।

एसडीएम मनीष जाटव ने बताया कि सफाई कर्मचारियों से वार्ता कर समझाइश की गई है। उनका बकाया पीएफ का भुगतान बुधवार तक कराए जाने का आश्वासन नगर पालिका की ओर से दिया गया है लेकिन उन्होंने काम पर आने की सहमति नहीं दी है। प्रयास किए जा रहे कि शुक्रवार से कर्मचारी काम पर वापस आ जाए।

ईओ मुकेश शर्मा से बात करने पर उन्होंने बताया कि कर्मचारियों से वार्ता हो चुकी है, शुक्रवार से काम आ जाएंगे।

सफाई कर्मचारी राजेश वाल्मीकि ने बताया रात्रि आठ बजे तक शुक्रवार से काम पर जाने के लिए कोई सहमति नहीं बनी है।

होटल पर रुके तीन युवकों पर हमला कर नगदी लूटी

- सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र स्थित नेशनल हाइवे पक्का बन्धा के पास एक होटल पर बदमाशों ने चाकूओं से जानलेवा हमला कर खाना खाने के लिए रुके तीन युवकों से करीब 55 हजार रुपए लूट कर ले गए। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार प्रकरण में घायल दीपक पुत्र रामफूल कीर, आकाश पुत्र रामअवतार कीर व सुनील पुत्र ओमप्रकाश निवासी उनियारा बुधवार को जयपुर में सब्जी बेचकर टोंक आ रहे थे। इसी दौरान पक्का बंधा स्थित एक होटल पर खाना खाने के लिए रुक गये, वहां बैठे दो-तीन युवकों ने गाली-गलौज करते हुए चाकुओं से जानलेवा हमला कर दिया। इससे आकाश के सीने पर और दो अन्य के भी चोटें आई है, बाद में उसकी जेब से सब्जी बेचने से मिले करीब 55 हजार रुपए निकालकर भाग गए। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस ने तीनों युवकों को सआदत अस्पताल पहुंचाया, जहां तीनों का उपचार जारी है।

संक्षिप्त

बीजेपी की तिरंगा यात्रा आज

अलवर। शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे अंबेडकर नगर स्थित भाजपा जिला कार्यलय पर तिरंगा यात्रा की तैयारीयों के संदर्भ में एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने बताया कि कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में तिरंगा यात्रा के संभाग समन्वय रघुनाथ सिंह नरेडी उपस्थित रहेंगे कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता करेंगेइस कार्यशाला में राजस्थान राज्य वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा, जिला प्रमुख बलवीर छील्लर, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, विधायक, विधायक प्रत्याशी,पूर्व जिला अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी सदस्य,मोर्चा जिला अध्यक्ष,मंडल अध्यक्ष, मौजूद रहेंगे

ऑपरेशन करवा कर लौटे 6 मरीजों का किया सम्मान

श्रीमाधोपुर। लायंस क्लब श्रीमाधोपुर द्वारा राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीमाधोपुर में आयोजित 47 वें आंखों के मोतियाबिंद एवं लैंश प्रत्यारोपण शिविर मे चयनित 6 मरीजों के ऑपरेशन के बाद जयपुर से वापस लौटने पर लायंस क्लब ने उनका हालचाल जाना और स्वागत में सभी को शॉल उठाकर उनका स्वागत किया । लायंस क्लब श्रीमाधोपुर के अध्यक्ष सीताराम सैनी पूर्व वैज्ञानिक से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस कार्य के लिए विशेष सहयोग दिया दुर्गा प्रसाद गोयल और ललिता गोयल, ऊंझा, गुजरात वालों ने इस मौके पर क्लब के सीताराम सैनी और सागरमल हलवाई उपस्थित रहे।

कलक्टर ने सुने अभाव अभियोग

पावटा। पंचायत समिति पावटा की ग्राम पंचायत भोनावास में कोटपुतली बहरोड़ जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीणों ने भीषण गर्मी में विद्युत व पेयजल की समस्या से हो रही परेशानी को उठाया तथा समाधान करवाने की मांग की। इस पर जिला कलक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को सभी प्रकरणों का समाधान करने के निर्देश दिए। इसमें सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मियों व ग्रामीणों ने भाग लिया। रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने गर्मी के मौसम में पेयजल सप्लाई व विद्युत कट की समस्या उठाते हुए समस्याओं का समाधान करवाने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि भीषण गर्मी में ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल व विद्युत व्यवस्था चरमरा गई है।इसके अलावा रात्रि चौपाल में सडक निर्माण सहित अन्य विभागों की समस्याएं भी ग्रामीणों ने उठाई।

दो माह से पेयजल आपूर्ति ठप

निवाई। शिवाजी कॉलोनी वार्ड नंबर 18 में स्थित लाखा की ढाणी में करीब दो माह से पेयजल आपूर्ति ठप है। जिससे कॉलोनी वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनीवासी शंकर सिंह, मुकेश माली, ओमप्रकाश यादव, सुमित जैन, जगदीश वर्मा, श्रीराम माली, रामअवतार माली, नवल सिंह एवं हरिराम वर्मा ने बताया कि लाखा की ढाणी में करीब दो माह पूर्व गैस लाइन डालने से पेयजल लाइन क्षितग्रस्त हो गई जिससे करीब दो माह से पेयजल आपूर्ति ठप है।

नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित

श्रीमाधोपुर । श्री तेजा क्लिनिक पुष्पनगर श्रीमाधोपुर में गुरुवार को नि:शुल्क चिकित्सीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. अमरचंद शर्मा (जनरल सर्जन), डॉ. एस के चौहान (जनरल फिजिशियन), डॉ. जे के शर्मा (न्यूरोलॉजिस्ट) द्वारा आर्थो, जनरल मेडिसिन,सास , दमा शुगर के रोगियों को चिकित्सीय परामर्श देते हुए नि:शुल्क दवाईयां वितरित की गई। इस क्लिनिक में हर माह अलग अलग रोगों के चिकित्सक विशेषज्ञों द्वारा नि:शुल्क सेवाएं दी जाएगी।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अधिकारी मौके पर ही करें आमजन की समस्याओं का निस्तारण : कलेक्टर

- जिला स्तरीय सतर्कता समिति एवं जनसुनवाई में आये विभिन्न प्रकरण, जिला कलक्टर ने दिये निस्तारण के निर्देश

भौनावास में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान जनसुनवाई करती जिला कलेक्टर।

कोटपूतली। आमजन की परिवेदनाओं और समस्याओं के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित कर उन्हें राहत प्रदान करने के उद्देश्य से त्रि-स्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के तहत गुरुवार को कलेक्ट्रेट भवन के वीसी कक्ष में जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में कुल 54 प्रकरण प्राप्त हुये। जिला कलक्टर ने प्रकरणों के नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा गर्मी के मौसम के मध्यनजर सभी अधिकारी अपने कार्यालय में छाया, बैठने, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थायें बनाकर रखें, जिससे आगंतुकों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो।

जिला कलेक्टर ने अधिकारियों से आमजन के प्रकरणों को संवेदनशीलता के साथ सुनने के निर्देश देते हुये कहा कि यह समय पेयजल, बिजली, चिकित्सा एवं अन्य आधारभूत व्यवस्थाओं की दृष्टि से संवेदनशील है। सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ आपसी समन्वय से आमजन के हितार्थ कार्य करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने अधीनस्थ कार्यालय के कार्यों की मॉनिटरिंग करें व निचले स्तर तक निर्देशों की पालना सुनिश्चित करवायें। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में अपने अधीनस्थों के माध्यम से मौके पर ही परिवादियों की समस्या को सुनकर तुरंत समाधान के प्रयास करें।

जिला कलक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी आमजन की परिवेदनाओं का प्रभावी रूप से निस्तारण करें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी ना हो व बार बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। स्थानीय स्तर पर ही निराकरण कराकर राहत प्रदान करें तथा बुजुर्ग व महिलाओं के प्रकरणों को प्राथमिकता से लेंवे। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को फटकार लगाते हुये कहा कि बिना अनुमति के कोई भी जिला स्तरीय अधिकारी अनुपस्थित ना रहें। इसी के साथ ही जिला कलक्टर ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि जनसुनवाई और रात्रि चौपाल को प्राथमिकता से ले। जिला कलक्टर ने अवैध कार्यों के खिलाफ अधिकारियों को स्वतरू संज्ञान लेते हुये सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने जनसुनवाई में रास्ता खुलवाने, पट्टा संबंधी प्रकरण, नक्शे में शुद्धिकरण करने, कृषि भूमि पर सीमांकन, पत्थरगढ़ी करने, कब्जा हटवाने, म्यूटेशन, अवैध खनन, पंचायत पुनर्गठन, रास्ता अतिक्रमण, एनएफएसए संबंधी, परिसीमन, पुनर्गठन पर आपत्तियां, विद्युत कनेक्शन करवाने, अवैध अतिक्रमण हटाने, सफाई कराने, पेयजल व सडक निर्माण कराने सहित अन्य प्राप्त प्रकरणों को आत्मीयता और धैर्यपूर्वक ढ़ंग से सुनकर निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि परीवादों के निस्तारण की मॉनिटरिंग कर रिपोर्टिंग प्रस्तुत करें।

बैठक में सतर्कता के प्रकरणों की भी चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सम्पर्क पोर्टल, सीएमओ, पुलिस संबंधी, जनसुनवाई, जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रकरणों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय सीमा के भीतर किया जायें। ताकि आमजन को राहत मिल सके। कलेक्ट्रेट में आने वाले परिवादियों के लिये छाया, बैठने व पेयजल की उचित व्यवस्था की गई। जनसुनवाई में एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बृजेश कुमार, डीएसओ शशि शेखर शर्मा, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी व आमजन उपस्थित रहे।

पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

श्रीमाधोपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अजीतगढ़ में प्रधानाचार्य सुमन गोठवाल की अध्यक्षता में इको क्लब एवं स्काउट गाइड ने पक्षियों के लिए पानी के परिंडे बांधे। उत्सव प्रभारी स्थानीय संघ अजीतगढ़ के सचिव रामावतार शर्मा , सहायक सचिव जमील खान एवं कार्यालय प्रभारी भगवान सहाय सैनी के सान्निध्य में पक्षियों हेतु परिंडे लगाए गए। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कैरली विद्यालय परिसर में पक्षियों हेतु पानी के परिंडे बांधे गए।

'आतंक के खिलाफ पूरा देश एक'

निवाई। आतंक के खिलाफ पूरा देश एक है। युवा कॉंग्रेस प्रदेश प्रभारी मनीष चौधरी ने टोंक जिले के एक दिवसीय दौरे को लेकर निवाई में कार्यकर्ताओं की बैठक ली। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कढी निन्दा करते हुए कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने निर्दोषों पर कायराना हमला किया है। जिससे संपूर्ण देश में आतंक के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आतंकवाद के खिलाफ है। आतंकियों को कडी से कडी सजा मिले। उन्होंने कहा कि देश की एकता के लिए कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ता एकजूट है। इस दौरान प्रदेश प्रभारी मनीष चौधरी व टोंक जिला प्रभारी टीकम चौधरी का निवाई आगमन पर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष बाबूलाल मीणा के नेतृत्व में कॉंग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उनका माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर विक्रम चौधरी, धर्मवीर मीणा, सूरज भुरटीया, सियाराम लुहारा, गोविंद सिंगवाडीया, सुरेश बैनीवाल, रोहित रग्गल, मुकेश सांसी, विमल जाँगिड, नरेश चौधरी व मोहम्मद नासिर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रशिक्षण शिविर की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

- कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर श्री अग्रसेन महिला विद्यापीठ, ए ब्लॉक, रनजीत नगर, भरतपुर में 17 मई से

भरतपुर । राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मण्डल मुख्यालय भरतपुर पर गिरिराज प्रसाद गर्ग सहा. राज्य संगठन आयुक्त की अध्यक्षता में स्काउट/गाइड ग्रीष्मकालीन कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर को लेकर बैठक आयोजित की गई। उन्होनें बताया की राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मण्डल मुख्यालय भरतपुर के तत्वावधान में मण्डल स्तरीय ग्रीष्मकालीन कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय सिविल लाइन गोपालगढ भरतपुर एवं जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर श्री अग्रसेन महिला विद्यापीठ, ए ब्लॉक, रनजीत नगर, भरतपुर में 17 मई से आयोजित किया जा रहा है।

इस शिविर का उद्द्दश्य शहर की प्रतिभाओं को निखारने एवं उनके श्रम के प्रति निष्ठा, स्वावलम्बन, एवं आत्मविश्वास आदि गुणों का विकास एवं ग्रीष्मावकाश के समय का सदुपयोग करने की दृष्टि से कुशल, प्रशिक्षित, दक्ष एवं अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा अनेक विषयों ब्यूटीशियन, सिलाई, पेन्टिंग, मेहन्दी, योगापर्सनलिटी डवलमेन्ट, ऐंकरिंग, इंगलिश स्पोकन, आत्म सुरक्षा, गीत, संगीत, नृत्य एवं खेलों में शतरंज, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, स्वीमिंग आदि बिषयों का प्रशिक्षण दिया जायेगा

साथ ही पर्यटन, गृह सज्जा मौसमी विमारियों से बचाव, पाक कला, योग प्रणायाम जैसी उपयोगी वार्ताओं के साथ शैक्षिणक भ्रमण, विभिन्न प्रतियोगिताओं वेस्ट ऑफ द वेस्ट व सामुदायिक विकास गतिविधियों का भी आयोजन किया जायेगा।

प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यार्थी अभिरूचि केन्द्र से आवेदन प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में 05 वर्ष से लेकर अधिकतम किसी भी आयु वर्ग की बालक - बालिकाऐं एव महिलाऐं प्रवेश ले सकती हैं। आत्म सुरक्षा हेतु उन्हें पुलिस विभाग की तरफ से सैल्फ डिफेंस सिखाया जायेगा। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा उनकों सरकारी योजनाओं से लाभन्वित किया जाएगा।

मण्डल स्तरीय शिविर का संचालक सी. ओ. देवेन्द्र कुमार मीना जिला स्तरीय शिविर का संचालक भानु प्रताप सिंह सचिव स्था. संघ भरतपुर को इन शिविरों को सफल बनाने हेतु निर्देशित किया गया।

इस बैठक में नीता शर्मा सहा. राज्य संगठन आयुक्त के मुख्यातिथ्य में देवेन्द्र कुमार0 मीना सी. ओ. स्काउट, भानु प्रताप सिंह सचिव स्थानीय संघ भरतपुर, यादराम अध्यापक, विजय सिंह व. शा. शि. , बलराज सिंह जी एल.टी., कविता सिंघल व. गाइडर , जल सिंह व. शा. शि., विनोद कुमार अध्यापक, आदि गणमान्य उपस्थित थे।

खेत में बने फार्म पॉण्ड में डूबने से दो युवकों की मौत

फुलेरा। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम आकोदा में मवेशियों को चराने गए एक ही परिवार के दो युवकों की फार्म पॉण्ड में डूबने से मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दोनों मृतकों के शवों को फुलेरा उपजिला चिकित्सालय पर लाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसी क्रम में मिली जानकारी के अनुसार आकोदा ग्राम निवासी दो युवक मनीष वर्मा पुत्र कुन्दन लाल वर्मा उम्र 21 वर्ष व विशाल वर्मा पुत्र गिरधारी लाल उम्र 17 वर्ष, दोनों ही युवक सुबह करीब 8 बजे गाय-भैंस को चराने खेतों की तरफ गए थे। इस दौरान एक खेत में बने फार्म पॉण्ड में गिरी गाय को बचाते समय पैर फिसल जाने से दोनों युवकों की पॉण्ड में भरे पानी में डूबने से मृत्यु हो गई। खबर को सुनते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया। थानाधिकारी श्रवण कुमार मय जाप्ता मौके पर पहुंचे जहां का वीभत्स व करुणा मय वातावरण देखते हुए मृतकों के परिवार जनों को ढाढस बंधाते हुए वस्तु स्थिति को संभाली। मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपे।

सृजन सुरक्षा योजना अभियान का किया शुभारम्भ

सृजन सुरक्षा योजना अभियान को लेकर चर्चा करते अधिकारी।

निवाई। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में वीडियो कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से रालसा वन व बालिका वर्ष 2025 सृजन सुरक्षा योजना अभियान का शुभारम्भ किया गया। अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दिनेशकुमार जलुथरिया ने बताया कि सृजन सुरक्षा योजना के तहत ग्राम पंचायतों में नवागंतुक हरित बालिका के जन्म पर 11 पौधे लगाए जाऐंगे

चिकित्सा सुविधाओं, स्वास्थ्य सेवा योजनाओं, शैक्षिक अवसरों, प्रासंगिक सरकारी योजनाओं एवं सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों तक पहुँच सुनिश्चित् करने के लिए राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेन्स की गई। उन्होंने बताया कि वीसी के माध्यम से योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु योजना से सम्बन्धित मुख्य हितधारकों व सम्बन्धित विभागों को योजना की भावना व उद्देश्य के प्रति संवेदनशील बनाने तथा योजना के तहत सक्रिय रूप से कार्यवाही करने हेतु प्रेरित किया गया। वीसी में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शेलेन्द्रसिंह चैधरी, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी चौथमल चोधरी, जिला बाल संरक्षण के उप निदेशक नवल खान, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के जिला उप निदेशक करतारसिंह मीना, जिला पर्यवेक्षक महिला अधिकारिता विभाग प्रज्ञा मोटवानी, सीडीपीओ टोंक नीता पाठक व सरपंच सहित कई अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

दस साल बाद संदेह के लाभ में हत्या का अभियुक्त दोष मुक्त

सांभरझील। अपर सेशन न्यायाधीश फागी कीर्ति सिंहमार ने हत्या कि मामले में राकेश बैरवा पुत्र लालाराम निवासी सावल पुलिस थाना फागी जिला जयपुर को आरोपित अपराध अंतर के धारा 302/34 भारतीय दंड संहिता के आरोपों से संदेह का लाभ देकर दोष मुक्त घोषित किया। हत्या के मामले को लेकर 15 अगस्त 2014 को परिवादी रमेश चंद्र की तरफ से थाना फागी में अपनी पुत्री मंशा की निर्मम तरीके से हुई हत्या को लेकर पुलिस में रिपोर्ट दी थी। परिवादी की ओर से शक के आधार पर दामाद व उसके दोस्त राकेश का नाम भी लिखाया था। पुलिस थाना फागी ने अनुसंधान कर दामाद के दोस्त राकेश को ही मुख्य अभियुक्त माना था जबकि उसके पति अजय को सहयुक्त बनाकर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। न्यायिक मजिस्ट्रेट फागी ने अभियुक्त राकेश के खिलाफ अपराध का प्रसंज्ञान लेकर प्रकरण एडीजे कोर्ट में रेफर किया। अपर लोक अभियोजक की ओर से न्यायालय के समक्ष अनेक गवाह व तर्क के साथ अभियुक्त को दोष सिद्ध करने का पक्ष रखा, लेकिन अभियुक्त की अधिवक्ता वीरेंद्र सिंह शेखावत ने तर्क रखा कि किसी भी गवाहों ने अभियुक्त को हत्या करते हुए नहीं देखा है और न ही पत्रावली में किसी ने अपने बयान दर्ज करवाए हैं। उनकी ओर से न्यायालय में 32 न्यायिक दृष्टांत भी इस संदर्भ में पेश किए गए। न्यायालय ने मुख्यत: अपने फैसले में लिखा कि भले ही अभियुक्त के विरुद्ध आरोप साबित नहीं हुआ है किंतु प्रस्तुत साक्ष्य से परिवादी की पुत्री की हत्या होना प्रमाणित है इसलिए प्रकरण के समस्त तथ्यों व परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए इस मामले को मृतका के माता-पिता को उचित प्रतिकर दिलाने हेतु प्रकरण पीड़ित प्रतिकर स्कीम के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर को संदर्भित किया गया।

जनसुनवाई में 76 परिवेदनाएं दर्ज, अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश

- खैरथल जिला सचिवालय पर हुई जिला-स्तरीय जनसुनवाई

जिला स्तरीय जनसुनवाई में परिवेदनाओं को सुनते जिला कलेक्टर किशोर कुमार।

खैरथल। आमजन की समस्याओं के निराकरण को लेकर जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में जिला सचिवालय पर जिला स्तरीय जनसुनवाई की गई। इस जनसुनवाई में जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे वही ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े रहे। जन सुनवाई में 76 प्रकरण दर्ज किए गए। कलेक्टर ने प्रस्तुत परिवेदनाओं पर व फरियादी को सुनकर संबंधित अधिकारियों को समय अवधि निर्धारित समाधान करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में गंदे पानी की निकासी, भूमि पर अतिक्रमण, बिजली, खाद्य सुरक्षा में नाम जुड़वाने, सड़क, पट्टा दिलाने बाबत, तथा विभिन्न प्रकरणों की पुलिस जांच कराने तथा पेयजल समस्या सहित अन्य परिवाद प्राप्त हुए। संबंधित उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, विकास अधिकारी और सम्बंधित विभागों को परिवादों के निस्तारण के निर्देश दिये है। कलेक्टर ने अधिकारियों निर्देशित कर कहा कि सभी अधिकारी राजस्थान सम्पर्क पोर्टल, सीएमओ, मुख्यमंत्री जनसुनवाई प्रकोष्ठ एवं जनसुनवाईयों में प्राप्त होने वाले प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें। अपने क्षेत्राधिकार में नहीं होने पर उच्च स्तर पर संपर्क कर निपटाएं, अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर परिवादी से व्यक्तिगत संपर्क करते हुए एवरेज डिस्पोजल टाइम में सुधार करें।

जनसुनवाई के दौरान विधायक दीपचंद खैरिया, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, सुरेश कुमार बंसल, सहकारिता विभाग अधिकारी वेद प्रकाश सैनी, अधीक्षण अभियंता धर्मवीर यादव, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा, महिला एवं बाल विकास अधिकारी बीना गुप्ता, संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग हवा सिंह जाट,नोडल अधिकारी आयुर्वेदिक विभाग अजीत बालयांण, पीएचईडी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5 वीं व 6ठीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805, E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
क्रमांक :-36/25 दिनांक :-14/05/20025

आम सूचना संघ की आवासीय योजना केसरी चन्द चौधरी नगर, अजमेर रोड, जयपुर की दुकान संख्या-22, संघ द्वारा श्री सुशील कुमार चौमाल को आवंटित की गई थी, जिसे बाद में श्री नारायण धोबी पुत्र श्री मंगलाराम धोबी द्वारा क्रय किये जाने पर संघ द्वारा उनके नाम ट्रांसफर कर विक्रय पत्र दिनांक 31.03.1999 को रजिस्टर्ड करवा दिया गया था। उक्त दुकान को श्रीमती बादाम देवी पत्नि श्री श्रवण लाल धोबी द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 19.07.2006 से क्रय कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर स्वयं के नाम ट्रांसफर कराने हेतु निवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त दुकान पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा दुकान संख्या-22, केसरी चन्द चौधरी नगर, अजमेर लाल रोड, जयपुर को श्रीमती बादाम देवी पत्नि श्री श्रवण लाल धोबी के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।
(योगेश शर्मा) प्रबंध निदेशक

आम सूचना मेरे अभिभाष्य सुरजीत सिंह पुत्र सरदार सन्ता सिंह एवं श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी सुरजीत सिंह, निवासी-मकान प्लाट नम्बर-16-ए, खालसा कालोनी, हीदा की मोरी, जयपुर का पुत्र बलवीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह उनके कहने, सुनने में नही है, तथा मेरे अभिभाष्य से अलग रहता है, मेरा अभिभाष्य अपनी समस्त प्रकार की चल व अचल सम्पत्ति, सामाजिक सम्बन्धो से अपने पुत्र बलबीर सिंह को बेदखल करते है। इससे मेरे अभिभाष्य को कोई वास्ता नही है। कोई भी व्यक्ति इससें किसी भी प्रकार का सव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा।
(मुकेश सैन एडवोकेट) मो.नं.93145-63517

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान राज्य सरकारी आवासन संघ लि. की सहयोग अपार्टमेन्ट योजना मे फ्लैट नम्बर बी-1 का मूल आंवटन पत्र क्रमाक 8257/95 दिनांक 18.01.1995, जो कि श्रीमती मनिषा माथुर पत्नि श्री कृष्ण कुमार शर्मा के नाम से है, वो खो गया है जिसकी पुलिस रिपोर्ट LR No. 2763142/2025 दिनांक 13.5.2025 को दर्ज करा दी गयी है उक्त सम्पति के लिये श्रीमती रेणु शर्मा पत्नि श्री ओम प्रकाश ने BOB Bank मे ऋण हेतु आवेदन किया है यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई एतराज या आपत्ति हो तो आज से 7 दिवस के अन्दर सम्पर्क करे। मूल आंवटन पत्र मिलने पर सूचित करे।
श्री ओम प्रकाश, (मो.) 9001000588

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/277
चूंकि प्रार्थी श्री Chandra Prakash Bharadwaj, S/O: Kedar Narayan Sharma, Sankh, Bassi, Jaipur, Rajasthan-303301 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास Thakur Ji Shree Raghunath Ji Mandir trust, Gram Sankh Shyopuri, panchayat Samiti sindoli, Bassi, Jaipur के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 14-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18/07/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-2804 दिनांक-15/05/25
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में फ्लैट संख्या 26/A2/807 (8-F) (EWS) (ANUPAM APARTMENT) (एरिया 11.480 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती संतरा देवी पत्नी श्री नरेश कुमार सैन को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 573 दिनांक 16.04.2025 को जारी किया गया।
श्रीमती संतरा देवी की मृत्यु दिनांक 14.10.2022 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री संजय कुमार सैन पुत्र श्री नरेश कुमार सैन द्वारा उक्त फ्लैट को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री संजय कुमार सैन पुत्र श्री नरेश कुमार सैन का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 47/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री प्रवेश दीक्षित पुत्र श्री रविन्द्र कुमार निवासी ग्राम पोस्ट सोहन की ढाणी, बानसूर, जिला कोटपूतली-बहरोड़ ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत बी.डी.एम.एल. शिक्षण संस्थान, ढेलावास (मुण्डावर) पोस्ट गोपीपुरा, तहसील मुण्डावर, जिला खैरथल तिजारा के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारां प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 08.07.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी स्थान मौजमाबाद
लाडा देवी विरुद्ध गोपाल वगैरह
वाद प्रार्थना पत्र- पत्थरगढ़ी
प्रार्थना पत्र संख्या 96/2024
नाम-हनुमान पुत्र मोटा जाति कुमावत, कोशिल्या पुत्री दयालराम, धन्नालाल पुत्र सरुपा उर्फ रामस्वरूप पूरणमल पुत्र सरुपा उर्फ समस्वरूप, प्रेमदेवी पत्नी केसरलाल, भूरी पुत्री दयालराग भोली पुत्री दयालयम, नाबालिक मुकेश पुत्र केसरलाल संरक्षक सरपरस्त गाता प्रेम देवी, मनभर पत्नी दयालयम, मूलचन्द पुत्र दयालयम, लालचन्द पुत्र पन्ना, नाबालिक सत्यनारायण पुत्र के सरलाल संरक्षक सरपरस्त माता प्रेम देवी, सतोष पुत्री केसरलात, सूरजमल पुत्र सरुपा उर्फ रामस्वरूप समस्त जातियान कुम्हार निवासी उमरियावास तहसील मौजमाबाद जिला जयपुर राज0 उक्त 14/05 ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि...
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनाक 05 माह सन् को 2025 पूर्वाह्न में स्वय या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अजुदेश किया गया हो, उपसजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनाक और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई। दिनाक 14 माह 05 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
दिनाक
मोहर अदालत
उपखण्ड अधिकारी
मौजमाबाद (जयपुर)

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम संख्या-7 स्थान जयपुर महानगर (प्रथम)
कौशल्या देवी विरूद्ध दीपक कुमार गर्ग व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र 021 R 97 सी.पी.सी.
प्रार्थना-पत्र संख्या 12/2025 सन्
नाम सुनील कुमार लालवानी पुत्र श्री प्रेमचन्द लालवानी जाति सिन्धी पता निवासी C/o मोहनदास सावलानी पुत्र श्री सतराम सावलानी प्लाट नं. सी-477, जे.डी.ए.कॉलोनी, मीना पालडी, आगरा रोड, जयपुर
उक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि...
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 20 माह 05 सन् 2025 को 8 ए.एम. पूर्वानह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 14 माह 5 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
आज्ञा से-रीडर
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-07 जयपुर महानगर-प्रथम

नाम परिवर्तन
मै अदेश देवी माता नंबर 17006487N HMT अंकित कुमार निवासी ग्राम व पोस्ट फतेहपुर कलां, जिला बिजनौर (यूपी) 246701 मैने अपना नाम अदेश देवी व जन्मतिथि 10.05.1968 से बदलकर नाम आदेश व जन्म तिथि 01.01.1969 रख ली है, शपथ पत्र संख्या CA-282997, दिनांक 7.5.2025 द्वारा।

मैंने मेरा नाम साजिद खान से बदलकर मोहम्मद साजिद पुत्र श्री मोहम्मद सलीम रख लिया है। भविष्य में मुझे मोहम्मद साजिद के नाम से जाना जावे। पताः-614, जे.पी. कॉलोनी सेक्टर नं.3 शास्त्रीनगर जयपुर।

I Kailash Chandra Sharma S/o Bal Krishna Sharma residing at B-707, Shivgyan Enclave, Gautam Marg, Nirman Nagar, Jaipur, Rajasthan-302019. I have changed my name from Kailash chand Sharma to Kailash Chandra Sharma. In future I will be known by my changed name. Date-15/5/25

I Harshita K Sharma D/o Kailash Chandra Sharma residing at B-707, Shivgyan Enclave, Gautam Marg, Nirman Nagar, Jaipur, Rajasthan-302019. Do hereby solemnly affirm that I have changed my name from Harshita Sharma to Harshita K Sharma. I will be known by my changed name. Date-15/5/25

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
सार्वजनिक विज्ञप्ति
क्रमांक : भू०वि०शाखा/2025/5421 दिनांक : 15.05.2025
भरतपुर विकास प्राधिकरण की योजना ट्रांसपोर्ट नगर में व्यावसायिक भूखण्ड संख्या - 970 श्री अजीत सिंह पुत्र श्री सांवल सिंह, निवासी - स्टेशन रोड, नईमण्डी, भरतपुर को लॉटरी द्वारा आवंटन किया गया था। श्री अजीत सिंह पुत्र श्री सांवल सिंह द्वारा उक्त व्यावसायिक भूखण्ड संख्या - 970 का रजिस्टर्ड मुख्त्यारनामा आम दिनांक 25.03.2025 से श्री रोहिताश सिंह पुत्र श्री चन्दन सिंह, निवासी - डीग रोड, कुम्हेर गेट कृषि टायर वाले के सामने, आनन्द नगर मोड, भरतपुर को कर दिया गया है। श्री रोहिताश सिंह पुत्र श्री चन्दन सिंह द्वारा उक्त व्यावसायिक भूखण्ड संख्या - 970 का रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 23.04.2025 से श्रीमती कामिनी देवी पत्नी श्री विजय सिंह, निवासी - सारस होटल चौराहा, विजय नगर, भरतपुर को कर दिया गया है। श्रीमती कामिनी देवी पत्नी श्री विजय सिंह द्वारा उक्त व्यावसायिक भूखण्ड संख्या - 970 का नाम परिवर्तन अपने पक्ष में कराने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया है। प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर व्यावसायिक भूखण्ड संख्या - 970 का नाम परिवर्तन श्रीमती कामिनी देवी पत्नी श्री विजय सिंह के पक्ष में करने पर किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति सात दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करे अन्यथा गुजरने म्याद भूखण्ड का नाम परिवर्तन श्रीमती कामिनी देवी पत्नी श्री विजय सिंह के पक्ष में कर दिया जावेगा।
प्रभारी अधिकारी
भूमि विक्रय शाखा, भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लाल कोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
क्रमांक :- जसअ / 2025 / 62 दिनांक: 14.05.2025
ई-निविदा सूचना संख्या:- 02/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से अधि0 अभि0 (प्रोजेक्ट) से सम्बन्धित विकास कार्यो की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट http;//sppp.rajasthan.gov.in, www.jaipurmc.org & eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIT No. 02/2025-26 UBN No. :- JMC2526WSOB000559
अधिशाषी अभियन्ता (प्रोजेक्ट)
नगर निगम जयपुर ग्रेटर
राज.संवाद / सी / 25 / 2384

संक्षिप्त

स्थापना महोत्सव 31 को

भरतपुर, (निस)। समता आंदोलन का 18वां स्थापना महोत्सव 31 मई को सायंकाल 5:30 बजे से गिरीश रिसॉर्ट भरतपुर पर मनाया जायेगा। जिलाध्यक्ष केदारनाथ पाराशर ने बताया कि इस महोत्सव में भरतपुर संभाग के जिलों भरतपुर डीग धौलपुर करौली व सवाईमाधोपुर के समतावादी महिला पुरुष भाग लेंगे।इस अवसर पर मुख्य वक्ता समता आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पाराशर नारायण शर्मा होंगे एवं उनके साथ राष्ट्रीय स्तर के अन्य पदाधिकारीगण भी उपस्थित होंगे जिनके ओजस्वी व संवैधानिक विचार सुनने को मिलेंगे।

पौधारोपण कर बेटी का जन्मदिन मनाया

सांभरझील। शाकंबरी युवा संगठन के महासचिव विजय प्रजापति ने आज अनेक धार्मिक स्थलों पर पौधारोपण कर बेटी माही के जन्मदिन पर सभी से अपील की, कि वे पर्यावरण सुरक्षा के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाए तथा हरियाली को बढ़ावा दें। इस मौके पर वकील अरविंद सिंह खंगारोत, वकील सुनील शर्मा, समाजसेवी राम सिंह बन्ना, मंगलचंद प्रजापत, आशीष साहू, कारपेंटर दिनेश शर्मा सहित सभी ने एक-एक पौधा बिटिया के नाम से लगाने का संकल्प लिया। कायस्थ समाज के शैलेश उर्फ शैलेंद्र माथुर ने माही के उज्जवल भविष्य के लिए प्रार्थना की।

बैठक आयोजित

कोटपूतली। स्थानीय अग्रसेन भवन में अग्रवाल समाज समिति की महिला मंडल की बैठक अध्यक्ष लाजवंती देवी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अग्रसेन भवन में ग्रीष्मकालीन हॉबी क्लासेज लगाने के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें डांस क्लास, योगा, जुड़े कराटे एवं ब्यूटीशियन, म्यूजिक क्लास, कुकिंग क्लासेज लगाने का निर्णय लिया गया। जिसमें अग्रवाल समाज के बालक बालिकाएं एवं महिलाएं भाग ले सकेंगी। इस दौरान महिला मंडल की सदस्य ईन्दू अग्रवाल, दीप्ति बंसल, रेणू अग्रवाल, मीनू बंसल, रागिनी बंसल, बीना गोयल, चंदा अग्रवाल, अल्का बंसल, रेणू जिंदल सहित समाज की अन्य महिलायें मौजूद रही।

बैठक आयोजित

बौंली- बामनवास। सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में गुरुवार को आमजनों की जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं सतर्कता समिति की बैठक भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र के वीसी कक्ष में आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने जनसुनवाई के दौरान परिवादियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्रों एवं राजस्थान संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवादो का शीघ्र निस्तारण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कुल 86 प्रकरण प्राप्त हुए। जिसमे नामांतरण खुलवाने, सीमा ज्ञान करवाने, पटवारी हल्का शेरपुर एवं गिरधावर खिलचीपुर द्वारा न्यायालय के आदेशों की पालना करवाने, एवं दुबी बनास में हो रहे अतिक्रमणों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने एवं अतिक्रमियों को पाबंद करने के निर्देश संबंधित तहसीलदार को जिला कलेक्टर ने दिए।

उद्घाटन किया

भरतपुर (निस)। ग्राम पंचायत रारह में राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान प्लास्टिक से मुक्ति हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में उपयोग होने वाली प्लास्टिक से मुक्ति हेतु बर्तन बैंक की योजना के तहत बर्तन बैंक का उद्घाटन ग्राम पंचायत रारह की सरपंच कुसुम सिंह एवं पचायंत समिति कुम्हेर के सहाकय विकास अधिकारी महेश सिनसिनवार द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। स्टीक के बर्तनों के 400 सेट (थाली, गिलास-कटोरी, चमच्च) राजीविका महिला समूह को भेंट किये गये। इस योजना का संचालन राजीविका समूह की महिलाओं के द्वारा किया जाएगा। जो कि स्टील के बर्तनों को शादी में काम आने वाले प्लास्टिक के गिलास थाली के स्थान पर उपयोग करने हेतु ग्रामीणों को उचित दर पर किराए पर उपलब्ध करववा कर वातावरण को प्लास्टिक मुक्त करने के लिए किया जाएगा।

युवा कांग्रेस की बैठक का आयोजन

टोंक। जिला युवा कांग्रेस द्वारा युवा कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक का आयोजन डाक बंगले पर हुआ, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हंसराज गुंजल ने बताया कि बैठक के मुख्य अतिथि राजस्थान के प्रदेश प्रभारी मनीष चौधरी रहे, जिन्होने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें कांग्रेस की विचारधारा को आमजन जब तक पहुँचाने के लिए युवा कांग्रेस को जिले में मजबूत करना होगा इसके लिए यह हर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को गाँव स्तर मजबूत करना होगा।

परिवादी की शिकायतो को गंभीरता से लेकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें : डॉ. सौम्या झा

टोंक। जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने गुरुवार को भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कहा कि अधिकारी हर परिवादी की शिकायत को गंभीरता से लें और उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। साथ ही, समस्याओं का स्थाई समाधान करें, ताकि परिवादी बार-बार अपनी समस्याओं को लेकर जनसुनवाई में नहीं आए।

राज्य सरकार की मंशानुसार अधिकारी परिवादी की समस्याओं का समाधान कर उसे संतुष्ट करें। यदि परिवादी की समस्या का समाधान किया जाना संभव नहीं हो तो उसे लिखित में जवाब दिया जाए। जिला कलेक्टर ने जनसुनवाई में विभिन्न उपखंडों एवं ग्राम पंचायतों से आए परिवादियों की समस्याओं को सुना।

जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने जनसुनवाई में अधिकारियों को समस्याओं का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए।

साथ ही, जिला अधिकारियों एवं वीसी से जुड़े ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को समस्याओं का जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देश दिए कि रास्तों पर हो रहे अतिक्रमणों हटाया जाए। जिला कलेक्टर के समक्ष टोंक शहर के अर्जुन ने अतिक्रमण हटाने, पुरानी टोंक के हरभजन ने पानी की सप्लाई करने, भगवान ने जमादार को लगाने,

- जनसुनवाई में कहा कि अधिकारी हर परिवादी की शिकायत को गंभीरता से लें और उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। साथ ही, समस्याओं का स्थाई समाधान करें, ताकि परिवादी बार-बार अपनी समस्याओं को लेकर जनसुनवाई में नहीं आए

घनश्याम ने नाले की सफाई करने, अजय ने सीवरेज पाइप लाइन डालने, सोहन ने वेतन दिलवाने, कमलेश सैनी एवं मोहम्मद लुकमान ने अतिक्रमण हटाने, बहीर के अख्तर मियां ने नाले का निर्माण करने, अंबिका कॉलोनी की खुशी ने स्कूटी दिलवाने की गुहार लगाई।

जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। साथ ही, कहा कि आपके कार्यालय में आने वाले परिवादियों की समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करें। जनसुनवाई में एडीएम रामरतन सौकरिया, सीईओ परशुराम धानका, एसडीएम हुक्मीचंद रोहलानिया, डीएसपी राजेश विद्यार्थी, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. छोटू लाल बैरवा, तहसीलदार मानवेंद्र जायसवाल, सीएमएचओ शैलेंद्र चौधरी जलदाय विभाग के अधीक्षण राजेश गोयल समेत अन्य अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

वाटर कूलर किया भेंट

श्रीमाधोपुर ।कस्बे के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पोलादास में श्रीमाधोपुर निवासी नवरत्न गोपालका ने विद्यालय में एक 120 लीटर स्टोरेज वॉटर कुलर स्कूल में भेंट किया । विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मधु मंगावा ने बताया कि नवरत्न गोपालका ने अपनी माता स्वर्गीय गीता देवी की पुण्य स्मृति मे वाटर कूलर विद्यालय में मय स्टैंड टेन सेट सहित लगाया जिसका शुभारंभ नंदकिशोर गोपालका ने किया। विद्यालय में वाटर कूलर लगने से बच्चों को गर्मी में पानी की समस्या से परेशान नहीं होना पड़ेगा वहीं छात्र-छात्राओं को विद्यालय में ठंडा पेयजल प्राप्त होगा । इस मौके पर सुनीता गोपालका, चौथमल गोपालका, प्रमोद गोपालका, रविंद्र गोपालका, पंकज गोपालका, हेमंत गोपालका, मक्खन बाकोलिया, पिंटू सैनी, बलदेव सैनी, ग्यारसी लाल सैनी, सांवरमल, सुरेश कुमार जाट, सुरेंद्र कुमार निठारवाल, सुमन, शारदा, ग्यारसी देवी सहित कई लोग मौजूद रहे।

नि:शुल्क चिकित्सा - परामर्श शिविर एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

पावटा। प्रहलाद सहाय गिठाला की प्रथम पुण्यतिथि पर ग्राम तुलसीपुरा में विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड प्रतिनिधि व युवा नेता आशीष धनकड के मुख्य आतिथ्य मे निशुल्क चिकित्सा व परामर्श शिविर एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

आयोजकर्ता अनिल चौधरी निजी सहायक विधायक विराटनगर सुनील गिठाला राकेश गिठाला विकास गिठाला ने बताया कि शिविर में निम्स अस्पताल एवं डॉ पंकज सिंह फाउंडेशन के चिकित्सकों की टीम द्वारा 213 मरीजों का रजिस्ट्रेशन किया गया। शिविर में मरीजों की निशुल्क जांच कर नि:शुल्क दवाई वितरण किया गया। जांच के बाद 27 मरीजों को आंखों व अन्य बीमारी संबंधित आपरेशन व नि:शुल्क ईलाज के लिए अस्पताल में भिजवाया गया। जिसमें निम्स अस्पताल के शिविर

शिविर में मरीजों की निशुल्क जांच कर नि:शुल्क दवाई वितरण किया।

प्रभारी विष्णु कुमावत, नीरज जाटावत, रामरतन गूर्जर, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अनामिका, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ राजेश्वरी गोदारा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ ध्रुव, सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ अंकित एवं नर्सिंग स्टाफ ने सेवाएं प्रदान की।

वही कार्यक्रम में युवा नेता आशीष धनखड़, भांकरी पूर्व सरपंच हेमंत धनखड, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा के पूर्व वाईस चेयरमैन नरपतसिंह शेखावत, पंचायत समिति सदस्य मुखराम धनखड, भूमि विकास बैंक बैंक के अध्यक्ष रोहतास ताखर, मदन सैनी, लाडाकाबास पूर्व सरपंच मदन यादव, तुलसीपुरा पूर्व सरपंच जयराम गिठाला, सरपंच प्रतिनिधि मण्ढा शेर सिंह शेखावत, मण्डल प्रागपुरा मण्डल अध्यक्ष विकास सिंह शेखावत, प्रागपुरा जीएसएस अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह शेखावत, विशाल डेयरी डायरेक्टर सुरेंदर पलसानिया, एसके अस्पताल डायरेक्टर वीरेंद्र गढ़वाल, युवा नेता अमनदीप खोजा, रामकरण यादव युवा नेता शहिद सुबेसिंह संघर्ष समिति के अध्यक्ष अनील राठी, उपसरपंच सोठाना रामकरण छावड़ी, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष हेमराज सैनी, सत्यनारायण स्वामी, सुरेंदर पलसानिया, मनोज चौधरी, अमित गजराज सरपंच वीर तेजाजी नगर, ओपी बायला, प्रकाश डुचानीया, धर्मेंद्र गिठाला, रामस्वरूप गिठाला, कैलाश गिठाला, रमेश गिठाला, सुनील डुचानीया,जीतु योगी,अजय गिठाला, उमेश गिठाला यादराम यादव लोकेश लील सहित जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर पुण्य आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

तहसीलदार द्वारा अवरूद्ध कराये गये रास्ते को पुन: किया शुरू

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम शुक्लावास में इन दिनों खनन माफियाओं के हौंसले इतने बुलन्द है कि वे ना केवल नियम कायदे ताक पर रख कर अवैध खनन कार्य को अन्जाम दे रहे हैं। बल्कि अधिकारियों द्वारा कि गई कार्यवाही को भी धत्ता बता रहे हैं। गौरतलब है कि मन्दिर भूमि व चारागाह भूमि से होकर नदी क्षेत्र में अवैध रूप से निकाले गये रास्ते को तहसीलदार रामधन गुर्जर द्वारा मय पुलिस जाप्ते के विगत 13 मई को अवरूद्ध कराया गया था। उसी रात्रि खनन व क्रेशर माफिया ने दोगुनी ताकत से पोकलेन, डम्फरों से जबरन रास्ता खोल लिया।

इसको लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरूवार को सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास के नेतृत्व में जिला कलक्टर की जनसुनवाई में पहुंचकर जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल को विस्तार से अवगत करवाया। जिस पर जिला कलक्टर ने शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया। सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने बताया कि ग्राम पंचायत

- खनन माफियाओं के हौंसले बुलन्द,रातों रात खनन व क्रेशर माफिया ने जबरन खोला रास्ता
- ग्रामीणों ने जिला कलक्टर को करवाया अवगत, कलक्टर ने शीघ्र कार्यवाही का दिया आश्वासन

शुक्लावास की मन्दिर भूमि से क्रेशर माफिया द्वारा जबरन एवं अवैध रूप से रास्ता पुन: निकाल लिया गया है। जिसका उपयोग खनन सामग्री के परिवहन हेतु किया जा रहा है।

यह कार्य रातों-रात किया गया है, जो पूर्णत: गैर कानूनी है। उल्लेखनीय है कि विगत 13 मई को तहसीलदार कोटपूतली द्वारा पुलिस जाप्ता सहित मौके पर पहुंचकर उक्त अवैध रास्ते को हटाया गया था। इसके बावजूद संबंधित लोगों ने दोबारा अवैध गतिविधि को अंजाम देते हुये बाहुबल से उसी रात प्रशासन द्वारा अवरूद्ध किये रास्तों को पुन: बना लिया है। उक्त भूमि ग्राम पंचायत की मन्दिर भूमि व चारागाह भूमि है जो ग्रामवासियों एवं मवेशियों की सामूहिक संपत्ति है। इस पर अवैध कब्जा एवं रास्ता निकालना ना केवल नियमों के विरुद्ध है बल्कि यह ग्रामीण हितों के साथ भी अन्याय है। ग्रामीणों ने अनुरोध किया कि इस गंभीर प्रकरण में त्वरित संज्ञान लेते हुये संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध उचित कार्यवाही की जायें एवं मन्दिर भूमि व चारागाह भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जायें। जिस पर जिला कलक्टर ने शीघ्र कार्यवाही किये जाने का आश्वासन दिया। जनसुनवाई में एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बृजेश चौधरी, तहसीलदार रामधन गुर्जर सहित पुलिस, माइनिंग विभाग व अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान दलीप पहलवान, रंगलाल आर्य, सतवीर यादव, ग्यारसी लाल आर्य, रोहिताश यादव, सुरेश जाजडिया सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

जनसुनवाई में 142 फरियादियों ने दी परिवेदनाएं

अलवर। त्रि-स्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के तहत जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में आज मिनी सचिवालय सभागार में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित हुई जिसमें 142 फरियादियों ने अपनी परिवेदनाएं प्रस्तुत की।

जिला कलक्टर ने जिला स्तरीय जनसुनवाई, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल व अन्य माध्यम से भी आने वाली परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निराकरण करें। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुडे उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों से परिवेदनाओं के संदर्भ में तथ्यात्मक स्थिति का फीडबैक लेकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर के समक्ष जिलेभर से आए 142 फरियादियों ने अपनी परिवेदना प्रस्तुत की, जिनमें मुख्य रूप से राजस्व की अतिक्रमण हटाने से संबंधित, आदि विभागों की परिवेदनाएं प्रस्तुत की गई। जनसुनवाई में शहर के देहली दरवाजा के पास, लक्ष्मणगढ के ग्राम नारनोलखुर्द, नारनोल कलां व ग्राम लीली, राजगढ के ग्राम सकट, रैणी के ग्राम उकेरी, मालाखेडा के ग्राम माधोगढ में आम रास्ते एवं भूमि पर किए गए अतिक्रमण आदि की परिवेदनाएं प्रस्तुत होने पर जिला कलक्टर ने संबंधित उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया परिवेदनाओं का त्वरित निराकरण कर नियमानुसार अतिक्रमण हटवाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

इसी प्रकार अलवर शहर के स्कीम नं. 10 बी में जाटव बस्ती वार्ड नं. 4 एवं एरोड्रम रोड की तरफ नाले की सफाई व कचरा उठाव कराने, देहली दरवाजा के फरियादी ने विशेष योग्यजन सुखद दाम्पत्य योजना का लाभ दिलवाने, लक्ष्मणगढ के हसनपुर के फरियादी ने बंधोरी बांध पर बने एनीकट को पक्का करवाने, मालाखेडा के ग्राम रतनगढ निवासी फरियादी ने ढाणी की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते को पक्का करवाने, प्रतापगढ के ग्राम पिपलाई के फरियादी ने ऊंटवंश पंजीकरण प्रोत्साहन की द्वितीय किश्त का भुगतान दिलवाने, राजगढ के सकट निवासी दिव्यांग फरियादी ने इलेक्ट्रिक स्कूटी दिलवाने की परिवेदनाएं प्राप्त होने पर जिला कलक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारी एवं संबंधित उपखण्ड अधिकारी को निर्देश दिये कि परिवेदनाओं का समयबद्ध रूप में गुणवत्ता के साथ निस्तारण करें।

'नगरपालिका क्षेत्र में करोड़ों रूपए की लागत से होंगे विकास के कार्य'

निवाई। शहर के वार्ड नंबर 6 खंगारों के मोहल्ले में पानी की टंकी का विधिवत्त पूजा अर्चना के साथ शिलान्यास किया गया। शिलान्यास समारोह में मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, अध्यक्षता कर रहे नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी, विशिष्ट अतिथि भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अंकुर गुप्ता व पार्षद भानु कुमावत ने विधिवत भूमि पूजन करके शिलान्यास किया। इस दौरान वार्ड वासियों द्वारा अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

- करोडों रूपए की लागत से होगा पेयजल टंकी का निर्माण

विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि नगरपालिका क्षेत्र में करोड़ों रूपए की लागत से आमजन की सुविधा के लिए कई विकास के कार्य किए जा रहे हैं। शहर में सिवरेज सहित बस स्टैंड का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। वहीं निवाई पीपलू विधानसभा

खंगारों के मोहल्ले में पानी की टंकी का शिलान्यास करते हुए विधायक वर्मा व पालिकाध्यक्ष इसरानी।

क्षेत्र में पेयजल को लेकर कार्य प्रगति पर है। कुछ ही दिनों में उप जिला अस्पताल का विकास कार्य भी शुरू होगा। पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने कहा कि निवाई शहर में करोड़ों रूपए की लागत से आमजन की सुविधा के लिए पेयजल सुविधा हेतु टंकी का निर्माण कार्य करवाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री कन्हैयालाल चौधरी व विधायक रामसहाय वर्मा के अथक प्रयासों से आमजन को सुविधा हेतु टंकी की स्वीकृति हुई है।

उन्होंने बताया कि वाल्मीकि समाज के लिए सामुदायिक भवन का भी लोकार्पण किया गया है और जल्द ही 80 फीट रोड पर स्थित सामुदायिक भवन के समीप 10 करोड़ रूपए की लागत से सेंट्रल पार्क का निर्माण किया जाएगा। समारोह में जयपुर नगर निगम पार्षद अंकित वर्मा, पार्षद परसराम कुमावत, नितिन छाबड़ा, भाजपा नेता रामप्रसाद शर्मा, नटवाड़ा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, शालू कुमावत, जीतू विजय, जितेंद्र धरवाल, पूर्व सरपंच कैलाश नटवाड़ा, रामचरण पारीक, केदार चौधरी व नगेंद्र सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

जोधपुरा में श्याम भक्ति की बही गंगा

नारायणपुर। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोलाहेडा के गाँव जोधपुरा में बीती रात्रि को श्री श्याम बाल कृष्ण मंडल के तत्वाधान में 19वां खाटूश्याम संकीर्तन महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। श्याम संकीर्तन का आयोजन स्थानीय सरकारी विद्यालय के पास किया गया, जिसमें रात्रि भर श्याम बाबा के भजनों की अमृतवर्षा हुई और श्रद्धालु भक्त भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। कार्यक्रम की शुरुआत अखण्ड ज्योत प्रज्ज्वलन एवं बाबा श्याम के अलौकिक श्रृंगार से हुई। इसके पश्चात गायक बीरबल साईवाड ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर जागरण का शुभारंभ किया। संकीर्तन से पूर्व शाम 4 बजे नारायणपुर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर से लेकर जोधपुरा तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें विभिन्न धार्मिक झांकियाँ मुख्य आकर्षण रहीं। रात्रिकालीन संकीर्तन में कलाकार प्रकाश गुर्जर, सविता चौधरी, देवेन्द्र चौधरी ने एक से बढ़कर एक श्याम भजनों की प्रस्तुति दी। वहीं डांसर सिमरन, निशा यादव, कैलाश छैला ने नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

सार-समाचार

सीबीएसई 10वीं में दृष्टि ने 97.2 प्रतिशत लाकर क्षेत्र व स्कूल का गौरव बढ़ाया

पावटा। छात्रा दृष्टि गौड ने 97.2 प्रतिशत लाकर स्कूल टॉप किया है। छात्रा दृष्टि गौड सहित छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए क्षेत्र व स्कूल का गौरव बढ़ाया। अधिकांश छात्रों का परिणाम प्रथम श्रेणी में आने से स्कूल में खुशी का महौल दिखा। परीक्षा में अव्वल रहने वाले छात्रों को स्कूल प्रबंधन ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य शालिनी चौधरी व शिक्षक राकेश गौड ने बताया कि सीबीएसई द्वारा जारी किए गए 10वीं की रिजल्ट में दा राजस्थान स्कूल कोटपुतली के विद्यार्थीयों ने अपनी प्रतिभा का परचम इस बार भी लहराया है। दृष्टि गौड ने 97.2 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं शिवि जांगिड कुमारी ने 96.4 प्रतिशत लाकर स्कूल में द्वितीय स्थान तथा तेजस्वी ने 94.4 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। दृष्टि गौड ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी फैमिली और टीचर्स को दिया। वो बताती हैं कि पढ़ाई के दौरान कई बार वो और उसकी वजह से फैमिली कई कार्यक्रम में नहीं गई, उसका सपना है डॉक्टर बनना। उसके पिता मोहन कुमार गौड व उनकी माता मनीषा रानी एक शिक्षिका है जिन्होंने पढ़ाई के दौरान काफी हेल्प की। दृष्टि गौड ने कहा कि वो इस रिजल्ट पर बहुत खुश है, जितना उसने सोचा था उससे अच्छा रिजल्ट रहा है।

छात्राओं ने दी हस्तकला और सांस्कृतिक प्रतिभा की अनुपम प्रस्तुति

श्रीमाधोपुर। श्री आदर्श महिला बीएड कॉलेज में आयोजित एसयूपीडब्ल्यू (सामाजिक उपयोगी उत्पादक कार्य) शिविर के चतुर्थ दिवस पर रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक चेतना से परिपूर्ण गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविर प्रभारी एवं प्राचार्य डॉ. बी.एल. सैनी ने बताया कि प्रथम सत्र में छात्राध्यापिकाओं द्वारा हस्त निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों से तैयार सजावटी एवं उपयोगी वस्तुएं शामिल रहीं। छात्राओं ने अपने कार्यों के माध्यम से राजस्थानी संस्कृति और हस्तकला को संरक्षित रखने का संदेश दिया। द्वितीय सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ विचित्र वेशभूषा प्रदर्शन का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने विभिन्न परंपरागत व आधुनिक वेशभूषाओं को रोचक अंदाज़ में प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे दिन की गतिविधियों ने छात्राओं के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सांस्कृतिक समझ को सशक्त किया। उपस्थित स्टाफ एवं अतिथियों ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना की।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पावटा। ग्राम पंचायत राजनौता में गुरुवार को कृषि विभाग द्वारा संचालित योजना राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि विभाग संयुक्त निदेशक कार्यालय से लक्ष्मण गावरिया ने किसानों को रसायन मुक्त खेती करने की जानकारी देते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती एक रसायन मुक्त खेती प्रणाली है जो पशुधन और पौधों के उत्पाद स्त्रोतों से प्राप्त इनपुट के साथ काम करती है। इसका लक्ष्य देश को सुरक्षित और पौष्टिक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है जो कम महंगे इनपुट का उपयोग करके और खरीदे गए इनपुट पर कम निर्भरता से उगाए जाते हैं। इसका उद्देश्य पूरे देश में रसायनों के बिना प्राकृतिक खेती जैसी खेती की तकनीकों को लोकप्रिय बनाना है। इस योजना का उद्देश्य वर्तमान खेती के तरीकों को बदलना है जिसमें कीट और रोग नियंत्रण के लिए रासायनिक उर्वरकों और कृषि रसायनों का उपयोग शामिल है और प्राकृतिक खेती प्रणाली को अपनाना है जो दिए गए कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों के भीतर मिट्टी, फसलों, कीट, रोग और कीट नियंत्रण प्रथाओं पर स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और प्रथाओं के साथ सामंजस्य रखती है। वही कृषि विज्ञान केंद्र गोनेडा से डॉ. सरदार मल यादव ने किसानों को प्राकृतिक खेती जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत आदि पर विस्तृत जानकारी दी। सहायक कृषि अधिकारी ममता यादव व कृषि पर्यवेक्षक सुमन जाट ने किसानों को विभागीय योजनाओं तारबंदी, फार्मपोंड, पाइपलाइन आदि की विस्तृत जानकारी दी। शिविर में करीब 70 से अधिक किसानों ने भाग लिया। जिन्होंने प्राकृतिक खेती पर विशेषज्ञों से संवाद भी किया।

भैरों सिंह शेखावत की पुण्यतिथि मनाई

अलवर। समाजसेवी जितेंद्र राठौड ने बताया कि आज स्कूल ऑफ मार्शल आर्ट एकेडमी अलवर पर राजपूत समाज के द्वारा शेखावत जी कि पुण्यतिथि पर संगोष्ठी कि एवं फोटो पर पुष्प अर्पित किये उनके जीवन पर राजपूत समाज द्वारा प्रकाश डाला गया एवं शेखावात जी अमर रहे अमर रहे के नारे लगाए गए ! शेखावत जी का जीवन सरल एवं सादगी भरा था. उन्होंने अपने जीवन मे बहुत उतार चढ़ाव देखे. उनका जीवन राजस्थान को ऊंचाइयों पर ले जाने वाला था.उनका हमेशा कहना था मे दोस्त बनाता हु दुश्मन नहीं.. भाजपा को राजस्थान मे ऊचाईयों पर ले जाने मे बहुत बड़ा योगदान रहा. कार्यक्रम मे भूप सिंह,जितेंद्र राठौड़, युवराज सिंह, जितेंद्र सिंह पलवा,जितेंद्र राठौड़ दीपक तवर, सूबे सिंह, प्रेम सिंह,गोवेर्धन सिसोदिया उम्मेद सिंह चौहान, नरेन्द्र नरुका,रविराज चौहान, देवेंद्र सिंह, सोमवीर तवर, विक्रम चौहान,जसवंत राठौड़, विजय चौहान, विक्रम शेखावत,उदय सिंह भाटी, जीतेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

जय हिंद के नारों से गूंजाया आसमान

शाहपुरा । भारतीय जनता पार्टी राजस्थान की ओर से जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, चौमू विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र मीणा सहित हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में गुरुवार को तिरंगा यात्रा रैली का आयोजन किया गया। जिसमें जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र से हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया सह प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि भाजपा द्वारा पूरे भारत देश में सैनिकों के सम्मान में तिरंगा यात्रा रैली का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत आज जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र से हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जय हिंद, भारत माता की जय, वंदे मातरम, आतंकवाद मुर्दाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों से आसमान गूंज दिया। इस दौरान शाहपुरा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मालीराम सैनी, सुनील बिहाजर, पार्षद रोशन सैनी, अर्जुन फौजी, धर्मेंद्र वर्मा, जगदीश बल्लीवाल सहित क्षेत्र से हजारों भाजपा कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा रैली में शामिल हुए।

दिव्यांग को मिली श्रवण उपकरण की सौगात

राजगढ। जनसुनवाई में जिला कलक्टर के समक्ष राजगढ निवासी श्रवण बाधित दिव्यांग मोनू सैनी ने सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने की परिवेदना प्रस्तुत की। जिस पर जिला कलक्टर ने तुरन्त सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक को फरियादी को पात्रनुसार तत्काल सहायक उपकरण कराने के निर्देश दिये। विभाग के उप निदेशक ने फरियादी की पात्रता की जांच करते हुए श्रवण संबंधी उपकरण उपलब्ध कराने की कार्यवाही की। जनसुनवाई के दौरान ही फरियादी को जिला कलक्टर ने मौके पर ही श्रवण संबंधी उपकरण प्रदान किया। इस पर फरियादी ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि श्रवण बाधा के कारण सुनने में बहुत परेशानी आती थी। अब श्रवण उपकरण मिलने से मेरी सुनने की समस्या का समाधान संभव हुआ है। फरियादी ने जिला कलक्टर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसुनवाई में आना मेरे लिए सार्थक साबित हुआ है।

सड़क पर भरा पानी, आमजन परेशान

फुलेरा । स्थानीय नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नम्बर 2 की नरैना रोड़ के मध्य स्थित विजय नगर कॉलोनी के मुख्य मार्ग की सड़क पर बारिश का पानी भर जाने से आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय वासी प्रेम चन्द ने बताया कि मुख्य सड़क के पास प्रशासन द्वारा अभी कुछ समय पहले बड़ा नाला बनाया गया था। गौरतलब है कि उक्त नाले को रोड़ से करीब 2 फीट ऊंचाई पर बनाया गया है। जबकि पूर्व में बनी हुई सड़क उक्त नाले से नीचे हो गई। इसके चलते बारिश का पानी नाले में जाने के बजाय रोड़ पर ही इकट्ठा हो जाता है। इस कारण आम जनता को इधर से आने जाने में काफी परेशानी हो रही है।

भाला फेंक टूर्नामेंट में पाकिस्तान के नदीम को आमंत्रित करने के कारण मुझे आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। मुझे और मेरे परिवार को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियों की गईं। - नीरज चोपड़ा

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर, अरशद नदीम को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **एबी डीविलियर्स**

दिग्गज एबी डीविलियर्स ने खुलासा किया कि उन्हें शुरू में विराट कोहली पसंद नहीं थे और आईपीएल में आरसीबी में मिलने के बाद ही वे उनके दोस्त बने। डी विलियर्स ने ये खुलासा विराट कोहली के टेस्ट रिटायरमेंट के बाद किया। जब मैं उसे नहीं जानता था तब मैं उसे पसंद नहीं करता था, क्योंकि वह बहुत बेहतरीन व प्रतिस्पर्धी था। वह बिल्कुल मेरी ही तरह था। मैं भी फील्ड पर बहुत प्रतिस्पर्धी होता था। हमें जीतना बहुत पसंद है और हमें टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक देना बेहद पसंद है। उन्होंने कहा कि, अगर कोई हमें चैलेंज करता है, तो हमारा आक्रामक रवैया निकलकर सामने आता है।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफआरसीबीने अपना सर्वाधिक स्कोर 263/5 बनाया था, जो क्रिस गेल की 66 गेंदों में नाबाद 175 रनों की आतिशी पारी की बदौलत आया था।

अब कोलकाता में ही होगा आईपीएल 2025 फाइनल

कैब ने सौंपी बीसीसीआई को अहम रिपोर्ट

नई दिल्ली, 15 मई। एक हफ्ता स्थगित रहने के बाद अब फिर से आईपीएल 2025 17 मई से शुरू हो रहा है। वहीं 25 मई को कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाना था इससे पहले 23 मई को यहां क्वालिफायर 2 भी होना था लेकिन अब बीसीसीआई के नए शेड्यूल का ऐलान किया है। हालांकि, इसमें प्लेऑफ के किसी भी मैच के वेन्यू की जानकारी नहीं दी गई है।

वहीं खबर है कि 3 जून को कोलकाता में बारिश की संभावना है। इसलिए फाइनल किसी अन्य वेन्यू पर शिफ्ट किया जा सकता है।क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल एडी चोटी का जोर लगा रहा है ताकि उनसे इन दोनों बड़े मैचों की मेजबानी ना छीनी जाए। इस बीच कैब ने बीसीसीआई को एक अहम रिपोर्ट भी सौंपी है।पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई की । इस दौरान पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद दोनों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। 7 मई को कोलकाता में केकेआर बनाम सीएसके मैच खेला गया जो आईपीएल स्थगित होने से पहले आखिरी मैच साबित हुआ। इसके बाद 8 मई को पंजाब दिल्ली मैच बीच में ही रोकना पड़ा जो अब एक बार फिर से खेला जाएगा।

आईपीएल प्लेऑफ का नया शेड्यूल

बीसीसीआई के नए शेड्यूल का ऐलान हो चुका है इसमें प्लेऑफ के मैचों की तारीख भी शामिल है। अब प्लेऑफ का पहला मैच 29 मई को खेला जाएगा। इसके बाद एलिमिनेटर मैच 30 मई को होगा, दूसरा क्वालीफायर मैच 1 जून और फाइनल 3 जून को होगा। हालांकि, बीसीसीआई ने लीग स्टेज को लिए 6 स्टेडियम को चुना है लेकिन अभी तक प्लेऑफ के मैचों का वेन्यू फाइनल नहीं हुआ है। वहीं बीसीसीआई का कहना है कि प्लेऑफ के वेन्यू को लेकर फैसला किया जाएगा। जिसके बाद कहा जा रहा है कि फाइनल और क्वालीफायर 2 की मेजबानी ईडन गार्डन्स से छिन सकती है। इसके बीच कारण 3 जून और इसके आसपास के दिनों में बारिश की संभावना को बताया गया। अब कैब ने बीसीसीआई को रिपोर्ट सौंपकर कहा है कि अभी से बारिश का अनुमान लगाना सही नहीं होगा। रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल ने मौसम विज्ञान केंद्र कोलकाता से संपर्क कर 3 जून को शहर में मौसम के पैटर्न की रिपोर्ट मांगी है।

शशांक सिंह का सामान जयपुर की जगह पहुंचा बेंगलुरु, इंडिगो एयरलाइंस की भारी गलती

जयपुर, 15 मई। 17 मई से आईपीएल दोबारा शुरू हो रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते बीसीसीआई ने टूर्नामेंट को एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया था। ऐसे में नए शेड्यूल के अनुसार खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के साथ तय वेन्यू पर पहुंच रहे हैं। वहीं पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह के साथ एक घटना हो गई।दरअसल, पंजाब किंग्स का 18 मई को मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जयपुर में है। टीम इस मैच के लिए वहां पहुंच गई है। हालांकि, शशांक सिंह के साथ ये हुआ कि ये तो जयपुर पहुंच गए लेकिन उसका सामान जयपुर की जगह बेंगलुरु पहुंच गया। ये गलती एयरलाइंस से हुई जिसकी वजह से वह भड़क गए। शशांक सिंह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपना गुस्सा निकालते हुए लिखा कि, बहुत बढ़िया @indgo6e! हमारे देश की सबसे खराब एयरलाइन्स में से एक है। मेरा सामान जयपुर पहुंचना था और फिलहाल वह बैंगलोर में है। मुझे नहीं पता कि वे इतनी चालाकी से काम कैसे कर सकते हैं।

त्रिशा-गायत्री की जोड़ी हारी, भारत का थाईलैंड ओपन अभियान हुआ समाप्त

बैंकाक, 15 मई। भारत की स्टार बैडमिंटन जोड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल के दूसरे राउंड में जापान की रूई हीरोकामि और सायाका होबारा से हारकर थाईलैंड ओपन 2025 से बाहर हो गईं। आज यहां निमिबुत्र स्टेडियम में 53 मिनट तक चले मुकाबले में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को जपानी जोड़ी से मिली हार के इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त हो गई क्योंकि सभी पांच भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अपने-अपने मुकाबले हार गए। तीसरी वरीयता प्राप्त त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने पहले गेम में कड़ी टक्कर दी, लेकिन 20-22 से हार गईं। इसके बाद जापानी जोड़ी ने दूसरा गेम 21-14 से जीतकर मैच जीत लिया। अन्य मुकाबलों में महिला एकल में उन्नति हुड्डा भी बाहर हो गईं। उन्हें थाईलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 6 पोर्नपावी चोचुवोंग के खिलाफ 14-21, 11-11 से हार का सामना करना पड़ा। मालविका बंसोड़ को भी थाईलैंड की खिलाड़ी रत्चानोक इंतानोन से 12-21, 16-21 से हराया।

इंग्लैंड ने साउथी को टीम का सलाहकार नियुक्त किया

लंदन, 15 मई। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउथी को पुरुष टीम का विशेषज्ञ कौशल सलाहकार नियुक्त किया है। टीम साउथी ने न्यूजीलैंड के लिए 107 टेस्ट, 161 एकदिवसीय और 126 टी-20 मैच खेले है। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए सभी प्रारूपों में सबसे अधिक 776 विकेट लिये है। उनके पास अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 15 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। ईसीबी का मानना है कि साउथी का अनुभव इंग्लैंड की टीम के लिए बहुत उपयोगी होगा। टीम साउथी जिम्बाब्वे के खिलाफ 22 मई को ट्रेंट ब्रिज में शुरु होने वाले एकमात्र टेस्ट से पहले इंग्लैंड की टीम के साथ जुड़ेंगे। हालांकि साउथी की यह नियुक्ति लंबे समय के लिए नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि सलाहकार भूमिका के समापन के बाद साउथी के बर्मिघम फीनिक्स के साथ द हंड्रेड में खेलना फिर से शुरू कर सकता है।

राजस्थान बैडमिंटन संघ का कैलेंडर 2025-26 घोषित

जयपुर, 15 मई। राजस्थान बैडमिंटन संघ ने वर्ष 2025-26 के लिये राजस्थान बैडमिंटन कैलेण्डर की घोषणा की जिसमें पहली प्रतियोगिता जयपुर में आयोजित की जायेगी। इस प्रतियोगिता में सीनियर व जूनियर प्रतियोगिता के आधार पर सीनियर व 19 वर्ष टीम का चयन होगा जो नॉर्थ जोन चैम्पियनषिप में भाग लेंगे। राजस्थान बैडमिन्टन संघ के 2025-26 कैलेण्डर के अनुरूप पहली प्रतियोगिता राज्य रैंकिंग बैडमिन्टन प्रतियोगिता अन्डर-19 व सीनियर वर्ग में 25 से 30 जुलाई को जयपुर में होगी। इसी प्रतियोगिता के आधार पर सीनियर व 19 वर्ष टीम का चयन होगा जो नॉर्थ जोन चैम्पियनषिप में भाग लेगी।वहीं राज्य जुनियर अन्तरजिला बैडमिन्टन प्रतियोगिता जोकि 19 वर्ष में होगी वो उदयपुर में 24 से 29 अगस्त तक आयोजित होगी। इसी प्रतियोगिता के आधार पर राजस्थान अंडर-19 टीम का चयन किया जायेगा जो आंध्र प्रदेष के इटा नगर में नवम्बर में आयोजित प्रतियोगिता में राजस्थान टीम भाग लेगी। वहीं 15 वर्ष वर्ग में राज्य सब-जुनियर बैडमिन्टन चैम्पियनषिप जोधपुर में 10 से 15 अक्टूबर तक आयोजित होगी। वहीं 17 वर्ष वर्ग में राज्य सब-जुनियर बैडमिन्टन प्रतियोगिता हनुमानगढ़ में 13 से 17 नवम्बर को आयोजित होगी, इन दोनों प्रतियोगिताओं के आधार पर राजस्थान बैडमिन्टन टीम का चयन किया जायेगा जो दिसम्बर आयोजित भुवनेष्वर उड़ीसा में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। 11 एवं 13 वर्ष वर्ग में सब-जुनियर प्रतियोगिता 01 से 06 अक्टूबर को झुंझुनू में आयोजित होगी इस प्रतियोगिता के आधार पर राजस्थान टीम गुजरात के बडोदा में आयोजित प्रतियोगिता में दिसम्बर में भाग लेगी। वहीं राज्य सीनियर बैडमिन्टन चैम्पियनषिप 25 से 30 नवम्बर तक कांकरोली, राजसमंद में आयोजित होगी, इस प्रतियोगिता के आधार पर राज्य टीम दिसम्बर में विजयवाड़ा में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेगी। वहीं मास्टर्स बैडमिन्टन चैम्पियनषिप 03 से 08 फरवरी 2026 को अलवर में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता के आधार पर चयनित टीम मार्च महीने में होने वाली जम्मू कश्मीर में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगी।

बटलर की जगह मेंडिस गुजरात टाइटंस में हुए शामिल

अहमदाबाद, 15 मई। श्रीलंका के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुसल मेंडिस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जोस बटलर की जगह प्लेऑफ के लिए गुजरात टाइटंस की टीम में शामिल होंगे। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में क्वेटा ग्लैडिएटर्स के लिए खेल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने सात मई को टीम के लिए आखिरी मैच खेला था। ऐसा माना जा रहा अब सुरक्षा को लेकर चिंताओं के कारण वह पाकिस्तान नहीं जाएंगे। उन्होंने अब आईपीएल की ओर रूख किया है। बटलर का इंग्लैंड की एकदिवसीय टीम में चयन हुआ है। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच सफेद गेंद की सीरीज 29 मई से शुरू हो रही है। आईपीएल के प्लेऑफ की शुरुआत भी उसी दिन से हो रही है। इसलिए वह आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए नहीं खेल पायेंगे।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की विजेता टीम को मिलेंगे 36 लाख डॉलर

दुबई, 15 मई। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 संस्करण की विजेता टीम को 36 लाख तथा उपविजेता को 21.6 लाख डॉलर मिलेंगे। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 के लिए, कुल पुरस्कार राशि को बढ़कर 57.6 लाख डॉलर कर दिया है। जो कि पिछले दो संस्करणों की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। चैंपियन को 36 लाख अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा, हमने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र को बहुत ही रोमांचक रहा और फाइनल में खेलने वाली टीमों का फैसला प्रतियोगिता के आखिरी में ही हुआ।

उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले मैच दर्शकों के साथ-साथ दुनिया भर से आने वाले प्रशंसकों को इस प्रतिष्ठित प्रारूप में कुछ बेहतरीन क्रिकेट देखने को मिलेगा। शाह ने कहा, आईसीसी की ओर से मैं दोनों टीमों के खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित मैच की तैयारियों के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा, हम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुँचकर बहुत खुश है, यह हमारे लिए आईसीसी खिताब जीतने का एक अच्छा अवसर है। हम सभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा, हमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का बचाव करने का अवसर पाकर बहुत गर्व है। हमने फाइनल तक पहुँचने के लिए अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की है और यह हम सभी के लिए एक बड़ा सम्मान है।

दासनायके को अमेरिका की टीम का कोच नियुक्त किया

कोलंबो, 15 मई। श्रीलंका और कनाडा के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पुबुदु दासनायके को अमेरिका की पुरुष टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। दासनायके ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज स्टुअर्ट लॉ का स्थान लेंगे। दासनायके को दूसरी बार अमेरिका की टीम का कोच बनाया गया है। इससे पहले 54 वर्षीय दासनायके 2016-2019 तक तीन साल तक अमेरिका की टीम के कोच रहे थे। इस दौरान दासनायके ने अमेरिका को एकदिवसीय क्रिकेट टीम का दर्जा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।दासनायके ने श्रीलंका के लिए 11 टेस्ट और 16 एकदिवसीय मैच खेले। अमेरिका की टीम का फिर से कोच बनाये जाने पर दासनायके ने कहा, अमेरिका पुरुष क्रिकेट टीम में वापस आना और उसका नेतृत्व करना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि मैं अमेरिका क्रिकेट के लिए कुछ सार्थक करने के लिए खिलाड़ियों और कर्मचारियों के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका की टीम भारत में अगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी है।

आईपीएल 2025 में बांग्लादेशी खिलाड़ियों की एंट्री पर बवाल

दिल्ली कैपिटल्स पर फूटा फैंस का गुस्सा, उठी बहिष्कार की मांग

नई दिल्ली, 15 मई। आईपीएल 2025 अब दोबारा 17 मई से दोबारा शुरू हो रहा है। इस बीच दिल्ली कैपिटल्स ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जैक फ्रेजर-मैकगर्क की जगह बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल कर लिया है। दिल्ली कैपिटल्स का ये फैसला फैंस को बिल्कुल रास नहीं आ रहा है। मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल किए जाने के बाद फैंस की सोशल मीडिया पर जबरदस्त नाराजगी देखने को मिल रही है। कई फैंस दिल्ली के मैचों का बहिष्कार करने तक की मांग कर रहे हैं। भारत-पाकिस्तान टकराव के चलते आईपीएल को 9 मई से 1 हफ्ते के लिए टाल दिया गया था। इसके चलते सभी विदेशी खिलाड़ी वापस लौट गए थे। सीजफायर के बाद बीसीसीआई ने टूर्नामेंट के बचे हुए मुकाबलों के लिए नया शेड्यूल जारी किया। विदेशी खिलाड़ियों की वापसी को लेकर अनिश्चितता के बीच बोर्ड ने सभी टीमों को अस्थायी रिप्लेसमेंट साइन करने की छूट दी थी। इसी नियम के तहत दिल्ली कैपिटल्स ने 14 मई को बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल किया जब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जैक फ्रेजर-मैकगर्क ने भारत लौटने से इंकार कर दिया था।इस फैसले को लेकर फैंस का कहना है कि बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद अल्पसंख्यकों के ऊपर हो रहे अत्याचार को नजरअंदाज करना ठीक नहीं है। बांग्लादेश में मुख्य चीफ सलाहकार मोहम्मद यूनुस और कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों द्वारा हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। वहां के मंदिरों-मूर्तियों को तोड़ा गया और महिलाओं के साथ अभद्रता हुई। इससे भारतीय फैंस में काफी गुस्सा और नाराजगी है और वे आईपीएल में किसी भी बांग्लादेश खिलाड़ी को भागीदारी का विरोध कर रहे हैं।

17वीं अंडर-19 नंद सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग : सिग्नेचर क्रिकेट एकेडमी ने संस्कार को हराया

जयपुर, 15 मई। 17वीं अंडर-19 राज्य स्तरीय नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज खेले गए मैच में नारायण ग्राउंड पर सिग्नेचर

क्रिकेट एकेडमी ने संस्कार एकेडमी को 3 विकेट से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए संस्कार एकेडमी के आर्यमन शर्मा 145 नाबाद, देवांग जैन 160 रन शानदार शतक लगाए। दक्ष पारिक 22 रनों के सहयोग 45 ओवर में 2 विकेट पर 354 रन बनाए। सिग्नेचर की ओर से विशाल सिंघानिया ने 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए सिग्नेचर एकेडमी की ओर से विशाल सिंघानिया 102, गगनदीप 100 , ने शानदार शतक लगाए। शोएब खान 65 नाबाद पार्थ शर्मा 22 रनों के सहयोग से 42 ओवर में 7 विकेट पर 357 रन बनाए। संस्कार की ओर गेंदबाजी करते हुए आर्यमन शर्मा, आरव कुमार ने 2-2 विकेट लिए। देवांग जैन, अजयराज लंबा ने 2-2 विकेट लिए। आज के मैच की मैन ऑफ द मैच विशाल सिंघानिया रहे।

गुजरात टाइटंस, आरबीसी और पंजाब किंग्स का प्लेऑफ टिकट लगभग कन्फर्म, चौथी टीम के लिए होगी असली जंग

नई दिल्ली, 15 मई। आईपीएल 2025 एक हफ्ते के बाद बहाल होने जा रहा है। 17 मई से फैंस को एक बारफिर वही धूम धड़ाका देखने को मिलेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव को देखते हुए बीसीसीआई ने लीग को एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया था। अब बोर्ड ने सीजन-18 के बचे मैचों का नया शेड्यूल जारी कर दिया है। तय कार्यक्रम के अनुसार, 25 मई को फाइनल होना था, लेकिन अब खिताबी मुकाबला 3 जून को खेला जाएगा। हालांकि, प्लेऑफ की दौड़ में अभी कोई बदलाव नहीं हुआ है। 7 टीमों के बीच अभी भी टॉप-4 में जगह बनाने की जंग जारी है।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस ने अभी तक खेले 11 में से 8 मैच जीते है, वहीं तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात के खाते में फिलहाल 16 अंक है। टीम को प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए बचे 3 में से कम से कम एक और मैच जीतना होगा। हालांकि, जीटी की नजरें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के साथ-साथ टॉप-2 में बने रहने पर होगी। टीम अगर दो मैच जीतती है तो उनकी जगह टॉप-2 में भी पक्की हो सकती है।

आरसीबी : आईपीएल बहाल होने के बाद आरसीबी अपना पहला मैच केकेआर के खिलाफ खेलेगी। उस मैच को जीतकर आरसीबी प्लेऑफ का टिकट हासिल करने वाली पहली टीम बन सकती है। उस मैच को जीतकर आरसीबी प्लेऑफ का टिकट हासिल करने वाली पहली टीम बन सकती है। टीम के खाते में 11 मैचों में 16 अंक है, कोलकाता को हराकर आरसीबी 18 पॉइंट्स तक पहुंच सकती है।

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर की टीम के खाते में 11 मैचों में 7 जीत के साथ 15 अंक है केकेआर नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश की भेंट चढ़ा था। वहीं दिल्ली के खिलाफ रद्द हुआ उनका मैच शेड्यूल हो चुका है। पंजाब की टीम को यहां से तीन में से 2 मैच जीतने होंगे। अगर टीम एक जीत दर्ज करती है तो उन्हें प्लेऑफ का टिकट हासिल करने के लिए इंतजार करना होगा।

मुंबई इंडियंस : एमआई के खाते में 12 मैचों में 14 पॉइंट्स है, हालांकि, उनका नेट रन रेट अभी भी टूर्नामेंट में सबसे बेहतर है। मुंबई के अगले दो मुकाबले पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ है, जो करो या मरो साबित हो सकते हैं। मुंबई अगर यहां से एक भी मैच हारती है तो उनकी गाड़ी 16 पाइंट्स पर अटक आएगी ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स के पास टॉप-4 में जगह बनाने का सुनहरा मौका होगा।

दिल्ली कैपिटल्स : शानदार अंदाज में सीजन का आगाज करने वाली दिल्ली की टीम अब अपनी लय खो चुकी है। 11 मैचों में 6 जीत के साथ टीम पांचवें पायदान पर है। हालांकि, डीसी के पास अभी भी सबसे ज्यादा 19 पॉइंट्स तक पहुंचने का मौका है, लेकिन इसके लिए उन्हें बचे सभी मैच जीतने होंगे। अगर टीम दो मैच जीतती है तो उन्हें दुआ करनी होगी कि मुंबई अपना एक मैच हार जाए।

लखनऊ सुपर जाएंट्स : ऋषभ पंत की टीम अभी भी टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है क्योंकि उनके पास अभी भी सबसे ज्यादा 16 अंकों तक पहुंचने का मौका है, लेकिन एक हारअब उनका टूर्नामेंट में सफर समाप्त कर सकती है। एलएसजी के खाते में फिलहाल 11 मैचों में 10 पॉइंट्स है। उन्हें अगले तीन मैच आरसीबी, गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलने हैं। इसके अलावा उन्हें एमआई, डीसी और केकेआर के रिजल्ट पर निर्भर रहना होगा।

डायमंड लीग के दोहा चरण से अभियान का आगाज करेंगे नीरज चोपड़ा, जेना भी आएंगे नजर

नई दिल्ली, 15 मई। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शुक्रवार को अपने डायमंड लीग अभियान का आगाज करेंगे। उनकी नजरें इस साल के आखिर में होने वाली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में खिताब बरकरार रखने पर लगी होंगी। भारतीयों के बड़ी तादाद में होने से नीरज को यहां काफी समर्थन मिलेगा। नीरज का सामना इस बार एंडरसन पीटर्स, चेक गणराज्य के याकूब वाडलेश, जर्मनी के जूलियन वेबर और मैक्स डेहनिंग, कीनिया के जूलियस येगो और जापान के रॉडरिक जेंकी डीन से होगा। ये सभी बड़ी स्पर्धाओं में नीरज के प्रतिद्वंद्वी रह चुके हैं।पेरिस ओलंपिक 2024 के गोल्ड पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम इस बार भाग नहीं ले रहे हैं। एशियाई खेलों के सिल्वर विजेता भारत के ही किशोर जेना भी 11 प्रतियोगिताओं में से है। जेना का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 87.54 मीटर है जो पिछली बार यहां 76.31 मीटर का थ्रो लगाकर नौवें स्थान पर रहे थे। वाडलेश ने यहां 88.38 मीटर के थ्रो के साथ खिताब जीता था जबकि चोपड़ा दो सेंटीमीटर पीछे रहे थे। पीटर्स 86.62 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर थे।

कर्नाटक की लड़कियों और उत्तर प्रदेश के लड़कों ने बास्केटबॉल में जीते स्वर्ण पदक

पटना, 15 मई। कर्नाटक की लड़कियों और उत्तर प्रदेश के लड़कों की टीमों ने गुरुवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के बास्केटबॉल मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीते। आज यहां पटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले फाइनल मुकाबले में कर्नाटक की लड़कियों की टीम ने हरियाणा पर पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा और हर क्षेत्र में श्रेष्ठता प्रदर्शन करते हुए मैच 46-25 से जीत लिया। कर्नाटक के लिए निधि उमेश ने 27, माहेक शर्मा ने 21, निधि श्रीनिवास ने 17 और श्रावणी शिवन्ना 10 का स्कोर किया। हरियाणा की ओर से काफी ने 22, भूमि कतारिया ने 22 और वैष्णवी ने 13 का स्कोर किया।

श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल ने आरबीआई रिक्रिएशन क्लब को हराया

युवराज की घातक गेंदबाजी, 7 विकेट चटकाए

जयपुर, 15 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल डी के मैच में श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल ने आर बी आई रिक्रिएशन क्लब को 153 रनों से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर मैच में श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी हुए मात्र 24 रनों पर 5 विकेट खोने के बाद वंश आमेरिया के 98 रन व मयंक कुमावत के 56 रनों से 6वे विकेट के लिए 139 रनों की साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर 40 ओवर में 8 विकेट पर 204 रनों तक पहुंचाया। आर बी आई रिक्रिएशन क्लब के लिए राजेश विश्नोई जूनियर ने 37 पर 3, नरेंद्र ने 59 पर 3, प्रिंस व मितेश ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में आर बी आई रिक्रिएशन क्लब की टीम ने प्रणय शर्मा के 17 रन व प्रिंस के 13 रनों से 9.1ओवर में मात्र 51 रनों पर सिमट गई। श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल के लिए युवराज ने घातक गेंदबाजी करते हुए 22 पर 7, तथा सौरभ शर्मा ने 24 पर 3 विकेट लिए।

शोएब मलिक ने पीसीबी के मेंटर का पद छोड़ा

लाहौर, 15 मई। शोएब मलिक ने अन्य जिम्मेदारियों का हवाला देते हुए घरेलू प्रतियोगिताओं के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मेंटर पद से इस्तीफा दे दिया है। मेंटर पद से इस्तीफे को लेकर शोएब मलिक ने कहा कि यह आसान विकल्प नहीं था, लेकिन अपनी जिम्मेदारी पर विचार करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि कई अन्य जिम्मेदारियों को निभाने से मैं पाकिस्तान क्रिकेट और अपनी अन्य पेशेवर और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे पाऊंगा। उल्लेखनीय है कि मलिक ने दो सप्ताह पहले बोर्ड को अपना इस्तीफा सौंपते हुए कहा था कि अब वह अगले सत्र में मेंटर नहीं होंगे। वह अपने शेष अनुबंध संबंधी दायित्वों को पूरा निर्वहन करेंगे। पीसीबी ने शोएब मलिक, मिस्बाह-उल-हक, सकलैन मुश्ताक, सरफराज अहमद और वकार यूनिस को मेंटर के रूप में 2027 तक तीन साल के अनुबंध पर नियुक्त किया गया था।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रियोगिता

आर्यन, राहुल व सचिन की गेंदबाजी से राजीव गांधी जीती, रिहान अली की हैट्रिक

जयपुर, 15 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सोनी क्रिकेट स्टेडियम कालवाड़ रोड पर खेले गये पूल-एफ के मैच में राहुल जाट 12 रन पर 3 विकेट, आर्यन गुर्जर 20 रन पर 3 विकेट, सचिन यादव 12 रन पर 2 विकेट की शानदार गेन्दबाजी तथा मनय कटारिया 34 रन नाबाद व श्यामसुन्दर 29 रन नाबाद की बदौलत लॉ स्कोरिंग मैच में अपनी टीम को 6 विकेट से जीत दिलाकर 2 अंक प्राप्त किये। एस.जे. एकेडमी की ओर से रिहान अली ने पहले ओवर में ही हेट्रिक लेकर खलबली मचा दी थी लेकिन अन्य गेन्दबाज

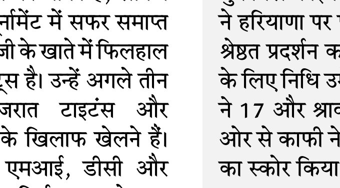

विकेट लेने में असफल रहा।

एस.जे. ने पहले बल्लेबाजी करते हुये उमेश मीणा 29 रन, कोविंत जेनरीवाल 16 रन तथा अभय शर्मा व ओवेश राजपूत प्रत्येक 10-10 रन के अलावा कोई भी बल्लेबाज राहुल जाट 12 रन पर 3 विकेट, आर्यन गुर्जर 20 रन पर 3 विकेट, सचिन यादव 12 रन पर 2 विकेट की शानदार गेन्दबाजी के समक्ष नहीं टीक सके और पुरी टीम 19.2 ओवर में मात्र 85 रन पर सिमट गई।

जवाबी पारी में एस.जे के रिहान अली ने पहले ओवर में ही हेट्रिक लेकर मैच में हलचल पैदा कर दी 0.4 ओवर में स्कोर 0 रन पर 3 विकेट था लेकिन मनेकटारिया 34 रन नाबाद तथा श्यामसुन्दर 29 रन नाबाद तथा नितिन अमरोतिया 16 रन की मदद से विजय लक्ष्य 17.5 ओवर में 4 विकेट पर 88 रन बनाकर 6 विकेट से जीत हासिल कर ली, एस.जे पब्लिक स्कूल की ओर से रिहान अली 10 रन पर 3 विकेट, उमेश मीणा 12 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे।

कर्नल सोफिया पर टिप्पणी, सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली मंत्री विजय शाह को

मंत्री विजय शाह ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में एफआईआर दर्ज करने के आदेश को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी

- सुप्रीम कोर्ट ने आदेश रद्द करने से मना कर दिया, मामले में शुक्रवार को सुनवाई होगी।
- मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद विजय शाह के खिलाफ कार्यवाही शुरु कर दी गई है।

नयी दिल्ली, 15 मई। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की ओर से की गई अपमानजनक टिप्पणियों के मामले में प्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश के खिलाफ रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर अंतरिम राहत देने से गुरुवार को इनकार कर दिया और कहा कि इस मामले पर शक्रवार को सुनवाई की जायेगी।

उच्च न्यायालय ने मंत्री की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी पर स्वत: संज्ञान लेकर राज्य सरकार को उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिया था। शाह की ओर से उसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गयी है। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने आज इस याचिका का उल्लेख किए जाने पर कहा कि मंत्री शाह ने ऐसी टिप्पणी की है जो गैर-जिम्मेदाराना है।

न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने मंत्री के खिलाफ मुकदमा दायर करने के मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश पर तत्काल रोक लगाने के आग्रह को अस्वीकार कर दिया और कहा कि वह इस मामले में कल सुनवाई करेगी।

याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय के आदेश के बाद उनके खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी पर रोक लगाने की मांग की थी।

मंत्री शाह की अधिवक्ता विभा दत्ता मखीजा ने पीठ के समक्ष कहा, उन्होंने (शाह) अपनी टिप्पणियों को लेकर पश्चाताप व्यक्त किया है। उन्हें गलत समझा गया है...मीडिया ने उसे बढ़ ा-चढ़ ाकर पेश किया है। हम मुकदमा - दर्ज करने के आदेश पर रोक लगाने की मांग करते हैं।

लेकिप पीठ ने कहा कि शाह के एक मंत्री हैं। इस नाते उनकी टिप्पणी बेहद गैर-जिम्मेदाराना थी।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा, संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ऐसे समय गैर-जिम्मेदारी से नहीं बोलना चाहिए...जब देश ऐसी स्थिति से गुजर रहा है। पता होना (शाह को) चाहिए कि वह क्या कह रहे हैं।...

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि उच्च न्याायालय के आदेश के बाद मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

अदालती आदेश का पालन करते हुए पुलिस ने बुधवार शाम को शाह के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कर लिया था।

'मैंने मध्यस्थता नहीं की बस मदद की'

दोहा, 15 मई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पाकिस्तान सीज फायर पर अपने पुराने बयान से यू टर्न ले लिया है। भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम पर अपनी भूमिका को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भले ही मध्यस्थता नहीं की लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव को शांत करने में मदद की।

- भारत पाक सीज़फायर पर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने यू टर्न लिया। उन्होंने दोहा में एक भाषण के दौरान यह टिप्पणी की।

ट्रंप ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि वह सीधे तौर पर यह नहीं कहना चाहते कि उन्होंने मध्यस्थता की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कतर के दोहा से यह बात कही है। दोहा में ट्रंप ने अपने एक भाषण में कहा 'मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैंने ऐसा किया, लेकिन मैंने पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में निश्चित रूप से मदद की।

'एफआईआर का कंटैन्ट ऐसा है कि तुरंत निरस्त हो जाए'

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने मंत्री विजय शाह के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर सवाल उठाए

- मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिस पर हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेकर मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे।

भोपाल/जबलपुर, 15 मई। महिला सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर मंत्री विजय शाह के विवादित बयान पर मध्य प्रदेशहाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की थीद्ध साथ ही एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए थे। मंत्री विजय शाह के मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में जस्टिस अतुल श्रीधरन तथा जस्टिस अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ के समक्ष गुरुवार को फिर सुनवाई हुई। हाईकोर्ट के आदेशानुसार, मंत्री विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने पर युगलपीठ ने नाराजगी व्यक्त की है। युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान अपने आदेशमें कहा है कि एफआईआर ऐसे कंटेंट के साथ लिखी गई है, जो चुनौती देने पर निरस्त हो जाए। युगलपीठ ने आदेशमें उल्लेखित कंटेंट के बारे बताते हुए एफआईआर दर्ज करने के लिए कहा है। इसके अलावा एफआईआर में पुलिस विवेचना की मॉनिटरिंग हाईकोर्ट द्वारा की जाएगी।

युगलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि यह उल्लेख करना आवश्यक है कि कर्नल सोफिया कुरैशी विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ, मीडिया और राष्ट्र को पाकिस्तान के खिलाफ हमारे सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर की प्रगति के बारे में जानकारी देने वाले सशस्त्र बलों का चेहरा थीं। मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ एक अपमान जनक टिप्पणी की, जो किसी और के लिए नहीं, बल्कि उनके लिए ही हो सकती है। सार्वजनिक समारोह में उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को पहलगाम में 26 निर्दोष भारतीयों की हत्या करने वाले आतंकवादियों की बहन बताया है। उनकी यह टिप्पणी संबंधित अधिकारी के लिए, बल्कि सशस्त्र बलों के लिए भी अपमानजनक और खतरनाक है। बयान प्रथम दृष्टया मुस्लिम धर्म के सदस्यों और अन्य व्यक्तियों के बीच वैमनस्य और दुश्मनी या घृणा या दुर्भावना पैदा करने की प्रवृत्ति वाला है। युगलपीठ ने आदेश में कहा है कि बी.एन.एस. के विभिन्न प्रावधानों के अवलोकन के आधार पर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को निर्देशित किया जाता है कि मंत्री विजय शाह के विरुद्ध गुरुवार शाम तक आवश्यक तौर पर आदेशानुसार एफआईआर दर्ज करें। आदेश का पालन नहीं होने पर उनके खिलाफ अवमानना के लिए कार्रवाई करने पर विचार किया जा सकता है।

26 तक एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। वहीं, मामले में गठित छह मंत्रियों की कमेटी की गत 13 मई को बैठक होनी थी, जिसमें भर्ती को लेकर निर्णय होना था। भारत-पाक तनाव को देखते हुए इनमें से सिर्फ दो मंत्री बैठक में आए और तीन अन्य मंत्री प्रभारी जिलों के दौरे पर होने के चलते बैठक में नहीं आए। वहीं, एक मंत्री स्वास्थ्य कारणों के चलते बैठक में शामिल नहीं हुए। ऐसे में यह बैठक 21 मई को करना तय किया गया। इसलिए अदालती आदेश की पालना के लिए चार सप्ताह का समय दिया जाए। इसका विरोध करते हुए याचिकाकर्ताओं के वकील हरेन्द्र नील ने कहा कि फरवरी माह से राज्य सरकार को अब तक तीन माह का समय मिल चुका है। भर्ती में एसडीएम स्तर के अफसर की भूमिका भी सामने आई है। ऐसे में भर्ती को तत्काल रद्द किया जाना चाहिए। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को अंतिम अवसर देते हुए कहा है कि यदि आगामी सुनवाई पर भर्ती के संबंध में निर्णय लेकर अदालत को नहीं बताया गया तो संबंधित अधिकारी इसका परिणाम भुगत सकते हैं और उस समय अदालत अपने स्तर पर आदेश पारित करेगी।

'किराना हिल्स से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के दौरान एक सवाल का जवाब नहीं दिया। ऑपइंडिया के एक लेख में भी ऐसी अपुष्ट रिपोर्टों का उल्लेख था कि मिस्र का एक विमान, बोरोन, जो रेडियोऐक्टिव विकिरण को रोकने के काम आने वाला पदार्थ होता है, लेकर आया तथा उसे पाकिस्तान की म्यूरी के आसपास देखा गया था।

सोशल मीडिया पर ऐसे दावों की बाढ़ आई हुई है कि भारतीय मिसाइलों ने किराना की न्यूक्लियर हथियारों की स्टोरेज फेसिलिटी पर हमला किया था। इन दावों के साथ, उस क्षेत्र की मिसाइल हमले से पहले की, और बाद की तस्वीरें भी पोस्ट की जा रही हैं। सोशल मीडिया पर किये जा रहे कुछ दावों में कुछ मीम्स साझा की जा रही हैं, जो कह रही हैं कि भारत की स्ट्राइक "एक चेतावनी प्रहार था, जिससे घबराकर पड़ोसी देश युद्ध विराम के लिये गिड़गिड़ाने लगा।

प्रैस को दिये गये एक बयान में, आईएईए के प्रवक्ता फ्रेड्रिक डहल ने कहा: "हमें रिपोर्ट्स की जानकारी है। आईएईए के पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर, पाकिस्तान की किसी न्यूक्लियर फेसिलिटी से कोई रेडिएशन लीक /रिलीज नहीं हुआ है।"

आईएईए का "इंसिडेन्स एण्ड इमर्जेन्सी सेन्टर", जिसकी स्थापना 2005 में हुई थी, रेडिएशन की घटनाओं और आपात स्थिति में तुरंत सक्रिय होने तथा आपातकालीन तैयारी में अन्तर्राष्ट्रीय सहायता के समन्वय के लिये प्राथमिक हब का कार्य करता है।

प्रसंगवश बता दें कि एयर मार्शल ए.के. भारती ने इस बात की पुष्टि पहले ही कर दी थी कि भारत ने किराना हिल्स पर हमला नहीं किया। एयर मार्शल भारती ने एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में कहा था, "हमें यह बताने के लिये आपका शुक्रिया कि किराना हिल्स पर कुछ न्यूक्लियर इन्स्टालेशन हैं। हमें इसके बारे में जानकारी नहीं थी।"

जज 100 किलोमीटर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भेजकर पीड़िता को राहत दिलाने के निर्देश दिए।

प्राधिकरण के आदेश की पालना में पवन जीनवाल अस्पताल पहुंचे। जीनवाल ने अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें सुप्रीम कोर्ट और बाल अधिकारिता विभाग के आदेशों की याद दिलाई। जज को मौके पर आया देखकर पीड़िता का सुरक्षित गर्भपात कराया गया। वहीं, प्राधिकरण सचिव ने अस्पताल प्रशासन को भविष्य में ऐसे संवेदनशील मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी। प्राधिकरण सचिव पवन जीनवाल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, 24 सप्ताह तक के गर्भपात की अनुमति है। वहीं, बाल अधिकारिता विभाग के एक फरवरी, 2024 के निर्णय के अनुसार, 20 सप्ताह के गर्भपात के लिए नाबालिग के अभिभावकों के आवेदन पर कोई भी पंजीकृत चिकित्सक कार्रवाई कर सकता है। वहीं, यदि 24 सप्ताह से अधिक का गर्भ है तो उसके लिए हाईकोर्ट से अनुमति लेनी होती है। इस मामले में पीड़िता के सिर्फ 13 सप्ताह का गर्भ था। इसके बावजूद, चिकित्सक उन्हें परेशान कर रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम अत्रि के निर्देश पर उनकी ओर से सौ किलोमीटर दूर आकर यह कार्रवाई की गई।

लड़ाई केरल के मुख्यमंत्री के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और पार्टी के नेतृत्व ने पहलगाम हमले के बाद किया था।

केरल के एक वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि जयराम रमेश अपनी नौकरी बचाने की कोशिश कर रहे हैं और वेणुगोपाल को खुश करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

शशि थरुर भारी दुविधा में हैं। वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में नहीं जाना चाहते, लेकिन उन्हें लग रहा है कि के.सी. वेणुगोपाल उन्हें कांग्रेस से बाहर करने पर आमादा हैं।

और राहुल गांधी इतने प्रभावित हैं के.सी. वेणुगोपाल से कि उन्हें असल मुद्दे दिखाई ही नहीं देते। उन्हें दिख ही नहीं रहा है कि वेणुगोपाल और जयराम रमेश जैसे लोग पार्टी को कितना नुकसान पहुँचा रहे हैं।

शशि थरुर जैसा विद्वान और अंतर्राष्ट्रीय मामलों का विशेषज्ञ नेता पार्टी की संपत्ति हैं, लेकिन राहुल गांधी अपनी ही दुनिया में खुश हैं और जो कुछ भी हो रहा है, उसी में संतुष्ट हैं। और इसी बीच भाजपा हरसंभव कोशिश कर रही है कि शशि थरुर को अपने पाले में ले सके।

'भारत अमेरिका से आयातित...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और चीन ने अमेरिकी वस्तुओं पर अपने टैरिफ को घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। वर्तमान में इन टैरिफ्स को और अधिक संतुलित करने पर बातचीत चल रही है।

वर्तमान में भारत का अमेरिका के साथ 45 बिलियन डॉलर ट्रेड सरप्लस है। ट्रंप का हमेशा से दावा रहा है कि भारत में दुनिया की सबसे ऊँची टैरिफ प्रणालियाँ हैं।

भारत अमेरिका को फार्मास्यूटिकल्स (औषधियाँ) का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। वहीं, भारत अमेरिका से विमान और उच्च मूल्य वाले इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे उच्च श्रेणी के उत्पाद खरीदता है।

वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनेगा

मथुरा, 15 मई। वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर का रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 5 एकड़ जमीन अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर के 500 करोड़ रुपयों से कॉरिडोर के लिए मंदिर के पास 5 एकड़ जमीन अधिग्रहित करने की इजाजत दी है। अदालत ने शर्त लगाई कि अधिग्रहित भूमि देवता के नाम पर पंजीकृत होगी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने संशोधित किया। हाईकोर्ट ने मंदिर के आसपास की भूमि को अपने धन का उपयोग करके खरीदने पर रोक लगा दी थी।

जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस एससी शर्मा की पीठ ने कॉरिडोर के लिए राज्य सरकार की 500 करोड़ रुपये की विकास योजना की जांच करने के बाद, बांके बिहारी मंदिर की सावधि जमा राशि के उपयोग की अनुमति दे दी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908